राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 महाराष्ट्र सरकार में खटपट? एकनाथ शिंदे के फैसले पर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने लगाई रोक.....

रोहित के लिए फिर से टेस्ट खेलना लंबा और कठिन होगा: पोंटिंग..... 11

वर्ष : 12 | अंक : 261 | पटना, शनिवार, 04 जनवरी, 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 20.0°C
न्यूनतम तापमान 12.0°C

बाजार

सोना 75,920

चांदी 91,900

सेंसेक्स 83,584

निफ्टी 25,698

मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे ले रहे हैं महामारी का रूप : मुर्मु

प्रात: किरण

बेंगलुरू/एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहंस) की एकीकृत चिकित्सा सेवाओं की सराहना की और इसे सभी के लिए एक आदर्श मॉडल बताया। उन्होंने कहा, 'एनआईएमएचएएनएस की एकीकृत चिकित्सा सेवाएं मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने में योग और आयुर्वेद का उपयोग करके मनोरोग और तंत्रिका संबंधी समस्याओं का इलाज करने के लिए एक आदर्श हैं।' उन्होंने यहां संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान मनोचिकित्सा विशेषज्ञ ब्लॉक, केंद्रीय प्रयोगशाला परिसर और भीमा छात्रावास का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाएं- 3ळ एमआरआई स्कैनर और डीएसए सिस्टम भी देश को समर्पित किया।

उन्होंने आगे कहा कि नकारात्मक मानसिक शक्तियों का मुकाबला करने में विभिन्न प्रकार के ध्यान भी उपयोगी हैं। उन्हें मानसिक स्वास्थ्य देखभाल मॉडल में एकीकृत किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने पारंपरिक तरीकों का उपयोग करने के महत्व को रेखांकित किया जो सभी के लिए फायदेमंद हैं। मुर्मू ने कहा, 'हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि मन वह है जो हम दुनिया में जो कुछ भी महसूस करते हैं, उसकी जड़ है।' उन्होंने रेखांकित किया कि आने वाले वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना और भी महत्वपूर्ण हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत में कुछ समाजों में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों और चिंताओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ रही है। मानसिक बीमारियों से जुड़ी अवैज्ञानिक मान्यताएं अतीत की बात हो गई हैं, जिससे विभिन्न बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए मदद लेना आसान हो गया है। द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'यह स्वागत करने लायक विकास है, विशेष रूप से इस मोड़ पर, क्योंकि दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे महामारी का रूप ले रहे हैं। विशेष रूप से कोविड महामारी ने ऐसी चिंताओं में वृद्धि की है। कामकाजी पेशेवर अधिक तनाव का सामना करते हैं तथा बड़ी संख्या में बुजुर्ग लोग सामाजिक चुनौतियों के कारण अकेलेपन से पीड़ित हैं।'

संक्षिप्त खबरें

पीएम ने सावित्रीबाई फुले को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को प्रख्यात समाजसेवी और भारत में महिला शिक्षा की प्रबल समर्थक रहीं सावित्रीबाई फुले को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सावित्रीबाई फुले जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। वह महिला सशक्तीकरण की प्रतीक तथा शिक्षा और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में अग्रणी हस्ती हैं। उनके प्रयास हमें प्रेरित करते रहते हैं, इसलिए हम लोगों के जीवन की बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं।

महात्मा फुले ने देश में पहले बालिका विद्यालय की शुरूआत की थी और सावित्रीबाई उसकी पहली महिला शिक्षिका थीं। प्रधानमंत्री ने स्वाधीनता आंदोलन में अंग्रेजों से लोहा लेने वाली, तमिलनाडु के शिवगंगा रियासत की रानी वेलू नचियार की जयंती पर उन्हें भी श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनका अदम्य साहस आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा, ह्यसाहसी रानी वेलू नचियार को उनकी जयंती पर याद करता हूं! उन्होंने अद्वितीय वीरता और रणनीतिक प्रतिभा दिखाते हुए औपनिवेशिक शासन के खिलाफ एक वीरतापूर्ण लड़ाई लड़ी। उन्होंने पीढ़ियों को उत्पीड़न के खिलाफ खड़े होने और स्वतंत्रता के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया। महिला सशक्तीकरण को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका की भी व्यापक रूप से सराहना की जाती है। रानी वेलु नचियार शिवगंगा की रानी थीं और वह ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ युद्ध छेड़ने वाले पहले भारतीय शासकों में से एक थीं। वीरमंगई, वीर महिला कहलाने वाली, रानी वेलु नचियार रामनाथपुरम की राजकुमारी थी।

पीएम ने रामलीला मैदान में 'स्वाभिमान अपार्टमेंट' के लोकार्पण करने के बाद जनसभा को किया

दिल्ली वासियों पर दस साल से व्याप्त है 'आप-दा' : मोदी

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार को राष्ट्रीय राजधानी वासियों के लिए बड़ी आप-दा करार देते हुए कहा कि अन्ना हजारे को आगे करके कट्टर बेईमानों ने खुलेआम घोटाले एवं भ्रष्टाचार किये और उसका जश्न भी मनाया।

श्री मोदी ने शुक्रवार को यहां दिल्ली विधानसभा चुनावों के पहले उत्तरी दिल्ली के अशोक विहार स्थित रामलीला मैदान में झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले गरीबों के लिए स्वाभिमान अपार्टमेंट के लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए यह तंज कसा। प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लोगों को आश्वस्त किया कि उन्हें हर हाल में पक्का घर मिलेगा। भले ही आज न मिले लेकिन कल जरूर मिलेगा।

श्री मोदी ने अपने भाषण में कहा कि साल 2025 भारत के विकास के लिए अनेक नई संभावनाएं लेकर आ रहा है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने की ओर हमारी यात्रा इस वर्ष और तेज होने वाली है। आज भारत, दुनिया में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बना है, 2025 में भारत की ये भूमिका और सशक्त होगी।

उन्होंने कहा कि यह वर्ष विश्व में भारत में अंतरराष्ट्रीय छवि को और सशक्त करने, भारत को दुनिया का बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने, युवाओं को नए स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप में आगे बढ़ाने, कृषि क्षेत्र में नए कीर्तिमानों का होगा। उन्होंने कहा कि यह वर्ष महिला नीत विकास के हमारे मंत्र को नई ऊंचाई देने तथा जीवन की सुगमता और गुणवत्ता बढ़ाने का होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं विशेष रूप से उन साथियों को, उन माताओं, बहनों को बधाई देता हूं, जिनकी एक तरह से नई जिंदगी शुरू हो रही है। झुग्गी की जगह पक्का घर, अपना घर... ये नई शुरूआत ही तो है। जिनको ये घर मिले हैं, ये उनके स्वाभिमान का घर है, ये आत्मसम्मान का घर है, ये नई आशाओं और नए सपनों का घर है। मैं आप सभी की खुशियों में आपके उत्सव का हिस्सा बनने यहां आया हूं। 'स्वाभिमान अपार्टमेंट्स' गरीबों के स्वाभिमान और उनकी गरिमा को बढ़ाने वाले हैं। इन घरों के मालिक भले ही दिल्ली के अलग-अलग जगहों के लोग हों, लेकिन ये सब के सब मेरे परिवार के ही सदस्य हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आज पूरा देश 'विकसित भारत' के निर्माण में जुटा है। 'विकसित भारत' में देश के हर नागरिक के पास पक्के घर हों, ये संकल्प लेकर हम काम कर रहे हैं।

इस संकल्प में दिल्ली की बहुत बड़ी भूमिका हैं, इसलिए भाजपा की केंद्र सरकार ने झुग्गियों की जगह पक्का घर बनाने का अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा, देश भलीभांति जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया, लेकिन बीते 10 वर्षों में चार करोड़ से अधिक लोगों का सपना पूरा किया है। मैं भी कोई शीश महल बना सकता था, लेकिन मेरे लिए तो मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले, यही सपना था। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं, जब भी आप बातचीत करते हैं और झुग्गी निवासियों के साथ मिलते हैं, उन्हें मेरी ओर से यह सुनिश्चित करें कि वे निश्चित रूप से पक्का घर प्राप्त करेंगे, यदि आज नहीं, तो कल!

उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने में बहुत बड़ी भूमिका हमारे शहरों की है। जहां दूर-दूर से लोग सपने लेकर आते हैं और बड़ी ईमानदारी से उन सपनों को पूरा करने में जिंदगी खपा देते हैं। इसलिए केंद्र की भाजपा सरकार शहरों में रहने वाले हर परिवार को गुणवत्तापूर्ण जीवन देने में जुटी है।

श्री मोदी ने दिल्ली की आप सरकार पर हमला करते हुए कहा, बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला... ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप-दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं। ये लोग खुले तौर पर भ्रष्टाचार में संलग्न हैं और यहां तक कि इसका जश्न मनाते हैं। ये और कुछ नहीं चोरी और ऊपर से सीनाजोरी है

उन्होंने कहा, दिल्ली वालों ने आप-दा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। दिल्ली का वोटर, दिल्ली को आप-दा से मुक्त करने की ठान चुका है। वो कह रहा है- आप-दा को नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं तो दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली 'आयुष्मान भारत' योजना का लाभ देना चाहता हूं। आप-दा सरकार को दिल्ली वालों से बड़ी दुश्मनी है। पूरे देश में आयुष्मान योजना लागू है, लेकिन इस योजना को आप-दा वाले यहां लागू नहीं होने दे रहे। इसका नुकसान दिल्ली वालों को उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, दिल्ली के हर लोग यमुना की स्थिति को देख सकते हैं। उनकी बेशर्मी को देखें, यह किस तरह का आप-दा है, वे कहते हैं कि यमुना को साफ करने से उन्हें वोट नहीं मिलेगा - क्या आप इस तरह से यमुना को छोड़ देंगे। यह आपको वोट नहीं देता है? ... इस आप-दा ने टैंकर माफिया के हाथों में दिल्ली के लोगों के जीवन को सौंप दिया है।

4500 करोड़ की सौगात दी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने चुनाव से पहले दिल्ली के लोगों को बड़ी सौगात दी है. पीएम मोदी ने दिल्ली में 4500 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया. इस मौके पर पीएम मोदी ने दिल्ली के अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में इन-सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना के अंतर्गत झुग्गी झोपड़ी (जेजे) समूहों के निवासियों के लिए 1,675 फ्लैटों का उद्घाटन किया और साथ ही लाभार्थियों को इनकी चाबियां भी सौंपी.

कई परियोजना का शिलान्यास और उद्घाटन

इस परियोजना का उद्देश्य दिल्ली में जेजे क्लस्टरों के निवासियों को पर्याप्त सुविधाओं से सुसज्जित बेहतर और स्वस्थ रिहायशी वातावरण प्रदान करना है. केंद्र सरकार द्वारा एक फ्लैट के निर्माण पर 25 लाख रुपये खर्च किए जाते हैं. पात्र लाभार्थी कुल राशि का सात प्रतिशत से कम भुगतान करते हैं, जिसमें मामूली योगदान के रूप में 1.42 लाख रुपये और रखरखाव के पांच साल के लिए 30,000 रुपये शामिल हैं. इसके साथ ही पीएम मोदी ने दिल्ली में वर्चुअली दो शहरी पुनर्विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया. प्रधानमंत्री मोदी ने नजफगढ़ के रोशनपुरा में वीर सावरकर कॉलेज की आधारशिला भी वर्चुअली रखी.

न्यायालय ने 2002 के हत्या मामले में गुरमीत राम रहीम और अन्य से जवाब मांगा

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने 2002 के हत्या मामले में बरी किए जाने के खिलाफ दायर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की याचिका पर डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम से शुक्रवार को जवाब मांगा। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार ने नोटिस जारी कर मामले में बरी किए गए लोगों से जवाब मांगा है।

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने डेरे के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले में 28 मई 2024 को सिंह और चार अन्य को बरी कर दिया था, जिसके खिलाफ सीबीआई ने याचिका दायर की थी।

भारत हमेशा मालदीव के साथ खड़ा है: जयशंकर

नई दिल्ली/एजेंसी। भारत और मालदीव ने सीमा पार व्यापार के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने के वास्ते एक रूपरेखा को अंतिम रूप दिया है और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत हमेशा मालदीव के साथ खड़ा है। जयशंकर ने दिल्ली में मालदीव के अपने समकक्ष अब्दुल्ला खलील के साथ बैठक में यह टिप्पणी की। समुद्री सुरक्षा, व्यापार और निवेश समेत कई प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा के लिए खलील बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे। जयशंकर ने कहा, सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा, हमने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी भागीदारी बढ़ाई है और मैं यह कहना चाहता हूं कि भारत हमेशा मालदीव के साथ खड़ा रहा है। आप हमारी पड़ोस पहले की नीति में

पेपर लीक के खिलाफ छात्रों की आवाज दबा रही है सरकार : राहुल

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पेपर लीक करवा कर छात्रों के भविष्य के साथ अन्याय कर रही है और जब छात्र इस अन्याय के खिलाफ खडे होते हैं तो उनकी आवाज को दबा दिया जाता है। श्री गांधी ने कहा कि पहले बिहार में प्रतियोगी परीक्षा देने वाले छात्रों की आवाज दबाने का काम हुआ है और अब मध्य प्रदेश में पेपर लीक के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों को जेल में डाल दिया गया है।

उन्होंने कहा ₹भाजपा भारत के युवाओं का बिल्कुल एकलव्य जैसा अंगूठा काट रही है उनका भविष्य मिटा रही है। सरकारी भर्ती में विफलता बड़ा अन्याय है। पहले तो भर्ती नहीं निकलती। भर्ती निकल जाए तो एग्जाम समय पर नहीं होते। एग्जाम हो तो पेपर लीक करवा दिए जाते हैं और जब युवा न्याय मांगते हैं तब उनकी आवाज को बेरहमी से कुचला जाता है। श्री गाँधी ने कहा ₹हाल ही में उत्तर प्रदेश और बिहार की घटनाओं के बाद अब मध्यप्रदेश में एमपीपीएससी में हुई गड़बड़ी का विरोध कर रहे दो छात्रों को जेल में डाल दिया गया है। वो भी तब जब मुख्यमंत्री ने खुद छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। भाजपा की सरकार ने छात्रों के भरोसे को तोड़ा है और लोकतांत्रिक प्रणाली का गला घोंटा है। उन्होंने कहा ₹छात्रों के अधिकार की लड़ाई में हम उनके साथ हैं। भाजपा को देश के युवाओं के हक की आवाज किसी कीमत पर दबाने नहीं देंगे।

भारत में सनातन, हिंदू के जिक्र से गुमराह लोग चौंकाने वाली प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं: धनखड़

संबोधन वेदांत की बुद्धिमत्ता को ऐतिहासिक बौद्धिक धरोहर से निकालकर कक्षा में लाने और समाज के हर कोने तक पहुंचाने की आवश्यकता

नई दिल्ली/एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वेद और सनातनी ग्रंथों को समाज के प्रत्येक कोने तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि कुछ लोग विनाशकारी विचार प्रक्रिया को छिपाने के लिए धर्मनिरपेक्षता को एक ढाल के रूप में प्रयोग कर रहे हैं।

श्री धनखड़ ने यहां जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय में 27 वीं अंतर्राष्ट्रीय वेदांत कांग्रेस के उद्घाटन भाषण में कहा कि वेदांत की बुद्धिमत्ता को ऐतिहासिक बौद्धिक धरोहर से निकालकर कक्षा में लाने और समाज के हर कोने तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वेद इतिहास नहीं है बल्कि मानव समाज के भविष्य के प्रारुप है। ये सतत विकास के लिए व्यावहारिक समाधान देते हैं।

वेदांत के ज्ञान की पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि वेदांत अतीत का

अवशेष नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए एक ब्लूप्रिंट है। जैसे-जैसे हम अप्रत्याशित वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, यह सतत विकास, नैतिक नवाचार और सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए व्यावहारिक समाधान प्रदान करता है।

श्री धनखड़ ने कहा, हम एक अत्यंत प्राचीन सभ्यता हैं जो कई दृष्टियों से अद्वितीय और अनुपम है। यह विडंबनापूर्ण और दुखद है कि इस देश में सनातन और हिंदू का संदर्भ, इन शब्दों के गहरे अर्थ को समझने के बजाय, अक्सर बेतुकी प्रतिक्रिया दी जाती है। ऐसे वे लोग हैं जो गलत रास्ते पर चल रहे हैं, जो एक खतरनाक पारिस्थितिकी तंत्र से प्रेरित हैं, जो न केवल इस समाज के लिए, बल्कि अपने लिए भी खतरा है ह्व

उप राष्ट्रपति ने कहा कि देश में कुछ लोग, इस आध्यात्मिक भूमि पर वेदांत और सनातनी ग्रंथों को प्रतिक्रियावादी मानते हैं और वे इसे बिना जाने, देखे और पढ़े खारिज कर रहे हैं। यह खारिज करना अक्सर विकृत उपनिवेशी मानसिकताओं, और बौद्धिक धरोहर की अपर्याप्त समझ से उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि वे अपने विध्वंसक विचारों को धर्मनिरपेक्षता के विकृत रूप में छिपाते हैं। यह बहुत खतरनाक है। धर्मनिरपेक्षता को ऐसे कुकृत्यों को ढाल देने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे तत्वों का पदार्फाश करना हर भारतीय का कर्तव्य है।

वेदांत की समकालिक प्रासंगिकता पर श्री धनखड़ ने कहा कि जगह-जगह युद्ध, निरंतर बढ़ते तनाव और अशांति हर हिस्से में मौजूद है। न केवल मनुष्यों के बीच है बल्कि अन्य जीवों के बीच भी ऐसा ही रहा है। विश्व ऐसे संकट का सामना कर रहा है। जलवायु संकट, डिजिटल गलत सूचनाएं और संसाधनों का अत्यधिक दोहन अप्रत्याशित चुनौतियाँ हैं जिनके लिए तकनीकी समाधान के साथ-साथ नैतिक ज्ञान और व्यावहारिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। वेदांत दर्शन की गहरी समझ इन चुनौतियों का समाधान संभव है।

उन्होंने कहा कि वेदांत केवल सवालों के जवाब नहीं देता बल्कि यह सवालों से परे जाता है। यह संदेहों को समाप्त करता है। यह जिज्ञासा की प्यास को शांत करता है। यह पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ-साथ चलाता है। वेदांत, समकालीन चुनौतियों का सामना करने में प्राचीन ज्ञान को आधुनिक दृष्टिकोण से जोड़ने का एक उत्प्रेरक बन सकता है।

सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें अपनी दार्शनिक धरोहर से जागरूक रहना होगा क्योंकि दुनिया तेजी से आपस में जुड़ रही है। वेदांत दर्शन के अद्भुत और अद्वितीय मूल्य हमें समावेशिता की याद दिलाते हैं।

संपत्ति का अधिकार संवैधानिक अधिकार है: उच्चतम न्यायालय

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि संपत्ति का अधिकार एक संवैधानिक अधिकार है और कानून के अनुसार पर्याप्त मुआवजे का भुगतान किए बिना किसी व्यक्ति से उसकी संपत्ति नहीं ली जा सकती।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन ने कहा कि संविधान (44वां संशोधन) अधिनियम, 1978 के कारण संपत्ति का मौलिक अधिकार समाप्त कर दिया गया। हालांकि यह एक कल्याणकारी राज्य में एक मानवाधिकार और संविधान के अनुच्छेद 300-ए के तहत एक संवैधानिक अधिकार बना हुआ है। संविधान के अनुच्छेद 300-ए में प्रावधान है कि कानूनी प्रक्रिया का उपयोग किए बिना किसी भी व्यक्ति को उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने बेंगलुरु-मैसूर इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय के नवंबर 2022 के फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुनाया।

पीठ ने कहा, संपत्ति का अधिकार अब मौलिक अधिकार नहीं है, हालांकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 300-ए के प्रावधानों के मद्देनजर यह एक संवैधानिक अधिकार है।

इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर परियोजना से संबंधित मुआवजे पर अपने फैसले में अदालत ने कहा, किसी व्यक्ति को कानून के अनुसार पर्याप्त मुआवजा दिए बिना संपत्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड ने जनवरी 2003 में, परियोजना के सिलसिले में भूमि अधिग्रहण के लिए एक प्रारंभिक अधिसूचना जारी की थी और नवंबर 2005 में अपीलकताओं की भूमि का कब्जा ले लिया गया था।

शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में अपीलकर्ता भूमि मालिकों को पिछले 22 वर्षों के दौरान कई मौकों पर अदालतों का रुख करना पड़ा और उन्हें बिना किसी मुआवजे के उनकी संपत्ति से वंचित कर दिया

भजन लाल ने जयपुर शहर में रैन बसेरे का किया निरीक्षण

जयपुर/एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार देर रात को जयपुर शहर में जरूरतमंद एवं निराश्रितों के लिए अल्बर्ट हॉल के नजदीक संचालित रैन बसेरे में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जयपुर शहर में संचालित समस्त रैन बसेरों में विश्राम करने एवं शयन की आवश्यकता से रूकने वाले जरूरतमंदों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने रैन बसेरों में साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखने एवं एंट्री रजिस्टर को अच्छे से मेंटेन करने के निर्देश दिए। उन्होंने जेएलएन मार्ग पर सड़क किनारे रह रहे निराश्रित लोगों एवं दिव्यांगों को सर्दी से बचाव के लिए कंबलों का वितरण किया। उन्होंने सभी से आत्मीयता से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम भी पूछी और राज्य सरकार द्वारा हरसंभव सहयोग देने के लिए उन्हें आश्वस्त भी किया। इसके बाद श्री शर्मा ने कहा कि तेज सर्दी में किसी को परेशानी नहीं हो, इसके लिए मुख्यमंत्री सहायता केन्द्रों के माध्यम से लोगों की मदद की जा रही है और नगर निगम ने रैन बसेरे की बहुत अच्छी व्यवस्था की है।

संक्षिप्त खबरें

हत्याकांड का फरार आरोपी गिरफ्तार

मसौढ़ी |हत्याकांड मामले में फरार चल रहे एक अभियुक्त को भगवानगंज थाने की पुलिस ने जहानाबाद जिले के परसबिगहा थाना क्षेत्र के नन्हा जहांगीरपुर गांव से गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि सुभाष कुमार उर्फ बॉस के खिलाफ भगवानगंज थाने में हत्या का मामला दर्ज था इसमें वह दो साल से फरार चल रहा था।जिसे गुरुवार की रात भगवानगंज थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उसके घर से छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इस बात की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष सुजीत कुमार ने बताया कि सुभाष कुमार उर्फ बॉस के खिलाफ भगवानगंज थाने में हत्या का मामला दर्ज था।जिसमें वह फरार चल रहा था।जिसे गुरुवार की रात गुप्त सूचना मिली थी कि हत्याकांड का नामजद अपने घर में छिपा हुआ है। सूचना के बाद की गई छापेमारी में उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

दरभंगा के सांसद गोपाल ठाकुर और महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह के बीच हुआ बैठक

पटना/ हाजीपुर। दरभंगा के सांसद (लोकसभा) श्री गोपाल जी ठाकुर ने आज पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह के साथ बैठक की। बैठक के दौरान दरभंगा सहित उत्तरी बिहार में चल रही/प्रस्तावित रेल विकास परियोजनाओं एवं यात्री सुविधा से जुड़े कई मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। इस बैठक में दरभंगा संसदीय क्षेत्र में चल रहे आरओबी एवं लाइट आरओबी के कार्य में तेजी लाने, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य सहित अन्य विषयों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। बैठक के दौरान सांसद द्वारा रेल विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव भी प्राप्त हुए।

पूर्व पीएम स्व डॉ मनमोहन सिंह की आत्मा की शांति के लिए अरदास

पटना सिटी (प्राकि)। तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में पूर्व प्रधानमंत्री स्व डॉ मनमोहन सिंह की आत्मा की शांति के लिए अरदास किया गया। कमेटी के पूर्व महासचिव एवं सदस्य सरदार महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री स्व डॉ मनमोहन जी की आत्मक कल्याण और आत्मा की शांति के लिए तख्तश्री पटना साहिब के दरबार साहिब में ग्रंथी श्याम सिंह के द्वारा सामूहिक अरदास कराया गया। इसके बाद कड़ाह प्रसाद का वितरण संगत और श्रद्धालुओं के बीच कराई गई। मौके पर बिहार सिख फेडरेशन के संस्थापक सरदार त्रिलोक सिंह निषाद, अभिजिंदर सिंह, दमनजीत सिंह राजू, विक्की सिंह और प्रवक्ता सुदीप सिंह शामिल हुए।

प्रकाश पर्व गुरुद्वारा गायघाट में रखा गया अखंड पाठ, बड़ी प्रभातफेरी आज

पटना सिटी (प्राकि)। तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 358वें प्रकाश पर्व पर निकल रही प्रभातफेरी का समापन शुक्रवार को बड़ी प्रभातफेरी के साथ होगा। बड़ी प्रभातफेरी तख्तश्री पटना साहिब से अलग सुबह निकलेगी। शुक्रवार को प्रभातफेरी अशोक राजपथ के रास्ते गुरुद्वारा हांडी साहिब दानापुर दर्शन कर वापस लौटी। दूसरी ओर प्रकाश पर्व को लेकर गायघाट स्थित बड़ी संगत गुरुद्वारा में श्री गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ रखा गया है। ताखरी पटना साहिब में शनिवार को अखंड पाठ रखा जाएगा। पांच जनवरी को गुरुद्वारा गायघाट से नगर कीर्तन निकलेगा। मुख्य समारोह छह जनवरी को होगा। गुरुद्वारा बाल लीला में शनि संगत में 7 जनवरी को जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुप्त सूचना पर रूपसपुर पुलिस व मद्यनिषेध टीम की टीम ने आरपीएस मोड़ पेट्रोल के पंप के पास से ट्रक को पकड़ा। छानबीन में आलू भरी बोरे के आड़ में छुपाकर लाये जा रहे करीब 4500 लीटर अंग्रेजी शराब को बरामद किया। पुलिस ने ट्रक चालक को भी गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान बाइमेड निवासी रमेश कुमार के रूप में किया गया है। पुलिस शराब तस्कर के पता लगाने को लेकर चालक से पूछताछ में लगी है। शुक्रवार को मद्यनिषेध विभाग के टीम को सूचना मिली कि एक ट्रक से शराब लायी जा रही है। पुरी जानकारी के बाद मद्यनिषेध व रूपसपुर पुलिस ने आरपीएस मोड़ के समीप पेट्रोल पंप के पास एक ट्रक को पकड़ा। जिसकी छानबीन की गयी। जिस पर आलू भरे बोड़ रखे थे। गहन छानबीन में आलू के बीच कार्टून दिखे। जिसके बाद पुलिस ने आलू भरी बोरे को हटाया। जिसके बीच में काफी मात्रा में कार्टून में रखे गये अंग्रेजी शराब बरामद मिला।

बिहार राज्य में नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 सीएए के तहत जारी हुआ प्रथम प्रमाण पत्र

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। बिहार राज्य में नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीएए) के तहत प्रथम प्रमाण पत्र शुक्रवार को पटना में बिहार राज्य का जारी किया गया। नागरिकता नियम, 2009 के नियम 11क के उपनियम(1) और नियम 13क के अंतर्गत बिहार राज्य में राज्य स्तरीय सशक्त समिति की बैठक में एम. रामचन्द्रडु, भा.प्र.से., निदेशक जनगणना-सह-नागरिक निबंधन, सचिवालय,पटना में शुक्रवार (03.01.2025) को निदेशक, नागरिक निबंधन के कार्यालय में बैठक हुई और बैठक के दौरान प्रथम प्रमाण पत्र जारी किया गया। इस बैठक में समिति के सदस्य पवन कुमार, डीएस (मुख्यालय), सीपीएमजी बिहार सर्कल के कार्यालय, अजय प्रसाद, एसआईबी बिहार, संजीव कुमार सिंह, अवर सचिव, गृह विभाग, बिहार और अनिरुद्ध पाल, एसआईओ, एनआईसी बिहार की उपस्थिति में सीसीए पोर्टल पर प्राप्त, सुमित्रा रानी साहा जिला- भोजपुर,- बिहार के आवेदन, जो नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीसीए) के आधार संख्या क्कक्कअ अनुभाग के अंतर्गत 5(1)(सी) के तहत प्राप्त हुआ था और जो जिला स्तरीय समिति द्वारा मूल्य निर्धारण एवं अग्रसारित की गई थी,आवेदन के साथ उपलब्ध लाइसेंस प्राप्त पुरातत्वविदों की समिति द्वारा अवेदिका को प्रमाण पत्र प्रदान करने का निर्णय लिया गया। सीएए पोर्टल पर साइटिक्स शास्त्र जेनरेट करने के बाद आवेदिका को पोर्टल के द्वारा ई-मेल एवं एसएमएस के द्वारा सूचना अंकित की जाती है। यह बिहार राज्य में नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीएए) के तहत जारी प्रथम प्रमाण पत्र है।

दो लोगों ने अपने साथी को मारी गोली, पुलिस ने किया गिरफ्तार

- देसी कट्टा बरामद, पुलिस कर रही पूछताछ

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

खाजेकलां थाना क्षेत्र के फौजदारी कुआं में मोबाइल अटेंड नहीं करने पर दो लोगों ने राजा कुमार को गोली मारकर घायल कर दिया। पुलिस को सूचना दिए बिना घायल इलाज के लिए गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल पहुंचा। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल से पूछताछ की। इसके बाद घटना में शामिल विधि विरुद्ध दो लोगों को हथियार के साथ पकड़ा है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में डीएसपी-2 डॉक्टर गौरव कुमार ने बताया कि फौजदारी कुआं में पूर्वाह्न करीब 11.30 बजे एक युवक को उसके दो दोस्तों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। दोस्तों ने उसे गोली मार कर जख्मी कर दिया। उसे प्राथमिक इलाज के लिए गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल में लाया गया। गोली उसके पैर में लगी थी। उसे बेहतर इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। बताया गया कि इसके बाद सिटी एसपी ईस्ट के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इसके बाद जिला सूचना इकाई की मदद से उक्त घटना में शामिल विधि विरुद्ध दो किशोर को हथियार के साथ पकड़ा गया है। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों विधि विरुद्ध बालक के विरुद्ध अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। एक विधि विरुद्ध किशोर का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। वह खाजेकलां थाना कांड संख्या 207/22 में उत्पाद अधिनियम और कांड संख्या 43/21 में 302 भादवि के तहत नमजद रहा है। उसके पास से एक देसी कट्टा बरामद किया गया है। छापामारी दल में पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष प्रभात रंजन सक्सेना, अपर थानाध्यक्ष गौरव सिंधु, एसआई विकास कुमार सिंह, मुन्ना कुमार सिंह, शिव शंकर यादव, शंभू कुमार और सिपाही में सरोज कुमार, कुंदन कुमार एवं ज्योति कुमारी शामिल थीं।

महिलाओं का विभिन्न क्षेत्रों में आना सावित्री बाई फूले की देन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

देश की पहली अध्यापिका एवं नारी मुक्ति आंदोलन की प्रेरणा, समाज सेविका सावित्रीबाई फूले की जयंती छात्र-छात्राओं के बीच प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर हेल्प फॉर पीपुल्स फाउंडेशन के तत्वावधान में मानस पथ स्थित निजी विद्यालय परिसर में मनाया गया। मुख्य अतिथि वार्ड पार्षद शोभा देवी ने कहा कि महिलाओं में शिक्षा क्रांति लाने वाली सावित्री बाई फूले आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके बताए आदर्शो पर चल कर समाज में महिलाओं की स्थिति और बेहतर किया जा सकता है। आज महिलाएं सभी क्षेत्रों में सेवाएं दे रही हैं। यह सावित्री बाई फूले, फातिमा शेख और उनके जैसी महिलाओं के त्याग व बलिदान के कारण ही संभव हुआ है। विशिष्ट अतिथि पूर्व पार्षद बलराम चौधरी ने कहा कि सावित्री बाई फूले का संघर्ष और त्याग सदियों तक हम लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। समारोह की अध्यक्षता एडवोकेट इबरार रजा तथा धन्यवाद ज्ञापन भूषण माली ने किया। कार्यक्रम में मोहनलाल प्रभाकर, देवरतन प्रसाद, मोहम्मद जावेद, डॉ एकबाल अहमद, बबलू राम, एजाजउद्दीन शानू, शशि कुमार, शाहीन अनवर, गीतांजलि, ए अली आदि शामिल थे।

दशमेश पिता ने देश व समाज के लिए दिया बड़ा बलिदान : नंदकिशोर

- कंगन घाट में बाबा भूरीवाले का लंगर अरदास के साथ हुआ शुरू

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

साहेब श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने देश और समाज के लिए बहुत बड़ा बलिदान दिया है। पहले और नवम पातशाह के पटना की धरती पर आने पर हम सब गौरवान्वित और धन्य महसूस करते हैं। साथ ही दशमेश पिता के यहां अवतार लेने के बाद तो यह धरती और भी पवित्र और धन्य हो गई। विश्व के इतिहास में उनके आत्म बलिदान का कोई दूसरा उदाहरण देखने व सुनने को नहीं मिलता है। यह बात बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने बाबा कश्मीर सिंह भूरीवाले के द्वारा आयोजित लंगर शिविर का कंगन घाट में उद्घाटन के दौरान कही। श्री यादव ने कहा कि गुरु जी के द्वारा मानवता के लिए दी गई शहादत हम सबों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि 350वें प्रकाश पर्व से लेकर अब तक के प्रकाश पर्व में बिहार सरकार हमेशा से होने वाले इस भव्य आयोजन में सहभागी की भूमिका बनते हुए देश के विभिन्न हिस्सों और विदेश से आने वाली संगतों की सुख-सुविधा का ख्याल रखती है। पुलिस और प्रशासन भी पूरी तरह से सतर्क है और कानून-व्यवस्था बहाल है। यातायात व्यवस्था को भी सुचारू रूप से संचालन करने के लिए काम हो रहा है। संगतों को तख्तश्री पटना साहिब से आवासन स्थल तक लाने-ले जाने के लिए ई-रिक्शा और पटना-राजगीर के बीच भी फ्री बस सर्विस की सेवा उपलब्ध कराई गई है। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव एवं अन्य को बाबा कश्मीर सिंह भूरीवाले ने सिरोपा देकर आशीष दिया। इस दौरान तख्तश्री पटना साहिब के पंज प्यारों में जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह, अतिरिक्त मुख्य ग्रंथी ज्ञानी दिलीप सिंह, गुरदयाल सिंह, अमरजीत सिंह, परमजीत सिंह भी मौजूद थे। वहीं सबों का स्वागत बाबा सुखविंदर सिंह और बाबा गुरविंदर सिंह ने किया। आयोजन में प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही, वरीय उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह, महासचिव इंद्रजीत सिंह, प्रवक्ता सुदीप सिंह के अलावा बाबा सतनाम सिंह जी किला आनंदगढ़ वाले, बाबा अवतार सिंह ठट्ठा टिब्बावाले, बाबा लक्खा सिंह, बाबा गुरनाम सिंह, राम सिंह भिंडर, मनप्रीत सिंह, सुखवीर सिंह सुल्तानभिंड, बाबा सुख ग्वालियर, मलिक सिंह संधू, कुलदीप सिंह पंडोरी, योगराज सिंह, हरसिमरन सिंह, बाबा जग्गा सिंह, बाबा सोहन सिंह, बाबा हरि सिंह, बाबा जुगराज सिंह, बाबा मिंटा सिंह, बाबा चमकौर सिंह, बाबा हीरा सिंह, बाबा राम सिंह, अजय सिंह के अलावा बड़ी संख्या में सिख संगत मौजूद रही।

लंगर की सेवा शुरू होने से पहले तख्तश्री पटना साहिब के अतिरिक्त मुख्य ग्रंथी ज्ञानी दिलीप सिंह ने अरदास किया। विदित हो कि तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी ने गुरुद्वारा बाललीला के बाबा कश्मीर सिंह भूरीवाले, बाबा सुखविंदर सिंह और बाबा गुरविंदर सिंह को कंगन घाट के अलावा मालसलामी स्थित ओपी शाह सामुदायिक भवन में लंगर की सेवा सौंपी थी। यह लंगर सात दिनों तक चलेगी।

पटना साहिब स्टेशन पर 150 जवान तैनात, खुला नियंत्रण कक्ष

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व में ट्रेन से आने वाली संगतों की सुरक्षा व सुविधा के लिए पटना साहिब स्टेशन पर रेल पुलिस सतर्क व सजग है। स्टेशन पर 150 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसकी ब्रीफिंग शुक्रवार को रेल एसपी अमृतेंदु शेखर ठाकुर ने की। इसके साथ ही नियंत्रण कक्ष का भी उद्घाटन किया गया। रेल एसपी के साथ डीएसपी विधि-व्यवस्था निशित प्रिया, डीएसपी मुख्यालय प्रभाकर तिवारी, पटना जंकशन रेल थानाध्यक्ष राजेश कुमार, पटना साहिब स्टेशन के थानाध्यक्ष राजकुमार बैठा समेत अन्य पदाधिकारी भी थे। रेल एसपी ने बताया कि प्रकाश पर्व को ले 20 जोड़ी ट्रेनों का ठहराव दिया गया है। सुरक्षा के लिए पटना साहिब स्टेशन पर सादे लिवास में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरा से निगरानी की जा रही है। रेल पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल और रेल प्रशासन के सहयोग से सौ से भी अधिक ऑटो व ई-रिक्शा को नंबर दिया गया है। पुलिसकर्मियों को संगत की सुरक्षा व सुविधा के लिए कार्य करने को निर्देशित किया गया है। पटना साहिब स्टेशन के बाद रेल एसपी एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब गए और दरबार साहिब में महाराज के समक्ष शीश नवाया। यहां उन सबों को आशीर्वाद के रूप में सरोपा प्रदान किया गया।

स्व सुशील मोदी के जयंती के अवसर पर सेवा पखवाड़ा के रूप में होगा अनेक कार्यक्रम : नंदकिशोर

कार्यकर्ताओं की बैठक में की गई घोषणा, नव चयनित मंडल अध्यक्षों को दी गई बधाई

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

भाजपा पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र की बैठक पानीटंकी स्थित राज दरबार में प्रमुख कार्यकताओं की हुई। इसकी अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष अभिषेक चंद्रवंशी ने और संचालन महामंत्री विनय केसरी ने किया। बैठक में संगठन पर्व पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान नव चयनित मंडल अध्यक्षों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। बैठक को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक एवं विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने कहा कि पांच जनवरी को श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में स्व सुशील कुमार मोदी की जन्म जयंती समारोह मनाया जाएगा। साथ ही यह जयंती सेवा पखवारा के रूप में अनेक कार्यक्रम भी किए जाएंगे। जैसे गरीबों के बीच कंबल का वितरण, मेडिकल शिविर और अनेक सामाजिक कार्यक्रम होंगे। ज्ञातव्य हो कि स्वर्गीय सुशील कुमार मोदी जी बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने अपने जीवन काल में अनेक सामाजिक, व दार्शनिक राजनीतिक क्षेत्र में कार्य कर अपनी उत्कृष्ट पहचान बनाई। अपने कार्यों से लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। वे विधायक, विधान पार्षद और राज्यसभा के सदस्य जैसे उच्च पदों को सुशोभित कर जन सेवा की। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व उप महापौर रूप नारायण मेहता, प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा, पूर्व महानगर अध्यक्ष किरण शंकर, सुरेश सिंह पटेल, संजय सिंह, स्मिता रानी, नवचयन गायघाट मंडल अध्यक्ष पंकज कुमार गुप्ता, बजरंग दल के कौशल किशोर, पहाड़ी मंडल के राहुल कुमार, पश्चिम द्वार मंडल के जितेंद्र कुमार जीतू, अगमकुआं मंडल के नरेश कुमार मेहता, चित्रगुप्त मंडल के मोहन निषाद, सती सत्यवान मंडल के दिलीप पासवान, लखन श्याम विद्रोही मंडल के संतोष कुमार विद्रोही, खाजेकलां मंडल के नीतीश कुमार, चौक मंडल के अमित कानोडिया, पूर्व द्वार मंडल के महेश पासवान, जल्ला हनुमान मंडल के जितेंद्र मेहता, मारूफगंज मंडल के मनोज कुमार, मालसलामी मंडल के मनोज कुमार यादव के अलावा फैयाज कासमी, संजीव पटवा, रविशंकर प्रसाद, मुरारी राय, अजय कुमार चौरसिया, बलराम माथुरी, नवल किशोर सिंह, नितिन अवस्थी, कांति केसरी, सरोज जायसवाल, नितेंद्र स्वास्थ्य आदि मौजूद थे।

आपसी विवाद में फायरिंग, तीन खोखा बरामद

प्रात :किरण संवाददाता

मसौढ़ी !अनुमंडल अंतर्गत लहसुना थाना क्षेत्र के मलहचक गांव में आपसी विवाद में दो पक्षों के बीच हुए आपसी विवाद में फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है।घटना की सूचना मिलने परनगर पुलिस अधीक्षक पूर्वी पटना एसडीपीओ2 व लहसुना थानाध्यक्ष खुशबू खातून ने घटनास्थल पर पहुंच कर जांच की।घटना गुरुवार की देर रात की बताई जाती है। थानाध्यक्ष खुशबू खातून ने बताया कि थाना क्षेत्र के मलहचक गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी,इस मामले में दोनों पक्ष द्वारा एफआईआर दर्ज कराई गई है।पुलिस अपने स्तर से घटना की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से तीन खोखा बरामद किया गया है।

1861 में अस्तित्व में आया पटना साहिब स्टेशन का विकास कब?

वर्ष 2009 में 45 करोड़ दो प्लेटफार्म विस्तार व विकास को आया, कोई काम नहीं

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

यह शहर धार्मिक, व्यापारिक और ऐतिहासिक होने के कारण पर्यटक स्थल से भी जुड़ा है। इसके बाद भी 160 वर्ष से अधिक इसकी आयु हो जाने के बाद भी यह अपनी विकास की बाट जोह रहा है। खासकर यहां के सांसद ने इस स्टेशन के विकास, ट्रेनों का ठहराव से लेकर आदर्श स्टेशन का दर्जा मिलने के बाद भी उस अनुरूप काम कराने में विफल रहे हैं। चौकशिकारपुर आरओबी पुल के नीचे खुले में मांस-मछली की बिक्री होती है। नगर निगम के वाहन से लेकर ऑटो व ई-रिक्शा और सब्जी व फल की दुकानों से अतिक्रमण काबिज है। यहां से लेकर पूरब में आगे बेगमपुर पोस्ट ऑफिस तक सड़क का बुरा हाल है। चार-चार जगह सड़क इस कदर डैमेज है कि अनेक बार वाहन से गिरकर लोग घायल हो चुके हैं। रेलवे क्वार्टर में करोड़ों की लागत से जल मीनार बनाया गया, मगर वह फेल हो गया। एसी वेटिंग रूम बनाया गया, मगर आठ माह से चालू नहीं हो पाया है। अनेक गाड़ियों के ठहराव की मांग होती रही है। चंडीगढ़-पाटलिपुत्र का विस्तार इस्लामपुर या राजगीर तक किए जाने की लगातार बात हो रही है, ताकि सिख श्रद्धालुओं को इससे लाभ मिले, मगर उस पर भी कोई काम नहीं किया गया। बार-बार यह घोषणा की जाती रही कि यहां दो ट्रैक का विस्तार दक्षिण की ओर प्लेटफार्म संख्या चार और पांच के रूप में की जाएगी, मगर अब तक नहीं हो पाया है। पिछले साल प्रकाश पर्व पर ही कहा गया था कि यहां लिफ्ट और एक्सीलेटर की सुविधा दी जा रही है। एक माह में इसे पूरा कर दिया जाएगा, मगर अब एक साल के बाद भी यह काम नहीं हो पाया। सूत्र बताते हैं कि यहां का एक्सीलेटर आरा स्टेशन चला गया। दरअसल यह गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का अवतार स्थल भी है। केंद्र में रेल राज्यमंत्री की ओर रूप में सरदार रवनीत सिंह बिट्टू हैं। इसके बाद भी कुछ नहीं हो पाया है। हाल ही प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही रेल राज्यमंत्री से मिलकर आए हैं। उन्हें भरोसा दिया गया कि गुरु पर्व पर अधिकांश ट्रेनों का ठहराव दिया जाएगा। इसके अलावा हावड़ा-नांगलडैम और कुछ अन्य ट्रेनों का भी ठहराव दिया जाएगा। मगर ऐसा नहीं हो पाया। वर्ष 2009 में करीब 45 करोड़ रुपया पटना साहिब स्टेशन के विकास के लिए दिया गया, जिसमें दो लाइन यानी प्लेटफार्म संख्या चार और पांच बनाने की योजना थी, मगर यह काम अब तक शुरू नहीं हो पाया है। यहां टीसी के रूप में एक भी पदस्थापित नहीं हैं, जो थे, उन्हें अन्यत्र भेज दिया गया। डॉरमेट्री रूम 2016 में शताब्दी समारोह में 11 कमरा बनाया गया था, वह भी बंद पड़ा है। उस वक्त अनेक महंगा फर्नीचर आया था, उसे भी यहां से उठा कर ले जाया गया। 1861 में पटना साहिब स्टेशन की स्थापना हुई। 70 साल बाद बांकीपुर स्टेशन बनाया गया। 1939 में पटना जंक्शन का नामकरण हुआ। इसके साथ ही राजेंद्र नगर, दानापुर, फतुहा, पाटलिपुत्र स्टेशन का विकास हो गया, मगर पटना साहिब स्टेशन आज भी रेलवे के द्वारा अपेक्षित है। पहले यहां पटना घाट स्टेशन से मालगाड़ी के द्वारा सामान आने और जाने का काम होता था। पटना साहिब से दीघा घाट तक सवारी गाड़ी भी चलती थी। इस स्टेशन से गुड्स बुकिंग का काम भी बंद कर दिया गया। स्टेशन परिसर में दोपहिया और चार पहिया वाहन से अपने परिजन को छोड़ने या रिसीव करने आने वालों के लिए कोई पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। आए दिन लोगों के दो पहिया वाहन की चोरी आम बात हो गई है। सबसे बुरी स्थिति सड़क को लेकर है। चूंकि जब भी कोई घटना होती है, तब यह चौक थाना और रेल पुलिस का मामला बताते हुए जिम्मेवारी एक-दूसरे पर डाला जाता है। हालांकि इस स्टेशन के विकास व सुविधा के लिए सरदार प्रेम सिंह, जगजीत सिंह, सतनाम सिंह, चंद्रपाल सिंह, गुरचरण सिंह आशिक, विनोद अवस्थी, पंडित राजेश शुक्ला टिल्लू हमेशा सक्रिय रहे हैं। मगर रेल अधिकारी साफ कहते हैं कि जब तक आपके सांसद सक्रिय नहीं होंगे, इस स्टेशन का कुछ भी विकास संभव नहीं है।

बाललीला में पहुंच मंत्री श्रवण ने की प्रदेश के विकास की कामना

- बाबा भूरिवाले ने गुरु गोविंद पथ से बाल लीला तक हेरिटेज की अनुमति दिलाने को कहा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार शुक्रवार को बाललीला मैनी संगत गुरुद्वारा पहुंचे। यहां दरबार साहिब में मत्था टेका। उन्होंने राज्य के सुख, समृद्धि और विकास की कामना की। मंत्री को गुरुद्वारा के प्रमुख जत्थेदार संत बाबा कश्मीर सिंह भूरीवाले ने गुरुघर का आशीषस्वरूप सिरोपा प्रदान किया। बाललीला के प्रमुख बाबा सुखविंदर सिंह व बाबा गुरविंदर सिंह ने मंत्री का स्वागत करते हुए सात जनवरी को होने वाले जन्मोत्सव में शामिल होने को कहा। आयोजन में बाबा हरि सिंह, बाबा जोधवीर सिंह, बाबा बलवंत सिंह, बाबा जग्गा सिंह, बाबा जगत सिंह, बाबा ग्लावियर सिंह, बाबा जगीर सिंह, बाबा मल सिंह, बाबा जसवंत सिंह, बाबा राम सिंह, राम सिंह, सुक्खा सिंह वालिया, अजय सिंह चप्पू आदि उपस्थित थे। मंत्री ने कहा कि प्रकाश पर्व को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिशा निर्देश में सुरक्षा की सुविधा व सुरक्षा का ख्याल किया जा रहा है। मंत्री ने देश-विदेश से आने वाली संगत की सेवा अतिथि देवो भव के भाव से राज्य में होती है। इस दौरान प्रमुख जत्थेदार संत बाबा कश्मीर सिंह भूरीवाले ने बाललीला गुरुद्वारा से मंगल तालाब के बीच हेरेटिज के तौर पर विकसित करने के लिए सरकार से अनुमति दिलाने का प्रस्ताव मंत्री से रखा। इसके तहत बिजली के तारों को भूमिगत करने और लाइट लगा कर एरिया को सुंदर और विकसित करने की योजना की बात कही।

सावित्रीबाई ने अपने जीवन को एक मिशन की तरह जीया : लोकमंच

प्रात :किरण संवाददाता

पटना : भारतीय लोकमंच पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव कुणाल सिकंद देश की पहली महिला शिक्षिका अध्यापिका एवं नारी मुक्ति आंदोलन की प्रणेता महान समाजसेविका सावित्रीबाई फुले की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किये श्री सिकंद कहा सावित्रीबाई फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं। सावित्रीबाई के संरक्षक, गुरु और समर्थक थे सावित्रीबाई ने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया जिसका उद्देश्य था विधवा विवाह करवाना, छुआछूत मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और दलित महिलाओं को शिक्षित बनाना। वे एक कवियत्री भी थीं उन्हें मराठी की आदिकवियत्री के रूप में भी जाना जाता था। सावित्रीबाई पूरे देश की महानायिका हैं हर बिरादरी और धर्म के लिये उन्होंने काम किया। गौतम कुमार मालाकार,गांधी मालाकार, प्रोमद कु० मालाकार वीरेन्द्र कुमार आदि लोग शामिल थे।

जमीन निबंधन पेपरलेस होने से बेरोजगार हो जाएंगे कातिब

प्रात :किरण संवाददाता

मसौढ़ी !पेपर लेस निबंधन प्रणाली के खिलाफ दस्तावेज लेखकों ने काला बिल्ला लगाकर काम किया !निबंधन विभाग के सभी काम पेपरलेस कर दिये गये हैं !इससे जिले के कातिबों पर बेरोजगार होने का खतरा मंडरा है !शुक्रवार को दस्तानवीस संघ के सदस्यों ने मसौढ़ी में काला बिल्ला लगाकर विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से इस फैसले को वापस लेने की मांग की। ऐसा नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। उन्होंने बताया कि नयी व्यवस्था से कातिबों का परिवार सड़क पर आ जाएगा !परिवारों के सामने भुखमरी की नौबत आ जाएगी। इसका असर स्टाम्प वेंडरों पर भी पड़ेगा। जब पेपर पर डीड ही तैयार नहीं होगा तो स्टाम्प की जरूरत भी समाप्त हो जाएगी। नयी व्यवस्था में कई तरह की खामियां हैं। जमीन निबंधन का स्टाम्प लगा दस्तावेज नहीं होने से भू-माफिया साजिश रचकर कमजोर लोंों को परेशान करेंगे। बेईमानी बढ़ जाएगी। विरोध करने वालों में संजय कुमार सिंहा ज्ञानेंद्र कुमार सिंह विद्याभूषण प्रसाद मुन्नालाल बॉस सिन्हा विकास कुमार सिंहा सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

एक व्यक्ति ने आर्थिक तंग से परेशान होकर आत्महत्या कर ली

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत पूर्वी गोला रोड स्थित एक ग्रिल दुकान में एक व्यक्ति ने आर्थिक तंग से परेशान होकर आत्म हत्या कर ली। दुकान के सिलिंग से गमछा का फंदा डाल जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी पर पहुंची दानापुर पुलिस ने बंद दुकान का ताला तोड़ शव को कब्जे में लिया। मृतक की पहचान पालीगंज के मसौदा निवासी मंगरू विश्वकर्मा के पुत्र संजय कुमार विश्वकर्मा 47 वर्षीय के रूप में किया गया। मौत की खबर मिलते ही मृतक की पत्नी अनिता देवी मौके पर पहुंचे। शव देखते ही चित्कार कर उठे। प्राप्त समाचार के अनुसार संजय पिछले कुछ वर्ष से दानापुर के पूर्वी गोलारोड में खुशबू इंजीनियरिंग वर्कशॉप के नाम से एक ग्रिल का दुकान चलाता था। जो किराये पर ले रखा था। यहां वो अपने बेटे सूरज के साथ रहता था। परिवार के लोग गांव पर रहते थे। सूरज ने बताया कि 1 जनवरी को पापा से बात हुआ। मृतक की पत्नी अनीता देवी ने बताया कि इधर कुछ दिन से उनसे बात नही हो पा रही थी। दो दिन से कोई सूचना नही मिल रहा था। मृतक के रिश्तेदार दीपक ने बताया कि आज सुबह संजय के साला का फोन आया उन्होने बताया कि संजय से बात नही पा रहा है। पता करिये तो जिसके बाद दुकान पर पहुंचे तो दुकान बंद मिला। जिसके बाद पता किया पर कुछ जानकारी नही मिली। इसी बीच एक महिला ने हल्ला करते हुए बताया कि संजय दुकान के अंदर फंदा से लटका पड़ा है। जिसके बाद पुलिस व परिजनों को जानकारी दी। बताया जाता है कि पूर्व मे दुकान में चोरी की घटना भी घटी थी।

शहद उत्पादन एवं प्रोत्साहन नीति बनाएगी कृषि विभाग: मंगल

राज्य में प्रतिव्यक्ति आय में हुई बढ़ोतरी का श्रेय किसानों की बढ़ी आमदनी

- बिहार की अर्थव्यवस्था में बागवानी की भूमिका अहम
- बागवानी महोत्सव- 2025 में लगे रंग-बिरंगे फल, फूल एवं सब्जी के स्टॉल
- राज्य को सुखी व समृद्ध बनाने के लिए बागवानी के माध्यम से किसानों को समृद्ध बनाना जरूरी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

सूबे के कृषि मंत्री मंगल पाण्डेय ने गांधी मैदान में आयोजित तीन दिवसीय बागवानी महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अपने संबोधन में कृषि मंत्री श्री पांडेय ने कहा कि रंग-बिरंगे फल, फूल, सब्जी एवं अन्य बागवानी उत्पादों से सुसज्जित बागवानी महोत्सव 2025 कृषकों के उत्साह का गवाह है। कृषि बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो राज्य के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्रिया-कलापों का आधार है। बिहार की अर्थव्यवस्था में बागवानी खासकर फल, फूल, सब्जी, मसाला आदि की भूमिका अहम साबित हो रही है। 2005 के समय राज्य में प्रतिव्यक्ति आय 7 हजार 500 के करीब थी, वहीं आज इस राज्य की प्रति व्यक्ति आय 66 हजार हो गयी है। 20 वर्षों में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में लगभग 8 गुणा से अधिक प्रतिव्यक्ति आय बढ़ी है। जिसमें किसानों की बढ़ी आय का बड़ा योगदान रहा है। यदि हम सभी राज्य को सुखी व समृद्ध बनाना चाहते हैं, तो बागवानी के माध्यम से किसानों को समृद्ध कर उस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। इस मौके पर कृषि मंत्री ने एक अहम घोषणा की है कि बिहार में शहद के उत्पादन एवं प्रोत्साहन नीति कृषि विभाग शीघ्र बनायेगी। जिसे सरकार राज्यभर में बढ़ावा देगी। खासकर भूमिहीन किसानों को शहद उत्पादन से जोड़ने की पहल को लेकर नीति बनायी जाएगी। भूमिहीन किसाना मधुमक्खी पालन कर खुद को सशक्त बनाएंगे। सूर्यमुखी, सहजन, सरसों, लीची जैसे फल- फूलों के शहद का उत्पादन करने की नीति बनेगी।

श्री पांडेय ने कहा कि महोत्सव में सिर्फ बागवानी उत्पादों का प्रदर्शनी ही नहीं बल्कि फल, फूल, सब्जी के बीज, बीचड़ा, पौधा, बागवानी उपकरण, मधु, मखाना, मशरूम, चाय आदि की बिक्री की भी व्यवस्था की गई है। बिहार में कुल 13.50 लाख हेक्टेयर में बागवानी की फसलों की खेती की जाती है, जिससे करीब 286.45 लाख मीट्रिक टन फल, फूल, सब्जी आदि बागवानी उत्पाद का उत्पादन होता है। जिसे आने वाले समय में और बढ़ाने का लक्ष्य है। कृषि रोडमैप के लक्ष्य से आगे बढ़कर भी सोचने की जरूरत है। सालाना लक्ष्य निर्धारित करने की दिशा में भी हम सोच सकते हैं। हमें 2025 में बागवानी का लक्ष्य बढ़ाकर 18 लाख हेक्टेयर एवं 2026 में इसे बढ़ाकर 20 लाख हेक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। राज्य बागवानी के क्षेत्र में बिहार लगातार आगे की ओर बढ़ रहा है। आज हमारे कृषक पारंपरिक बागवानी फसलों के साथ-साथ उच्च बाजार मूल्य वाले एक्जोटिक फल, ड्रैगन फ्रूट्स, स्ट्रॉबेरी आदि की खेती कर रहे हैं।

श्री पांडेय ने कहा कि इन उत्पादों का उचित भंडारण हो, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्द्धन हो, बाजार की सुलभ उपलब्धता हो, कृषि विभाग इस दिशा में तीव्र गति से कार्य कर रही है। इस कड़ी में राज्य सरकार के द्वारा कृषि विभाग के अन्तर्गत कृषि विपणन निदेशालय का गठन किया गया है। जिसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य उपलब्ध करवाना, किसानों को बाजार की व्यवस्था उपलब्ध करवाना, किसानों के उत्पादों में मूल्य संवर्द्धन करवाना, भंडारण की सुविधा, बेहतर पैकेजिंग आदि की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना है। बागवानी महोत्सव में सभी जिलों से करीब 1500 कृषकों ने 14 हजार से ज्यादा प्रदर्शों के साथ भाग लिया है। बागवानी महोत्सव में प्रदर्शनी में लगभग 60 स्टॉल लगाये गये हैं, जहां से दर्शक बंधु मनपसन्द फल, फूल, सब्जी के बीज/बिचड़ा, पौधा, गमला, मधु, मखाना, मशरूम आदि खरीद भी सकते हैं। बागवानी उत्पादों के गुणवत्तायुक्त उत्पादन हेतु कृषकों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाना है।

विभाग के सचिव संजय अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के आयोजन का उद्देश्य बाजारोन्मुख बागवानी उत्पादों के गुणवत्तायुक्त उत्पादन हेतु कृषकों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाना है। वहीं बागवानी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी उपकरण से रूबरू कराना तथा कृषकों को उनके उत्पादों का सही मूल्य प्राप्त हो इसके लिए निर्यात प्रोत्साहन हेतु कृषकों एवं व्यापारियों को एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर इनके अलावे अभिषेक कुमार, निदेशक उद्यान, आलोक रंजन घोष, एमडी, बिहार राज्य बीज निगम, अमिताभ सिंह, आप्त सचिव, स्वास्थ्य मंत्री, संतोष कुमार उत्तम, निदेशक पीपीएम, वीरेंद्र प्रसाद यादव, विशेष सचिव,कृषि विभाग, पद्मश्री से सम्मानित किसान चाची राजकुमारी देवी, मनोज कुमार, संयुक्त सचिव समेत कई अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

वंशीधर बृजवासी ने विधान परिषद सदस्य के रूप में ली शपथ

विप सभापति अवधेश नारायण सिंह ने दिलाई शपथ

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने वंशीधर ब्रजवासी को बिहार विधान परिषद के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। श्री वंशीधर ब्रजवासी, बिहार विधान परिषद के सदस्य देवेश चंद्र ठाकुर का स्थान रिक्त हो जाने के कारण हुए उप निर्वाचन, 2024 में तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित घोषित किए गए हैं। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में माननीय संसदीय कार्य एवं जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्य सचेतक सत्तारूढ़ दल संजय कुमार सिंह, सदस्य विरेन्द्र नारायण यादव, ललन सर्राफ एवं अन्य गण मान्य उपस्थित थे। शपथ ग्रहण की शुरुआत में बिहार विधान परिषद के सचिव अखिलेश कुमार झा द्वारा निर्वाचन संबंधी अधिसूचना एवं राज्यपाल का सभापति अवधेश नारायण सिंह को शपथ ग्रहण कराने से संबंधित अधिकृत करने से संबंधित अधिसूचना पढ़ी गई।

तेजस्वी का कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम का छठा चरण 05 जनवरी से

- नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी का छठे चरण में 05 से 13 जनवरी 2025 तक मोतिहारी सहित छह जिलों में कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है : एजाज अहमद

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव का छठा चरण का कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम 05 जनवरी से 13 जनवरी तक छ जिलों के लिए आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जिसमें 05 जनवरी को पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी) में होना है, जिसमें संगठन जिला मधुबन के कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। इसके बाद 07 जनवरी को कैमूर, 08 जनवरी को बक्सर, 11 जनवरी को पुलिस जिला बगहा, 12 जनवरी को पश्चिम चंपारण (बेतिया) तथा 13 जनवरी को गोपालगंज जिला कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस आशय की जानकारी राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने दी है।

उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश राजद के राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव के हस्ताक्षर से जारी किये गये नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी के छठे चरण के कार्यक्रम की सूचना संबंधित जिला अध्यक्ष/ जिला प्रधान महासचिव को भेज दी गई है, और उसी अनुसार संबंधित जिले में कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसकी तैयारी राज्य कार्यालय से जो दिशा- निर्देश जारी किए गए हैं ,उसी के अनुसार की जा रही है।एजाज ने यह भी बताया कि आगे के कार्यक्रमों की सूचना बाद में दी जाएगी।

नीतीश कुमार का फिर से मुख्यमंत्री बनना तय : नवल

पटना। जदयू प्रवक्ता नवल शर्मा ने कहा कि 2025 में नीतीश कुमार का फिर से बिहार का मुख्यमंत्री बनना उसी प्रकार तय है जैसे सूर्य का पूर्व से निकलना। इसके पीछे समाज के सभी वर्गों का आशीर्वाद तो एक बड़ा कारण है ही इसके अलावा बिहार अभी विकास के जिस नाजुक दौर से गुजर रहा उसमें सीएम नीतीश के बिना बिहार के विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बिहार में अलग अलग विभागों के कार्यप्रणाली की, विकास के विभिन्न आयामों की जितनी गंभीर समझ नीतीश कुमार को है वह दूर दूर तक किसी में नहीं है। विभागीय समीक्षा बैठकों में कोई व्यक्ति सीएम नीतीश को बरगलाने की सोच भी नहीं सकता। बाकी दलों में दूर दूर तक एक भी ऐसा चेहरा नहीं जिसके पास नीतीश कुमार जैसी प्रशासकीय अंतर्दृष्टि हो या जिसके पास बिहार के विकास का कोई विजन हो या जिसकी जन स्वीकार्यता नीतीश कुमार जैसी हो । आज की लूटखसोट और सत्ताकामी राजनीति के दौर में नीतीश कुमार बिहार के लिए एक वरदान जैसे हैं ।

पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के लिए अंतिम अरदास और भजन कीर्तन का हुआ आयोजन

पूर्व प्रधानमंत्री स्व मनमोहन सिंह का विशाल व्यक्तित्व है प्रेरणास्त्रोत: सुशील

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर उनकी आत्मा की शांति के लिए आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आनंद साहिब कीर्तन पाठ एवं अंतिम अरदास श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव सह प्रभारी सुशील कुमार पासी ने शिरकत की जिसमें उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व मनमोहन सिंह के विशाल व्यक्तित्व को याद करते हुए कहा कि उनके जैसे विलक्षण प्रतिभा के धनी कम ही लोग पैदा होते हैं जो अपनी बौद्धिकता से अकादमिक, सामाजिक और राजनीतिक जीवन में आदर्श स्थापित कर जाते हैं। उनके जीवन को आदर्श बताते हुए उन्होंने कहा कि आज उनके लिए आनंद साहिब का पाठ और भजन के साथ अंतिम अरदास में देश भर में आयोजन हुआ है जो यह बताता है कि उनके कृतित्व के लाखों अनुयायी हैं। उनके निधन को देश के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए सुशील कुमार पासी ने कहा कि देश को आर्थिक तौर पर सक्षम बनाने, सबको रोजगार, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा का अधिकार देने वाले नेता के रूप में उनको हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार को इस दुःख की घड़ी में ईश्वर मजबूती दें इसकी सभी कांग्रेसजन कामना करते हैं। भजन कीर्तन और अंतिम अरदास श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव सह प्रभारी सुशील कुमार पासी, प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष डा0 शकील अहमद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव पूनम पासवान, कौकब कादरी, सांसद मनोज कुमार, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, संजीव प्रसाद टोनी, प्रेमचन्द्र मिश्रा, नरेन्द्र कुमार, विधायक राजेश कुमार, प्रतिमा कुमारी दास, आनन्द शंकर, ब्रजेश पाण्डेय, निर्मल वर्मा, राजेश राठौड़, लाल बाबू लाल, ब्रजेश प्रसाद मुनन,अमिता भूषण भावना झा, विनय वर्मा, आनन्द माधव ज्ञान रंजन, नागेन्द्र कुमार विकल, चन्द्रप्रकाश सिंह, कुमार आशीष, उमैर खान, सौरभ सिन्हा, आलोक हर्ष, संजय पाण्डेय, निधि पाण्डेय, सुधा मिश्रा, गोरख नाथ, मधुरेन्द्र कुमार सिंह, शशिकांत तिवारी मिन्नत रहमानी, गरीब दास, गुंजन पटेल, हीरा सिंह वग्गा, उमेश कुमार राम, ललन यादव, पंकज यादव, असफर अहमद उदय शंकर पटेल सहित अन्य नेतागण और आमजन मौजूद रहें।

आइसा-आरवाइए सहित छात्र-युवा संगठनों ने डाकबंगला चौराहा को किया घंटों ठप्प

सरकार -प्रशासन का अड़ियल रवैया जारी, 6 जनवरी को राज्यव्यापी प्रतिवाद की घोषणा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में धांधली और भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष कर रहे छात्रों और युवाओं का आंदोलन आज और भी अधिक उग्र रूप लेता हुआ दिखा. आइसा, आरवाइए, एआइएसएफ, एसएफआई, डीवाइएफआई, एनएसयूआई और सोशल जस्टिस फार आर्मी जैसे छात्र-युवा संगठनों ने पटना में मुख्यमंत्री के घेराव के दौरान एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। इस दौरान, हजारों की संख्या में छात्र-युवा अपनी मांगों के समर्थन में डाकबंगला चैराहा पहुंचे और वहाँ घंटों जाम लगा दिया।

आंदोलन की शुरूआत दोपहर 12 बजे कारगिल चौक से हुई. जैसे-जैसे प्रदर्शनकारी आगे बढ़े, जे पी गोलंबर के पास प्रशासन ने बैरिकेड्स लगा कर प्रदर्शन को रोकने की कोशिश की, लेकिन छात्र-युवा पुलिस घेरे को तोड़ते हुए डाकबंगला चौराहे तक पहुंच गए. वहाँ पहुँचने के बाद, प्रदर्शनकारियों ने चौराहे को पूरी तरह से जाम कर दिया, और लगभग दो घंटे तक सड़क पर बैठकर अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट संदेश था कि वे बीपीएससी में हुई धांधली को लेकर चुप्पी साधे हुए सरकार के मुखिया से सीधे मुलाकात करना चाहते हैं. हालांकि, प्रशासन ने उनके साथ संवाद कराने से पूरी तरह से इनकार कर दिया, जिससे आंदोलन और भी उग्र हो गया. मुख्यमंत्री से मुलाकात की उनकी मांग पूरी नहीं हुई और अंततः आरवाइए के राष्ट्रीय अध्यक्ष आफताब आलम ने आंदोलन को जारी रखने की घोषणा की. उन्होंने 6 जनवरी को राज्यभर में विरोध दिवस मनाने की घोषणा की।

इस आंदोलन में विभिन्न राजनीतिक दलों के कई प्रमुख नेता भी शामिल हुए. भाकपा-माले, सीपीआई, सीपीएम और कांग्रेस के विधायक प्रदर्शनकारियों के साथ खड़े हुए और उन्होंने इस संघर्ष को लोकतंत्र और युवाओं के अधिकारों की रक्षा से जोड़ते हुए अपने समर्थन का ऐलान किया।

माले विधायक दल के नेता महबूब आलम, पालीगंज विधायक संदीप सौरभ, अगिआंव विधायक शिवप्रकाश रंजन (जो आरवाइए के राज्य सचिव भी हैं), डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा, सत्यदेव राम, गोपाल रविदास, अमरजीत कुशवाहा और अन्य नेताओं ने इस आंदोलन में भाग लिया।

माले नेता महबूब आलम ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी सरकार ने भ्रष्टाचार और बीपीएससी परीक्षा में हुई धांधली पर पर्दा डालने की पूरी कोशिश की है. उन्होंने कहा कि यह सरकार युवा विरोधी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली है. छात्र-युवा अब इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे और बिहार की जनता इस बार सत्ता से इस सरकार को उखाड़ फेंकेगी

लूई ब्रेल की जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित हुआ समारोह, मेधावी नेत्रहीन दिव्यांगों को किया गया पुरस्कृत

ब्रेल लिपि के आविष्कार से नेत्रहीन दिव्यांगों के सपनों का द्वार खुला

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

ब्रेल-लिपि का आविष्कार आधुनिक संसार के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है, जिसने न केवल विश्व भर के नेत्रहीनों के सपनों के बंद दरवाजे को खोला था बल्कि उनकी शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति उत्पन्न की। इसलिए इस लिपि के जन्म-दाता महान नेत्रहीन विज्ञानी लूई ब्रेल पूजा के योग्य हैं। उनको स्मरण करना किसी तीर्थाटन के समान पावन है। यह बातें शुक्रवार को लूई ब्रेल की जयंती की पूर्व संध्या पर, बिहार नेत्रहीन परिषद और पटना प्लैटिनम राउण्ड टेबुल २४७ के संयुक्त तत्त्वावधान में बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित मेधावी नेत्रहीन दिव्यांग सम्मान समारोह का उद्घाटन करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। डा सुलभ ने कहा कि मात्र तीन वर्ष की आयु में ही एक दुर्घटना के कारण अपने नेत्रों की ज्योति खो चुके डा ब्रेल एक महान शिक्षाविद तथा अन्वेषक थे। उन्होंने अपने महान और दृढ़ संकल्प से यह सिद्ध किया कि किसी भी प्रकार की अपंगता मनुष्यों के संकल्प और उसकी इच्छाशक्ति को पराजित नहीं कर सकती। मन की शक्तियों से बड़ी और कोई शक्ति नही होती।परिषद के वरीय उपाध्यक्ष और सुप्रसिद्ध उद्यमी रामलाल खेतान की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मान समारोह में ३० से अधिक प्रतिभाशाली नेत्रहीन छात्र-छात्राओं एवं विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त मेधावी नेत्रहीन दिव्यांगों को प्रशस्ति-पत्र, पदक और एन आई ई पी वी डी ब्रेल कैलेंडर-२०२५ देकर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व मंचस्थ अतिथियों द्वारा कैलेंडर का लोकार्पण किया गया।

आरंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए परिषद के महासचिव और सुप्रसिद्ध नेत्रहीन दव्यांग डा नवल किशोर शर्मा ने लूई ब्रेल के जीवन और व्यक्तित्व के साथ उनके अवदानों की विस्तार से चर्चा की तथा नगर में उनकी एक मूर्ति लगाने की मांग की। उन्होंने सरकार से यह मांग भी की कि दिव्यांगों की पेंशन राशि चार सौ से बढ़ाकर कमसेकम तीन हजार की जाए। इस अवसर पर, सुप्रसिद्ध समाजसेवी कमल नोपानी, पटना राउण्ड टेबुल के अध्यक्ष विकास चंद्रा, नीतीश खेतान, डा अश्विनी कुमार, जीतेन्द्र कुमार, योगेन्द्र कुमार और श्रवण कुमार सुधांशु ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंच का संचालन दिव्यांग युवक राकेश कुमार ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन संजय कुमार ने किया।

राजद कार्यालय में मनी सावित्री बाई फुले की जयन्ती

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका एवं समाज सुधारक सावित्री बाई फुले की जयन्ती पार्टी के माननीय पूर्व मंत्री सह प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में मनायी गयी। इस अवसर पर सावित्री बाई फुले के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अपने सम्बोधन में श्री अशोक कुमार सिंह ने कहा कि सावित्री बाई फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधारक तथा मराठी कवयित्री थी एवं भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्राचार्य और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं। वे अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर स्त्री अधिकारों एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। वे 1852 ई0 में बालिकाओं के लिए पहला विद्यालय की स्थापना की। वे जब स्कूल पढ़ाने जाती थी तो विरोधी इन्हें पत्थर मारते थे तथा इनके उपर गंदगी फेंकते थे। वे एक साड़ी अपने थैले में लेकर विद्यालय जाती थी तथा वहां साड़ी बदलकर बच्चों को पढ़ाती थी। वे किसी की परवाह किये बिना ही अपने पथ पर चलती रही। एक महिला प्रिंसिपल के लिये सन् 1848 में बालिका विद्यालय चलाना कितना मुश्किल रहा होगा, इसकी कल्पना नहीं की जा सकती। लड़कियों की शिक्षा पर उस समय सामाजिक पाबंदी थी। ये सामाजिक क्रांति की अग्रदूत थीं। इस अवसर पर सावित्री बाई फुले के तैल चित्र पर माल्यार्पण करने वालों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, अलख निरंजन सिंह उर्फ बीनू यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ तनवीर हसन, शिवचन्द्र राम, शोभा प्रकाश कुशवाहा, मुजफ्फर हुसैन राही, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव, प्रदेश प्रवक्ता चित्तरंजन गगन, मृत्यंजय तिवारी, अरुण यादव, प्रमोद कुमार सिन्हा,विधान पार्षद डॉ उर्मिला ठाकुर, पूर्व विधायक दीनानाथ सिंह यादव, डॉ अनवर आलम, मुख्यालय प्रभारी मुकुंद सिंह, प्रदेश महासचिव मदन शर्मा, भाई अरूण कुमार, डॉ प्रेम कुमार गुप्ता, संजय यादव, बल्ली यादव, निर्भय अम्बेदकर, प्रमोद कुमार राम सहित बड़ी संख्या में कार्यकत्राओं ने सावित्री बाई फुले के तैलचित्र पर माल्यापण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही 2025 में फिर से बनेगी एनडीए सरकार : मनीष

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता मनीष यादव ने मीडिया में जारी एक बयान में कहा कि आधुनिक बिहार के निमार्ता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ही अगुवाई में साल 2025 में बिहार में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में भी बिहार की जनता आरजेडी को राजनीतिक सबक सिखाने का काम करेगी। पार्टी प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि जिस बिहार में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल के दौरान लोगों में डर का माहौल था और लोग यहां आने से डरते थे उस बिहार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बदहाली की दौर से निकालकर विकसित बिहार बनाने का काम किया है। आज बिहार में चाहे सड़क हो, बिजली हो, स्वास्थ्य का क्षेत्र हो चाहे सरकारी नौकरी और रोजगार की बात हो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने हर क्षेत्र में काम किया और बिहार को तरक्की की एक नई दिशा दी। हाल ही में पटना में आयोजित बिजनेस मीट ने कंपनियों में 1 लाख 80 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों पर राज्य सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार को तरक्की के रास्ते पर ले जाने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक बार फिर साल 2025 में राज्य की जनता आशीर्वाद देगी और उनकी अगुवाई में सरकार बनाने का काम करेगी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आरजेडी की हालत साल 2010 के चुनावों से भी बदतर होगी। उन्होंने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जेडीयू के खत्म होने की बात करने वाले नेता प्रतिपक्ष को साल 2024 के लोकसभा चुनाव और हाल ही में हुए विधानसभा उप चुनावों में मिली करारी हार ने सबक सिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और लालू प्रसाद यादव डरे हुए हैं और उनकी बेबुनियाद बातों से उनकी हताशा साफ झलक रही है। साल 2025 के विधानसभा चुनाव में बिहार में एनडीए अपने 225 सीटों की जीत के लक्ष्य को हासिल करेगी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में एक बार फिर बिहार में सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भी बिहार की जनता नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और लालू प्रसाद यादव के झांसे में नहीं आएगी और तेजस्वी यादव को नेता प्रतिपक्ष बनने के लायक सीटें भी नहीं मिल सकेगी।

सीएम नीतीश ने महिला सशक्तिकरण को लेकर पेश की अनूठी मिसाल: हिमराज

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार में महिला सशक्तिकरण को लेकर अनूठी मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि साल 2005 में बिहार की सत्ता संभालते ही उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर अनेकों फैसले लिए और उन्हें राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने का काम किया। पार्टी प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि साल 2013 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पुलिस बलों में महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण देने की व्यवस्था की जिसका परिणाम है कि आज बिहार में पुलिस बलों में महिलाओं की तादाद 30 हजार के करीब है जो कि देशभर में सबसे ज्यादा है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महिला सशक्तिकरण के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज जीविका समूह की मदद से राज्य की महिलाएं आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि साल 2007 में शुरू हुए जीविका कार्यक्रम की मदद से बिहार में 10 लाख 51 हजार स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है जिससे 1 करोड़ 31 लाख के करीब जीविका दीदियां जुड़ी हुई हैं और और आत्मसम्मान का जीवन व्यतीत कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में बेटियों को मिला आत्मसम्मान और आत्मनिर्भर बनने का नतीजा ही है कि आज कक्षा 9 से लेकर 12 तक की बेटियों को आत्मरक्षार्थ मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग दी जा रही जहां बेटियां नए नए गुर सीख रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल में सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के तहत महिला अभ्यर्थियों को संघ लोक सेवा आयोग और बिहार लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा पास करने पर लिखित परीक्षा और साक्षात्कार की तैयारी के लिए राज्य सरकार द्वारा एक लाख रुपए और पचास हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है जिससे बड़ी तादाद में महिलाओं को लाभ मिल रहा है। महिलाओं के बीच उद्यमिता/स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना लागू किया गया है।

टीकाकरण के मामले में बिहार पूरे देश में नंबर 1: मंत्री

सोनपुर के शाहपुर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से राज्य भर में 1 हजार टीकाकरण कॉर्नर का स्वास्थ्य मंत्री ने किया उद्घाटन

- साढ़े तीन महीनों में राज्य में 2 हजार टीकाकरण कॉर्नर स्थापित किए गए

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

सूबे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने शुक्रवार को सोनपुर के शाहपुर हेल्थ एंड वेलनेस, सेंटर से राज्य भर में 1 हजार टीकाकरण कॉर्नर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में आज का दिन ऐतिहासिक है। हमारा लक्ष्य राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करना है। बिहार स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित कर रहा है। पिछले साढ़े तीन महीनों में राज्य में 2 हजार नए टीकाकरण कॉर्नर स्थापित किए गए हैं। आज का यह कदम टीकाकरण अभियान को नई दिशा देने और लक्ष्य को तेजी से प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा।

श्री पांडेय ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चलाई जा रही योजनाओं का परिणाम है। सितंबर 2024 तक राज्य में पूर्ण प्रतिरक्षण का आच्छादन 87 प्रतिशत था जो 15 सितंबर 2024 को 1000 नए टीकाकरण कॉर्नर खोलने के बाद बढ़कर 93 प्रतिशत हो गया है। इस पहल के बाद बिहार टीकाकरण में देश में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। अगले तीन महीनों में 96 प्रतिशत और फिर जल्द ही 100 प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में कार्य चल रहा है।

श्री पांडेय ने कहा कहा कि टीकाकरण से 12 प्रकार की गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। इन इम्यूनाईजेशन सेंटर पर छोटे बच्चों को विभिन्न प्रकार के टीके दिए जाएंगे। यह अभियान न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य की पीढ़ियों को भी सुरक्षित बनाएगा। जिन क्षेत्रों में टीकाकरण की दर कम है, वहां जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे और लोगों को टीकाकरण के महत्व से अवगत कराया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने आश्वस्त किया कि राज्य में पर्याप्त मात्रा में टीके उपलब्ध हैं और हर केंद्र पर प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मी मौजूद हैं। टीकाकरण अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। आज की इस पहल के माध्यम से बिहार स्वास्थ्य सेवाओं में एक नया मील का पत्थर स्थापित कर रहा है। यह राज्य को स्वास्थ्य और टीकाकरण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वास्थ्य मंत्री श्री पांडेय ने कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों के बीच आयुष्मान कार्ड भी वितरित किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडेय के अलावे पूर्व विधायक विनय कुमार सिंह, राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत, स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह, सारण के सिविल सर्जन दुलाल सिन्हा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, रामरतन समेत स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी और पदाधिकारी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के 38 जिलों के चिन्हित सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से संबंधित जिलों के सिविल सर्जन एवं संबंधित पदाधिकारीगण एवं कर्मी भीवर्चुलअ माध्यम से जुड़े।

रणजीत कुमार के श्राद्ध कार्यक्रम में श्रद्धांजलि देने वालों का तांता

रामकृपाल यादव, मीसा भारती, श्याम रजक सहित अन्य ने दी श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

दानापुर। दानापुर छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष रणजीत कुमार के श्राद्धकर्म में श्रद्धांजलि देने वालों का ताता लगा रहा। श्राद्ध कार्यक्रम का आयोजन दानापुर पेठिया बाजार स्थित उनके आवास के समीप किया गया। दोपहर से ही श्रद्धांजलि देने के लिए विभिन्न सियासी दलों सहित कई संगठनों के लोग पहुंचे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री रामकृपाल यादव पाटलिपुत्रा के राजद सांसद मीसा भारती, पूर्व मंत्री श्याम रजक, दानापुर के राजद विधायक रीतलाल यादव, पूर्व विधायक अनिल कुमार सहित कई वार्ड पार्षद, स्थानीय व्यवसायी एवं आम लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर मीसा भारती ने कहा कि रणजीत कुमार एक कुशल समाजसेवी थे। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होने दिवंगत आत्मा को चिर शांति एवं उनके परिजनों को इस दुःख की घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।बता दें कि राजधानी से सटे दानापुर के पेठिया बाजार में शनिवार 21 दिसम्बर समय तकरीबन 8 बजकर 23 मिनट पर रणजीत कुमार को अपराधियों ने अति दुस्साहस का परिचय देते हुए पीछे से बिल्कुल करीब पहुंचकर उस वक्त गोलियां मार दी जब वो अपनी स्कॉर्पियो से उतरकर अपने घर के बगल में ही एक श्राद्ध कर्म में शामिल होने पहुंचे थे। जानकारी के मुताबिक घटना के वक्त दही गोप दो-तीन स्थानीय लोगों से खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। वही, गोलीबारी में विकास उर्फ गोरखनाथ की ऑन स्पॉट मौत हो गई थी। इस हमले में रणजीत गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे और इलाज के दौरान पटना के एक निजी अस्पताल में 23 दिसंबर को दम तोड़ दिया।

संक्षिप्त खबरें

नेशनल कराटे में गोल्ड मेडल विजेता को मुखिया प्रतिनिधि ने किया सम्मानित

विभूतिपुर, समस्तीपुर। प्रखंड क्षेत्र के कल्याणपुर उत्तर वार्ड 15 निवासी मजदूर मनोज गिरी के पुत्र बेस्ट स्पोर्ट कंपलेक्स अंधेरी मुंबई में आयोजित नेशनल कराटे चैंपियन में स्वर्ण पदक विजेता नीतीश कुमार को मुखिया प्रतिनिधि मंटून ठाकुर ने चादर, पाग, माला आदि भेंट कर सम्मानित किया। मौके पर चंदन कुमार, छोटन यादव, विक्की यादव, ज्ञान कुमार, राजकुमार गिरी, अमरजीत गिरी आदि मौजूद थे।

पुण्यतिथि पर याद किये गए पत्रकार ब्रजेश

विभूतिपुर, समस्तीपुर। प्रखंड कार्यालय चौक स्थित मीडिया हाउस में शुक्रवार को पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बैठक कर दिवंगत पत्रकार ब्रज किशोर ब्रजेश की 8वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसकी अध्यक्षता पत्रकार आचार्य प्रभु नारायण झा ने की। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने दिवंगत पत्रकार ब्रजेश के समर्पण भाव से किये गए पत्रकारिता यात्रा की चर्चा करते हुए उन्हें अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान बताया। मौके पर पत्रकार चंदन कुमार राय, महताब आलम, सोनू शशि, गौरव कुमार झा, राजीव कुमार, हेमंत कुमार, अभिषेक कुमार, ममता कुमारी, आदि थे।

जानलेवा हमला करने के आरोप में दो हमलावर दोषी करार

दरभंगा। सिविल कोर्ट दरभंगा के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर की अदालत ने जानलेवा हमला करने के आरोप में दो हमलावरों को दोषी करार दिया है। सिंहवाड़ा थानाक्षेत्र के सनहपुर निवासी रणजीत सहनी एवं बलजीत सहनी को शुक्रवार को दोषी ठहराया है। श्री दिवाकर की कोर्ट ने दोनों दोषी के सजा अवधि का निर्धारण और निर्णय के लिए 20 जनवरी की तिथि निर्धारित किया है। अभियोजन पक्ष का संचालन कर रही एपीपी चंपा मुखर्जी ने बताया कि अभियुक्तों ने आपसी दुश्मनी को लेकर वर्ष 2022 में सनहपुर गांव के पंकज कुमार पर जानलेवा हमला किया तथा लूटपाट किया था। इसकी सिंहवाड़ा थानाकांड सं.97/22 दर्ज हुई थी। कोर्ट में इसका विचारण सत्रवाद सं.303/23 के तहत चल रही है। शुक्रवार को कोर्ट ने मामले की सूनवाई पुरी कर दोनो अभियुक्तों को दोषी ठहराया और जमानत बंधपत्र निरस्त कर दरभंगा जेल भेज दिया है। दोनों जूर्मियों के सजा के बिन्दु पर सुनवाई और निर्णय 20 जनवरी को होगी।

सुप्रसिद्ध प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की मनाई गई जयंती

विभूतिपुर, प्रखंड के नरहन स्थित पैराडाइज पब्लिक स्कूल के प्रांगण में सुप्रसिद्ध प्रथम महिला शिक्षिका एवं समाज सुधारिका सावित्रीबाई फुले की जयंती प्राचार्य शोभा कांत राय की अध्यक्षता में मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित सभी शिक्षक शिक्षिका एवं छात्र-छात्राओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा भाव प्रकट किया। जयंती समारोह को शिक्षक अमरनाथ चौधरी, रामविलास सिंह, अरविंद कुमार चौधरी, अजय कुमार, अमित कुमार, अनिल कुमार, राहुल कुमार, विपिन कुमार, प्रमोद कुमार, अर्जुन कुमार, आयशा खातून, मीता, संजू, प्रीति, पूनम, राजा कुमार ने संबोधित करते हुए सावित्रीबाई फुले को भारत के नवनिर्माण में उनके योगदान को अविस्मरणीय बताते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं दूसरी ओर अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की आंचल इकाई द्वारा विभूतिपुर प्रखंड के चांद सुरारी में पूर्व मुखिया सुलेखा कुमारी के आवास पर महान वीरांगना देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती कार्यक्रम समारोह पूर्वक मनाया गया।

शहर के विकास को लेकर मुख्यमंत्री से मिले संजय सरावगी, कई लंबित योजनाओं की जगी आस

फ्लाईओवर, बस स्टैंड के जीर्णोद्धार एवं तालाबों के सौंदर्यीकरण सहित योजनाओं पर हुई चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। शहर के समग्र विकास एवं कई महत्वपूर्ण योजनाओं की स्वीकृति को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता, बिहार विस में सत्तारूढ़ दल के सचेतक सह नगर विधायक संजय सरावगी ने पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। इस अवसर पर नगर विधायक ने पाग-चादर से मुख्यमंत्री का स्वागत किया एवं उन्हें नववर्ष की बधाई दी। साथ ही कई लंबित योजनाओं से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा। नगर विधायक श्री सरावगी ने बताया कि दरभंगा शहर को जाम से मुक्ति के लिए फ्लाईओवर के विस्तारीकरण एवं निर्माण, दरभंगा बस स्टैंड के आधुनिकीकरण और शहर के तीनों तालाबों के सौंदर्यीकरण सहित अन्य विकासात्मक योजनाओं पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनकी सकारात्मक बातचीत हुई। मुख्यमंत्री ने प्रमुखता से लंबित योजनाओं के कार्यान्वयन का आश्वासन दिया। शहर में भीषण जाम की समस्या दूर करने के लिए लगभग 1600 करोड़ की लागत से आमस-दरभंगा एक्सप्रेसवे से कपूरी चौक डीएमसीएच तक और दरभंगा जंक्शन से लहेरियासराय तक पुल निर्माण निगम द्वारा फ्लाई ओवर निर्माण का डीपीआर तैयार जा चुका है। दरभंगा जंक्शन से लहेरियासराय तक के फ्लाई ओवर को लोहिया चौक तक विस्तारित कर डीपीआर को स्वीकृति प्रदान करने का नगर विधायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया। वहीं दिल्ली मोड़ स्थित दरभंगा बस स्टैंड की समस्या से भी श्री सरावगी ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया। कहा कि दिल्ली मोड़ स्थित बस स्टैंड की नारकीय स्थिति है। रात में यात्रियों को ठहरने की व्यवस्था नहीं है। मूलभूत और संरचनात्मक सुविधा नहीं होने के कारण यात्रियों और बस कर्मियों को भीषण समस्या का सामना करना पड़ता है। 92 करोड़ की राशि से बस स्टैंड का आधुनिकीकरण किया जाना है। इसके लिए नगर विकास एवं आवास विभाग की एजेंसी बुडको द्वारा डीपीआर बनाकर भेजा जा चुका है। परंतु विभाग द्वारा डीपीआर की प्रशासनिक स्वीकृति नहीं हो पायी है। नगर विधायक ने शीघ्र अतिशीघ्र दिल्ली मोड़ स्थित बस स्टैंड का जीर्णोद्धार कराकर यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाओं मुहैया कराने का सीएम से अनुरोध किया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली मोड़ बस स्टैंड के निर्माण के लिए श्री सरावगी कई वर्षों से प्रयासरत है। कई बार उन्होंने विधानसभा में भी प्रमुखता से आवाज उठाया। डीपीआर की स्वीकृति को लेकर गत सप्ताह विभाग के मंत्री नीतीन नवीन के साथ भी नगर विधायक ने बैठक की थी। अब मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद जल्द ही डीपीआर को स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। विधायक श्री सरावगी ने शहर के तीनों तालाबों को लेकर भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ध्यान आकृष्ट किया। कहा कि करीब 150 एकड़ में फैला हराही, दिग्घी एवं गंगासागर तालाब मिथिला की धरोहर और दरभंगा की पहचान है। तालाबों का सौंदर्यीकरण एवं इसे आपस में जोड़ना तालाबों के संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यटन के दृष्टि से अति आवश्यक है। सौंदर्यीकरण को लेकर पूर्व में नगर विकास विभाग द्वारा 175 करोड़ की राशि का डीपीआर बनाया गया था। परंतु डीपीआर में वर्णित राशि के स्थान पर प्रति तालाब मात्र 2.5 करोड़ की राशि ही स्वीकृत की गयी। ये राशि तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए डीपीआर में उल्लेखित राशि के सामने नगण्य है। विधायक श्री सरावगी ने तालाबों के सौंदर्यीकरण को विशेष प्रमुखता देते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का मुख्यमंत्री से अपील की। बताते चलें कि तालाबों का सौंदर्यीकरण एवं एकीकरण विधायक श्री सरावगी के कई वर्षों का सपना है। इसके अलावे विधायक ने शुभंकरपुर, रत्नोपट्टी होते हुए निमार्णाधीन दरभंगा एम्स तक जाने वाली पथ के स्थान पर डबल लेन सड़क निर्माण का भी आग्रह किया। श्री सरावगी ने बताया कि शहर की लंबित योजनाओं को लेकर मुख्यमंत्री गंभीर है। उन्होंने अपने प्रधान सचिव एवं बिहार सरकार के पूर्व मुख्य सचिव दीपक कुमार को बुलाकर लंबित योजनाओं के समीक्षा का निर्देश दिया है।

राज्यपाल को सांसद ने किया पाग चादर से सम्मानित, हाई कोर्ट बेंच की रखी मांग

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।बिहार के नव नियुक्त राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान के शपथ ग्रहण करने के बाद पटना स्थित राजभवन में दरभंगा के सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात की तथा उन्हें मिथिला की संस्कृति और परंपरा के अनुसार पाग एवं अंगवस्त्र से सम्मानित किया। संसद डा ठाकुर ने महामहिम श्री खान के बिहार का राज्यपाल बनाए पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि श्री खान एक अनुभवी और सुलझे हुए बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं जिसका लाभ बिहार को मिलेगा।सांसद डा ठाकुर ने मिथिला क्षेत्र के हाई कोर्ट बेंच, संस्कृत विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा, मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर शोध केंद्र, डब्लू आई टी, केंद्रीय विद्यालय, सैनिक स्कूल सहित अन्य विभिन्न ज्वलंत मुद्दों की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए एक मांग पत्र सौंप कर इन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। सांसद डा ठाकुर ने दरभंगा में पटना हाई कोर्ट बेंच की स्थापना के लिए राज्यपाल से आग्रह करते कहा कि भौगोलिक रूप से नेपाल तथा बांग्लादेश की सीमा से सटे मिथिला और कोशी क्षेत्रों के लोगों को उच्च न्यायालय के कार्यों से पटना पहुंचने में समय और संसाधन ज्यादा लगता है जबकि दरभंगा में हाई कोर्ट की एक बेंच की स्थापना होने के बाद आधा खर्चा और सीमित समय लगने के कारण करोड़ों लोगों को लाभ मिलेगा।सांसद डा ठाकुर ने राज्यपाल को मैथिली संस्कृत शोध संस्थान, संस्कृत विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा डब्ल्यू आई टी जैसे मुद्दों पर ध्यान आकृष्ट कराते हुए बताया कि इन मुद्दो पर शीघ्र पहल करने का आग्रह किया। इस मौके पर सांसद डा ठाकुर के साथ पार्टी नेता संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह प्रफुल्ल कुमार ठाकुर , मनीष ठाकुर आदि भी मौजूद थे

बीपीएससी छात्रों के समर्थन में रोड जाम

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।छात्र युवा शक्ति मुजफ्फरपुर के तत्वावधान में आज बीपीएससी छात्रों के समर्थन में वेद प्रकाश के नेतृत्व में नेशनल हाईवे को जामकर विरोध प्रदर्शन किया। वेद प्रकाश के नेतृत्व में युवा शक्ति मुजफ्फरपुर का जत्था खबरा मंदिर स्थित एनएच 28 को जाम कर 70वीं बीपीएससी एग्जाम को पुनः करने की मांग किया। वेद प्रकाश ने कहा पिछले कई दिनों से छात्रों का एक बड़ा समूह अपने मांगों के समर्थन में छात्र सत्याग्रह कर रहे हैं और ऐसे मासूम छात्रों पर राज्य सरकार लाठियां बस कर लोकतंत्र की हत्या कर रही है जिसे पप्पू वादी बर्दाश्त नहीं करेंगे और आज मनीष सांसद श्री पप्पू यादव के निर्देश पर हम लोग नेशनल हाईवे को जाम कर अपना विरोध दर्ज कर रहे हैं। यदि राज्य सरकार हमारी मांगों पर विचार नहीं करती है तो छात्रों का समूह आगे की रणनीति पर निर्णय लेगा और हम सभी मजबूती से उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि लगातार बिहार में परीक्षा में स्कैम हो रहा है वहीं दूसरी तरफ नई डोमिसाइल नीति के तहत राज्य के युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है यह सरकार, इस सब का जवाब बिहार के युवा शक्ति इस चुनाव में देने का कार्य करेंगे। इस विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से राकेश कुमार ओझा, संजीव कुमार निराला, प्रभात रंजन झा, आशा देवी, सत्यनारायण यादव,शेखर सुमन,रामनरेश मालाकार समेत बड़ी संख्या में लोग सरकों पर विरोध दर्ज कराया।

मुख्यमंत्री के मुजफ्फरपुर आगमन पर भाकपा-माले ने पूछे नौ सवाल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कल 5 जनवरी को मुजफ्फरपुर आगमन पर भाकपा-माले के नगर सचिव सूरज कुमार सिंह,इंसाफ मंच के जिलाध्यक्ष फहद जमां और शाहनवाज हुसैन उर्फ नौशाद ने सयुंक्त तौर पर मुख्यमंत्री से नौ सवाल पूछे. हैं।उन्होने कहा है कि मुख्यमंत्री जी आप बिहार में प्रगति यात्रा कर रहें हैं और मुशहरी में भी आपकी यात्रा सफल करने के लिए भारी तामझाम और घेराबंदी से आमलोग चकित हैं। क्या आप इस यात्रा के दौरान गरीबों, मजदूर-किसानों और आमलोगों के लिए कुछ ठोस घोषणा करेंगे ? मुख्यमंत्री ने बिहार में सामाजिक सर्वे के बाद पिछले साल घोषणा की थी कि सभी गरीबों को जिनकी वार्षिक आमदनी 72हजार रुपये से कम है उनको 2लाख रुपये की सहायता दी जायेगी ताकि वे कुछ अपना काम शुरू कर पाएं। लेकिन गरीबों को आय प्रमाण-पत्र बनवाने का अड़ंगा लगा दिया गया है और हजारों-हजार गरीब अंचल कार्यालय पर बार-बार प्रदर्शन कर आय प्रमाण- पत्र के लिए आवेदन दिए हैं। उनको आय प्रमाण-पत्र नहीं दिया जा रहा है। इसके लिए आप और आप की सरकार जिम्मेवार है इसपर आप क्या कहेंगे? गरीबों को कबतक 2 लाख की सहायता मिलेगी? सीएम से यह भी पूछा है कि सरकार की घोषणा के अनसार सभी भूमिहीनों और गरीबों को 5डिसमिल वासभूमि और पक्का मकान कब तक मिलेगा? सौन्दर्यीकरण और विकास के बहाने बरसो-बरस से बसे गरीबों को जबरन उजाड़ने का सिलसिला जारी है। लेकिन आपकी घोषणा के अनुसार उनको पुनर्वास की गारंटी किए बिना उजाड़ने पर आप की सरकार रोक लगाएगी? या यूपी की तरह बुलडोजर राज चलेगा? नदी के कटाव से विस्थापित या वासभूमि के अभाव में जो गरीब जहां भी मठ, सरकारी गैर मजरूआ जमीन, सिलिंग एक्ट से फाजिल व भूदान की जमीन में बसे हैं उन गरीबों को बासकीत जमीन का पर्चा मिलेगा? या अतिक्रमण के बहाने उनको उजाड़ दिया जायेगा। जिनको जमीन का पर्चा मिला हुआ है उसका दाखिल-खारिज और उनको उस जमीन पर बसाने की गारंटी आपकी सरकार करेगी?स्कीम वर्कर्स और स्वयं सहायता समूह में कार्यरत महिलाओं-विद्यालय रसोइयों, जीविका दीदियों, आशाकर्मी, आंगनबाडी.सेविकाओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने और सम्मानजनक वेतन देने की घोषणा आप की सरकार करेगी? उनसे अगला सवाल किया है किक्या झारखंड के तर्ज पर बिहार में भी वृद्धावस्था पेंशन की राशि एक हजार की जायेगी और सभी महिलाओं को 3 हजार रुपये जीवन यापन भत्ता देने की घोषणा आप की सरकार करेगी?मनरेगा में सभी ग्रामीण गरीबों को काम तथा 600रू मजदूरी मिलने की गारंटी होगी? मनरेगा में व्याप्त भारी लूट, भ्रष्टाचार व धांधली पर रोक आपकी सरकार लगा पायेगी? . मुशहरी के रजवाडा.व बुधनगरा सहित नदी के ढाब में बसे हजारों परिवार तथा छोटे-छोटे दलित टोले में जाने-आने के लिए पक्की सड़क व पल-पुलिया जल्दी से बनवाने की गारंटी होगी? स्मार्ट मीटर से गरीबों, किसानों और आमलोगों की परेशानी चरम पर है। बहुत से परिवार अंधकार में रहने को विवश है। इसके कारण स्मार्ट मीटर का चौतरफा विरोध हो रहा है। लेकिन जबरन स्मार्ट मीटर लगाया गया है या लगाया जा रहा है। इस तरह के कंपनी राज पर आपकी सरकार रोक लगायेगी? गरीबों व कृषि कार्य के लिए बिजली फ्री करने की घोषणा आपकी सरकार करेगी? सूरज कुमार सिंह ने कहा कि गरीबों व आमलोगों की जिन्दगी और रोजी-रोटी से जुडे. सवालों पर निश्चित ही मुख्यमंत्री को गंभीर होना चाहिए! नहीं तो आपकी प्रगति यात्रा से जनता की प्रगति तो नहीं हो पायेगी! और यह महज दिखावा और धोखा देने वाली यात्रा के रूप में ही लोग समझेंगे।

देश की पहली महिला शिक्षिका थी सावित्री बाई फुले

ब्रह्मानंद ठाकुर /प्रात : किरण संवाददाता

17 साल की उम्र में जिस युवती ने देश में महिला शिक्षा का अलख जगाया, उसका नाम सावित्री बाई फुले है। आज 3जनवरी को उनकी 194 वेंवी जयंती है। आज ही के दिन 1831 ई. मे इनका जन्म महाराष्ट्र के सतारा जिले के नया गांव में हुआ था। अपने पति महात्मा ज्योतिराव फुले से कदम में कदम मिला कर इन्होंने पहली बार महिला शिक्षा का गुरुतर दायित्व संभाला। 1ली जनवरी 1948 के दिन पूना के भिडेवारा में लड़कियों का जो पहला स्कूल खुला था ,उसकी पहली भारतीय शिक्षिका होने का गौरव सावित्री बाई फुले को प्राप्त हुआ था।उनके लिए यह काम तब बिल्कुल आसान नहीं था। महाराष्ट्र में पेशवाओं का शासन था। अछूतों पर बड़ी कड़ी पाबंदी थी। उन्हें सार्वजनिक स्थलों से पानी भरने तक का अधिकार नहीं था। ऐसे में इनकी शिक्षा की बात भी कल्पना से परे थी। फिर भी सावित्री बाई फुले ने अपने पति के सहयोग से दलितों,वंचितों में शिक्षा का प्रचार शुरू कर दिया। तब ऊंची जाति के लोगों ने इनके खिलाफ मुहिम छेड़ दिया। शिक्षा के प्रचार के लिए इस दम्पति को अपना घर छोड़ना पड़ा।फिर भी ऊंची जाति वालों का विरोध जारी रहा। वे उन्हें गालियां देते, धर्म भ्रष्ट करने वाली कहते।स्कूल जाते हुए सावित्री बाई पर गंदी फब्तियां कसते, उनके कपड़ों पर गोबर और कीचड़ फेंकते। अपनी धुन की पक्की उस महिला ने इसकी तनिक भी परवाह नहीं की। वह अपने साथ एक अतिरिक्त साडी लेकर स्कूल जाती। विरोधी रास्ते में उसके कपड़े पर कीचड और गोबर फेंकते।उसके कपड़े खराब हो जाते थे।स्कूल पहुंच कर सावित्री बाई अपनी साडी बदल कर लड़कियों को पढ़ाने में जुट जाती थीं। एक बार एक युवक ने स्कूल जाते हुए सावित्री बाई फुले के साथ बदतमीजी कर दी।उसे छेड़ने की कोशिश की। गुस्से से आग-बबूला सावित्री बाई ने उसकी गाल पर दो थप्पड़ जड दिए। इस घटना के बाद फिर किसी ने उसकी राह रोकने की हिम्मत नहीं की। वह एक शिक्षिका के साथ-साथ समाज सुधारक भी थीं। उन्होंने समाज के दबे-कुचले, दलितों के उत्थान के साथ- साथ बाल विवाह रोकने के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय भूमिका का निर्वाह किया। वह निर्वैयक्तिक मातृत्व की जीवंत प्रतीक थी। उसने एक आश्रम की स्थापना की थी।

रोसड़ा में संदिग्ध स्थिति में एक फाइनेंस कर्मी की मौत, दो की हालत गंभीर

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर में संदिग्ध स्थिति में एक फाइनेंसकर्मी की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे है। मामला रोसड़ा थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान सहरसा जिला के हेमपुर धर्मपुर गांव के उमेश प्रसाद सिंह के पुत्र रोशन कुमार के रूप में हुई। वहीं दोनों बीमार युवक की पहचान सुबोध कुमार और रूपक कुमार के रूप में हुई है। जिनका इलाज दरभंगा के निजी अस्पताल में जारी है। घटना के संबंध में मृतक के भाई का बताना है कि बीती देर रात उसके भाई के साथी के द्वारा उसकी तबीयत बिगड़ने की खबर मिली। साथियों के द्वारा इलाज के लिए उसे रोसड़ा अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जंहा प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उनलोगों के अस्पताल पहुंचने के पहले तक मृतक के सभी साथी फोन उठा रहे थे लेकिन बाद में फोन रिसीव करना बंद कर दिया। परिजनों का आरोप है कि बैंक कर्मियों के द्वारा ही साजिश के तहत उसके भाई की हत्या कर दी गई है। वहीं फाइनेंस कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक जय शंकर प्रसाद सिंह का बताना है कि नए साल के मौके पर कुछ कर्मियों के द्वारा पार्टी की गई थी। उस पार्टी में किसी तरल पदार्थ अथव कथित जहरीली शराब का सेवन करने के बाद तीन की तबियत बिगड़ गई थी। जिसके बाद सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसमें एक की मौत हो गई

बढ़ते शीतलहर से बचाव के लिए गरीबों के बीच अलाव साथ कम्बलों का किया वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। शीतलहर से बचाव के लिए जिलाधिकारी राजीव रौशन के आदेश के आलोक में जिला आपदा प्रबंधन के माध्यम से प्रखंडों के चयन स्थान पर अलाव की व्यवस्था की गई है। इसके तहत 69 से अधिक स्थलों पर संबंधित अंचल अधिकारी के माध्यम से अलाव की व्यवस्था की जा रही है। दरभंगा प्रखंड अंतर्गत 07 जगह, बहादुरपुर में 03, हायाघाट में 08, हनुमाननगर में 02,सिंहवाड़ा में 02 जगह, जाले में 05,केवटी में 06, मनीगाछी में 06 जगह, तारडीह में 06,बेनीपुर में 03 जगह, अलीनगर में 03 जगह, बिरौल में 06, किरतपुर में 01, घनश्यामपुर में 02,कुशेश्वरस्थान पूर्वी में 05, कुल 69 जगहों पर अलाव जलाए गए हैं। इसके लिए आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा जिले में 6 लाख 24 हजार 8 सौ रु 18 अंचलाधिकारियों को के बीच राशि उपवंटित की गई है,। इसके तहत बड़े प्रखंडों को 55000 से लेकर छोटे प्रखंडों को 18000 की राशि उपावंटित राशि अंचलाधिकारी को भेजी गई है। इसके माध्यम से समाज के अंतिम पंक्ति में रहने वाले गरीब व्यक्तियों के बीच अलाव की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।गरीब व्यक्तियों को बढ़ते शीतलहर से बचाव के लिए अलाव के अलावा काफी संख्या में कम्बल का वितरण भी किया गया है । जिले में 818 कम्बलों का वितरण किया गया है,अलाव के लिए 3197 किग्रा से अधिक लकड़ी का वितरण किया गया है।

आपदा प्रबंधन की अध्यक्षता में इंटर एजेंसी समन्वय बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन की अध्यक्षता में इंटर एजेंसी समन्वय बैठक समाहरणालय स्थित आपदा शाखा कार्यालय प्रकोष्ठ में हुई आयोजित बैठक मे शीत लहर से सुरक्षा हेतु व्यापक जन जागरूकता का निर्णय लिया गया। इस संबंध में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश भी दिए गए। सार्वजनिक स्थलो पर अलाव की व्यवस्था कंबल वितरण अगलगी से बचाव हेतु जन जागरूकता प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर बाल संरक्षण समिति का गठन एवं नियमित बैठकशीत लहर एवं अग्लगी से बचाव हेतु मुखिया को आपदा प्रबंधन शाखा से सीधा पत्राचार सामाजिक सुरक्षा कोषांग से बाल संरक्षण समितियो के गठन हेतु मुखिया को पत्र निर्गत करना सामाजिक सुरक्षा योजनाओ के प्रति जन जागरूकता हेतु लीफलेट का वितरण और सोशल मीडिया का उपयोग के साथ को सशक्त करना आदि विभिन्न बिंदुओं पर व्यापक चर्चा की गई। अपर समाहर्ता ने निर्देश दिया कि इंटर एजेंसी ग्रुप अपने नेटवर्क के माध्यम से शीत लहर अग्नि सुरक्षा और भूकंप सुरक्षा को लेकर जागरुकता करे। यह भी निर्णय लिया गया कि 15 जनवरी से भूकंप सुरक्षा सप्ताह मनाने हेतु सभी अंचलाधिकारी प्रखंड विकास पदाधिकारी और मुखिया को पत्र निर्गत किया जाए। बैठक में उपस्थित प्रभारी पदाधिकारी जिला आपदा प्रबंधन सह उप निदेशक जनसंपर्क परिमल कुमार सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा आशीष अमन सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी रजनीश कुमार एसडीएफ एसओ अग्निशमन विभाग श्याम कुमार सिंह जीपीएसवीएस यूनिसेफ ने अलग अलग बिंदुओ पर चर्चा की और अपने सुझाव दिए। बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग एवं जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के कर्मी भी उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में झोपड़ी जलाई, विरोध करने पर युवक को मारी गोली

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत शेरपुर गांव में जमीनी विवाद में दबंगों ने झोपड़ीनुमा पशु शेड जला दिया। विरोध करने पर एक युवक को गोली मारकर जख्मी कर दिया। जिसे ग्रामीणों व स्वजनों ने इलाज हेतु बेगूसराय स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। जहां चिंताजनक स्थिति देख चिकित्सकों ने पटना रेफर कर दिया है। जख्मी की पहचान शेरपुर गांव निवासी दिलीप सिंह के पुत्र अमितेश कुमार उर्फ.मिंटू (32 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही दलसिंहसराय अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विवेक कुमार शर्मा के नेतृत्व में अंचल पुलिस निरीक्षक नीरज कुमार तिवारी, थानाध्यक्ष फिरोज आलम सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल घटना स्थल पर पहुंच छानबीन में जुट गई है। घटनास्थल पर तनाव के मद्देनजर पुलिस कैंप कर रही हैं वहीं ग्रामीणों व स्वजनों से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त किया। पुलिस ने आरोपी दीपक गराय की पत्नी पम्मी देवी व दिलीप गराय की पत्नी को हिरासत में लिया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दिलीप सिंह व दिलीप राय के बीच 13 कट्ठा जमीन को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा था। शुक्रवार की सुबह करीब नौ बजे दिलीप गराय के पक्ष के कतिपय लोगों ने दिलीप सिंह की झोपड़ीनुमा पशु शेड को जला दिया। जिस पर दिलीप सिंह के पुत्र अमितेश कुमार उर्फ.मिंटू ने विरोध जताया। तभी अचानक दूसरे पक्ष के लोगों ने अमितेश कुमार उर्फ.मिंटू को गोली मारकर जख्मी कर दिया। दो गोली अमितेश के पेट व एक गोली सीने में लगी है। घटना के बाद ग्रामीणों व स्वजनों ने इलाज हेतु उसे बेगूसराय स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। जहां चिंताजनक स्थिति देख चिकित्सकों ने पटना रेफर कर दिया है।

जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर त्वरित निषापादन करे अधिकारी : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम में जिले के सुदूर क्षेत्रो से आए हुए परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतो को सुनते हुए संबंधित अधिकारियो को त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया गया ।गौरतलब हो कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को जनता दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर जिलाधिकारी सभी परिवादियो से मुलाकात करते है और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी देते है इस परिप्रेक्ष्य में शुक्रवार 03 जनवरी को कुल 51 परिवादी अपनी शिकायतो के साथ जिलाधिकारी से मिले.प्रखंड कार्यालय राजनगर निवासी रंजू देवी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के सूची में नाम होने के बावजूद लाभ नही मिलने से संबंधित शिकायत किया गया। प्रखंड मधवापुर निवासी राम विलास मंडल एवं अन्य के द्वारा आवेदन दिया गया कि मुखियापट्टी पंचायत में सरकारी भूमि होने के बावजूद ग्राम पंचायत से दूर कही पंचायत भवन बनाने से संबंधित शिकायत किया गया। बेनीपट्टी प्रखंड निवासी टुनटुन राम द्वारा उनके ग्रामीण उत्तम राय द्वारा जबरन जमीन दखल करने संबंधित शिकायत किया गया।खजौली प्रखंड निवासी रानी देवी द्वारा रंगदारी पूर्वक विपक्षी द्वारा उनके निजी जमीन आवासीय भूमि के आगे जमीन अवरुद्ध करने से संबंधित शिकायत किया।प्रखंड अंधराठाढ़ी के निवासी बैजू प्रसाद यादव एवं अन्य के द्वारा ग्राम मदन पट्टी के बीचो-बीच होकर गुजरने वाली सुगरबे नदी पर बना रहे सुलिशगेट एवं तटबंध को बनाने से रोकने संबंधित आवेदन दिया।ग्राम+पोस्ट मांगरौनी निवासी चंद्र मोहन झा ने जबरन निजी जमीन फजीर्वाड़ा करके जमीन हड़पने से संबंधित शिकायत किया। बड़ा बाजार मधुबनी निवासी गोपाल कुमार द्वारा उनके निजी जमीन से सड़क तक जाने वाली रास्ता को बंद किए जाने से संबंधित शिकायत किया गया।प्रखंड पंडौल निवासी रामपरी देवी द्वारा उनके पति के मौत हो जाने के उपरांत आपदा विभाग द्वारा मिलने लाभ से अभी तक वंचित होने से संबंधित आवेदन दिया गया।जिलाधिकारी द्वारा आए हुए सभी परिवादियो से बारी-बारी से शिकायते सुनी गई और उनके परिवाद के निवारण हेतु संबधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए. जिलाधिकारी ने कई प्राप्त शिकायतो के आलोक में संबंधित पदाधिकारियो को फोन कर जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया।-उक्त अवसर पर उपविकास आयुक्त दीपेश कुमार अपर समाहर्ता शैलेश कुमार आदि उपस्थित थे।

असामाजिक तत्वों द्वारा आग लगाना प्रशासन की विफलता को दशार्ता हैं : राकेश नायक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।दरभंगा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत भलपट्टी ग्राम में विशेष समुदाय के कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा आग लगा देने के उपरांत क्षेत्र के वर्तमान विधायक सह बिहार सरकार के पूर्व मंत्री ललित कुमार यादव के अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि मंडलों के द्वारा घटनास्थल पर पहुंच कर घटना का निरीक्षण करने के बाद महानगर युवा राजद के अध्यक्ष राकेश नायक ने विज्ञप्ति जारी कर बताया। उन्होंने कहा कि इस घटना का घोर निंदा करता हूं। इस तरह की घटना बारंबार एक ही जगह पर होना कहीं न कहीं प्रशासन की विफलता और उनके दलित समाज के प्रति सही रवैया को नहीं दशार्ता हैं। जब उपरोक्त भूमि मंदिर के लिए दान दिया गया हैं।अगर प्रशासन दोषियों को पर कार्रवाई किए होते तो यह घटना नहीं होता।अगर समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता तो कई घर चपेट में आ सकते थे। मौके पर राजकुमार यादव,बब्लू यादव पूर्व उप प्रमुख शामिल थे।

याद किए गए ललित बाबू, कुलपति ने शब्दांजलि सुमन अर्पित किया

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। पंडित ललित नारायण मिश्र न केवल बिहार राज्य के मिथिला क्षेत्र बल्कि सकल भारतवर्ष के विकास हेतु समर्पित रहे। आज यदि वे जीवित होते, तो बिहार समेत उत्तर भारत की विकासात्मक तस्वीर कुछ और ही होती। उक्त बातें ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी ने शुक्रवार को स्वर्गीय ललित बाबू की 50 वीं पुण्यतिथि पर कहीं। विश्वविद्यालय मुख्यालय में स्थित पंडित ललित नारायण मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए प्रो चौधरी ने कहा कि इधर के वर्षों में दरभंगा, सहरसा रेलवे लाईन का पूर्ण होना अथवा कुशेश्वर स्थान- दरभंगा और दरभंगा-मुजफ्फरपुर सीधी रेल सेवा की सुगबुगाहट हो रही है। यह रेलवे लाईन ललित बाबू का ड्रीम प्रोजेक्ट था। जिस दिन इन मार्गों से रेल गुजरेगी, उनकी आत्मा को अवश्य शांति मिलेगी। बिहार के अन्य क्षेत्रों में विकास हो इसके लिए वे सदैव दृढ़ संकल्पित थे। विश्व पटल पर अपनी अप्रतिम पहचान बना चुकी मैथिली लोक- कला का पर्याय मिथिला पेंटिंग के प्रचार- प्रसार और संरक्षण में भी ललित बाबू की भूमिका अविस्मरणीय रहेगी।इस विशेष कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ अजय कुमार पंडित, वित्तीय परामर्शी इंद्र कुमार के अलावा विज्ञान और मानविकी संकायाध्यक्ष, परीक्षा- नियंत्रक, सभी विभागाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों की गणमान्य उपस्थिति रही।

संक्षिप्त खबरें

तीन लोगों के साथ कि गई मारपीट

जमुई [झाझा] शुक्रवार की सुबह थाना क्षेत्र के करहरा गांव में दो कट्ठा जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना में एक पक्ष से तीन लोग घायल हो गए सभी को परिजनों के दौरा इलाज के लिए रेफरल अस्पताल झाझा में भर्ती कराया जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक के द्वारा सभी घायलों का इलाज किया गया। घायल की पहचान उर्मिला देवी उसका बेटा अजय यादव व पोता अमित कुमार के रूप में हुई है। घायल अजय यादव ने कहा की गांव में ही मेरा दो कट्ठा जमीन है लेकिन उस जमीन को गोतिया जागेश्वर यादव अपना बताते हुए जबरन गाय रखने के लिए एक झोपड़ी बना दिया जब मैने इसका विरोध किया तो जागेश्वर यादव, मनीजर यादव, आभा देवी सीमा देवी के साथ मिलकर मेरे साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया। हल्ला सुनकर जब मेरी बुजुर्ग मां और बेटा मुझको बचाने के लिए आया तो उक्त सभी लोगों ने मां और बेटा के साथ भी मारपीट कर घायल कर दिया।

जिलाधिकारी के जनता दरबार में फरियादियों ने लगाई न्याय की गुहार

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने समाहरणालय परिसर स्थित संवाद कक्ष में शुक्रवार 03 जनवरी को जनता दरबार का आयोजन किया। मौके पर सुदूर क्षेत्र व दूर-दराज क्षेत्र से आए फरियादियों ने उनसे मिलकर अपनी समस्याओं को रखा। जिलाधिकारी महोदया ने आम लोगों की समस्याओं को गौर से सुना और मौके पर कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन भी किया तथा कुछ मामलों को इससे जुड़े विभाग को अग्रसारित कर विधि सम्मत कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिया। विदित हो कि जिलाधिकारी महोदया प्रत्येक शुक्रवार को जनता दरबार आयोजित कर लोगों की समस्याओं को सुनते हैं। जिलाधिकारी महोदया ने जनता दरबार जन शिकायत से संबंधित सुनवाई के क्रम में भूमि बंटबारे, अतिक्रमण, दाखिल खारिज, भूमि बंटबारे, रैयति भूमि का निबंधन, अनुग्रह भुगतान, खतियान, दखल-कब्जा, जमीन की नापी, इंदिरा आवास योजना , विकलांग पेंशन, विवादित भूमि पर जबरन कार्य, चयन प्रक्रिया, जमाबंदी, सेवान्त लाभ, सामाजिक सुरक्षा से लाभ, श्रम संसाधन से लाभ, स्वच्छता, अनुज्ञप्ति रद्द,अनुकम्पा नियुक्ति, राशि-गबन, रास्ता अवरुद्ध, मारपीट, बासगीत पर्चा, पक्की नली गली, आंगनवाड़ी, गैर मजरूआ एवं अन्य से सम्बंधित मामले आए। जिलाधिकारी महोदया ने तमाम प्रकरणों को गंभीरता से लिया और इस पर यथोचित कार्रवाई की। जिलाधिकारी महोदया ने इस अवसर पर कहा कि जनता को कठिनाइयों से उबारना ही उनका मुख्य मकसद है। सरकार की राज्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ कमजोर वर्गों को मिले इसके लिए कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। जनता इन योजनाओं का लाभ उठाएं और सरकार की सोच को साकार करने में सहयोग दें। जिलाधिकारी महोदया ने कहा कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गति देने में शिथिलता और अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए अधिकारियों को निष्ठा के साथ काम करने का निर्देश दिया। मौके पर कई विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

जरूरतमंदों व निःसहाय लोगों के बीच जिलाधिकारी ने बाटें कम्बल

जमुई शीतलहर के बीच कड़ाके के ठंड से लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा ने गुरुवार देर रात जरूरतमंदों व गरीब निसहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। तथा अधिकारियों को इसके लिए गंभीरता से काम करने के निर्देश भी दिए। इस बीच जिलाधिकारी महोदया ने परिसर में जल रहे अलाव के पास खड़े होकर लोगों से बातचीत की। जिलाधिकारी महोदया ने अनुमंडल पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारियों के साथ बस स्टैंड, कचहरी चौक, मुसहरी टोला बिहारी समेत अन्य चौक चौराहों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुसाफिरों, रिक्शा चालक व बुजुर्गों को कंबल वितरण किए। अत्यधिक ठंड व शीतलहर से होने वाली समस्याओं के मद्देनजर निराश्रित एवं असहाय तथा कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुंचाए जाने को अस्थाई रोडवेज बस स्टैंड परिसर में रैन बसेरे में सभी आवश्यक व्यवस्थाओं समेत साफ-सफाई व अलाव का प्रबंध कराये जाने के भी निर्देश दिए ।

हक दो- वादा निभाओ अभियान के तहत भाकपा माले प्रखंड कमिटी की ओर से किया गया प्रदर्शन

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] हक दो-बादा निभाओ अभियान के तहत भाकपा माले प्रखंड कमिटी झाझा की ओर से प्रदर्शन किया गया । प्रदर्शनकारी अम्बेडकर प्रतिमा स्थल से भाकपा माले नेता रमेश यादव, गुलटन पुजहर के नेतृत्व में निकाला प्रतिवाद मार्च निकालकर मछली मार्केट, गॉधी चौक, पुरानी बाजार , हेलाजोत , सोहजाना चौक होते हुए प्रखंड कार्यालय पहुंचा। भाकपा माले प्रखंड सचिव कंचन रजक ने कहा की बिहार सरकार की ओर से घोषित उधमी योजना बिल्कुल मोदी के तरह जुमला साबित हो रहा है जो महागरीव परिवार 72 हजार तक आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था मनमाने तरिके से विभाग की ओर से एक लाख से अधिक तक का बिना जांच किए बना दिया है फिर से जांच कर 72 हजार से कम का आय प्रमाण पत्र बनाया जाए ताकी गरीबों को लाभ मिल सके सभी गरीव भूमिहीन परिवार का 5-5 डीसमिल जमीन ओर पक्का मकान दिया जाए बाराकोला पंचायत से प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम जोड़ने के लिए दिया गया आवेदन निष्पादन किया जाए स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर रोक लगाई जाए 200 युनिट बिजली फ्री दिया जाए वन विभाग के प्रशासन के मनमानी पर रोक लगे कार्यक्रम में संजय बर्णबाल, जगदीश राणा, शेरु पुजहर,लीलो पुजहर, मुर्ति देवी, अशोक रजक, कलाबती देवी, फुलवा देवी, बड़की देवी, हसीना खातुन, सबिरन खातुन, रेजुन खातुन, कोरसिदा खातुन, सुनिता देवी, बड़की मुर्मु, मकु हॉस्दा आदि मौजूद रहे।

गिद्धौर के बीआरसी भवन में गणित कौशल एवं बुनियादी भाषा के प्रति जागरूकता को ले गुरु गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

गिद्धौर। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सीमा कुमारी के निर्देश के आलोक में प्रखंड संसाधन केंद्र बीआरसी गिद्धौर में बीईओ शमशुल होदा की अध्यक्षता में मासिक गुरुगोष्ठी आयोजित किया गया, आयोजित गोष्ठी में संबंधित विद्यालय के प्रभारी एवं प्रधानाध्यपक ने बैठक में मुख्य रूप से भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं को गुरुगोष्ठी के दौरान बीईओ मोहम्मद शमशुल होदा ने संबोधित करते हुए विद्यालय प्रधान अपने अपने विद्यालय में 100 दिवसीय गणितीय कौशल एवं बुनियादी भाषा के प्रति बच्चों में जागृति लाने एवं अभियान को सफल बनाने में अपनी महती भूमिका निभाएं। वहीं अभियान को सफल बनाने के लिए गोष्ठी में भाग ले रहे संबंधित विद्यालय प्रधान को प्रशिक्षण भी दिया गया, साथ ही मौके पर विद्यालय प्रधान को निर्देश देते हुए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शमशुल होदा ने कहा कि बीते 02 जनवरी से नौ जनवरी तक सभी विद्यालय में खेल सप्ताह आयोजित करना सुनिश्चित करें। ताकि अध्यनरत बच्चों की विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ उन्हें खेल से जुड़ी गतिविधि में भी दक्ष बनाया जा सके इसे लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश गुरुगोष्ठी में विद्यालय प्रधान को बीईओ ने दिया। वहीं बैठक में यू-डायस में आपार आईडी का निर्माण अति शीघ्र करने, एफएलएन किट का वितरण कर ई. शिक्षाकोष पर इसे संबंधित डेटा प्रविष्ट करें, उन्होंने सभी विद्यालय प्रधान को सभी विभागीय कार्यों को ससमय निष्पादित करने के साथ साथ विद्यालय के पोषक क्षेत्र में अनामांकित बच्चों का सर्वे कर उनके नामांकन का प्रयास करेंगे करने की दिशा में गंभीरता से इस दिशा में कार्य करने की बात कही। वहीं गोष्ठी में सभी विद्यालय प्रधान को विद्यालय गतिविधि से जुड़े कार्यों को नियत समय में निष्पादित करने का निर्देश दिया। ताकि बच्चों की शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाया जा सके। वहीं गुरु गोष्ठी में मौजूद एमडीएम प्रभारी अमीर दास ने मध्याहन भोजन संचालन से संबंधित कई जरूरी दिशा निर्देश विद्यालय प्रधान को दिया। विद्यालय में स्वच्छ वातावरण में पोषण युक्त मेन्यू के अनुसार मध्याहन भोजन संचालन का निर्देश शिक्षकों को दिया गया। आयोजित गुरुगोष्ठी में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शमशुल होदा के अलावे एमडीएम प्रभारी अमीर दास, बीआरपी राजकिशोर सिंह, केदार प्रसाद, मनोज सिंह, राहुल आनंद, रीना कुमारी, सुधांशु शेखर, शिक्षक दिलीप मंडल, राजीव वर्णवाल, बच्चन कुमार ज्योति, संजय मिश्रा, अमरेंद्र गुप्ता, प्रदीप चौधरी, दिनेश रजक, आशीष कुमार, कैलाशपति यादव, वंदना कुमारी, कुंदन कुमारी, नीलम कुमारी, सबूजा कुमारी, ज्योत्सना, अवध बिहारी शर्मा, प्रकाश राम, विकास के शरी, उमाशंकर प्रसाद, रंजीत राम सहित सभी प्राथमिक विद्यालय एवं मध्य विद्यालय के प्रधान उपस्थित थे।

रतनपुर चौक एक घंटे तक रहा जाम

आम अवाम हर रोज जाम से हो रहा परेशान

प्रात : किरण, संवाददाता

गिद्धौर। रतनपुर चौक से गुगुलडीह होते हुए लक्ष्मीपुर तक जानेवाली बाईपास मार्ग शुक्रवार को सुबह सात बजे से आठ बजे बजे तक पूरी तरह जाम रहा।अचानक बाईपास मार्ग पर बालू बंदोबस्त घाट से बालू लाद कर जा रहे भारी मालवाहक वाहनों के सड़क पर अत्यधिक आवगमन से रतनपुर से लेकर गुगुलडीह चौक तक मालवाहक ट्रकों की यहां लंबी कतार लग गयी। ग्रामीणों द्वारा बताया जाता है कि शुक्रवार के सुबह कटौना,दाबिल,जीत झिगोई नदी घाट से बालू लादकर जा रहा मालवाहक ट्रकों के रतनपुर चौक बायपास सड़क के रतनपुर चौक व गुगुलडीह गांव तक अधिक संख्या में आवगमन से सड़क पर भीषण जाम लग गया। जिसकी वजह से पठन पाठन को ले निजी विद्यालय से आने वाले दर्जनों बच्चे जाम की वजह से स्कूल बस मे ही फंसा रहा। वहीं वाहनों के अत्यधिक दवाब के कारण बायपास सड़क की स्थिति भी बद से बदतर होती जा रही है,वहीं इस सड़क पर आवगमन ठप पड़ जा रहा है जिससे क्षेत्र वासियों को हर रोज लग रहे यहां जाम की वजह से काफी कठिनाई झेलनी पड़ रही है,वहीं कई यात्री वाहन घंटों जाम में फंसे रहे,सड़क जाम नही टूटने पर सभी यात्री अपना अपना सामान उठा पैदल ही गंतब्य स्थान को बमुश्किल से किसी अन्य मार्ग से जाते देखे गये। लेकिन जाम की स्थिति जस की तस बनी रही। स्थिति यह है कि सड़क के जाम हो जाने की वजह से यहां इस सड़क पर दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है,क्षेत्र वासियों ने इस बाईपास सड़क पर हर रोज लग रहे जाम की समस्या से स्थानीय प्रसासन को निजात दिलाने की मांग की है।

6 जनवरी से ऑल इंडिया गुलाब रावत फुटबॉल टूनार्मेंट का होगा महामुकाबला

ऑल इंडिया गुलाब रावत मेमोरियल फुटबॉल टूनार्मेंट का होगा आगाज

प्रात : किरण, संवाददाता

गिद्धौर।आगामी 6 जनवरी से जमुई के ऐतिहासिक गिद्धौर के कुमार सुरेन्द्र सिंह स्टेडियम में फुटबॉल का महा मुकाबला शुरू होने वाला है। युवक क्लब गिद्धौर द्वारा फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया जा रहा है। ऑल इंडिया गुलाब रावत मेमोरियल टूनार्मेंट में नेपाल के अलावा देश के पांच राज्यों की नामी टीम हिस्सा लेगी।ऑल इंडिया गुलाब रावत मेमोरियल फुटबॉल टूनार्मेंट के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार रावत ने बताया कि टूनार्मेंट में युथ एकेडमी वीरगंज नेपाल,बी बाई एम ए एफ सी वाराणसी,जग्गा यूनाईटेड भुवनेश्वर उड़ीसा,एफसी गिद्धौर बिहार,एफसी युनाईटेड राजस्थान,नॉर्थरण रेलवे नई दिल्ली,एस एस बी सिलीगुड़ी,दुमहानी एलेवन आसनसोल बंगाल की फुटबॉल टीम हिस्सा लेगी।6 जनवरी को पुल ए का क्वार्टर मुकाबला युथ एकेडमी वीरगंज नेपाल और बी बाई एम ए एफ सी वाराणसी फुटबॉल क्लब उत्तरप्रदेश के बीच होगा। दूसरा क्वार्टर मुकाबला जग्गा यूनाईटेड भुवनेश्वर उड़ीसा और एफसी गिद्धौर बिहार के बीच होगा। इन दोनों के विनर टीम के बीच सेमीफाइनल मुकाबले 8 जनवरी को होगा। 9 जनवरी को पुल बी के लिए क्वार्टर मुकाबला एफसी युनाईटेड राजस्थान और नॉर्थरण रेलवे नई दिल्ली के बीच होगा। दूसरा क्वार्टर फाइनल का मुकाबला एस एस बी सिलीगुड़ी और दुमहानी एलेवन आसनसोल बंगाल के बीच होगा। इन दोनों के विनर टीम के बीच दूसरा सेमीफाइनल मैच 11 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। 12 जनवरी को महिला फुटबॉल मैच का आयोजन होगा। सेमीफाइनल में पहुंचे दोनों टीम के बीच फाइनल मुकाबला 13 जनवरी को होगा। टूनार्मेंट का आयोजन की गिद्धौर स्थित कुमार सुरेंद्र सिंह स्टेडियम के मैदान में आयोजित किया जाएगा।ऑल इंडिया गुलाब रावत मेमोरियल फुटबॉल टूनार्मेंट के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार रावत ने बताया कि उद्घाटन मैच में बिहार सरकार के मंत्री व विधायक और फाइनल मैच के मौके पर बिहार सरकार के खेल मंत्री और कई विधायक हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि हर वर्ष गिद्धौर में राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल का टूनार्मेंट आयोजित किया जाता है। टूनार्मेंट में विदेशी टीम भी हिस्सा लेती है। वैसे प्रदेश के टीमों में भी कई विदेशी खिलाड़ी भाग लेते हैं। फुटबॉल टूनार्मेंट को लेकर युवक क्लब द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है। स्टेडियम के मैदान को सजाया जा रहा है इस मौके पर युवक क्लब के सचिव सुजीत सक्सेना,देवेन्द्र रावत,गुरूदत्त प्रसाद, अशोक के शरी, संतोष रावत, जासीम खाँन, कैप्टन कुमार,ब्रह्मदेव राम,नीतीश कुमार,सोनू कुमार,राजेश कुमार,संजय सिंह,उदय कुमार,श्यामसुंदर रावत,नियाज खाँन सहित दर्जनों क्लब के सदस्य मौजूद थें।

चार युवाओं की मौत के बाद सतीघाट गांव में हुआ सन्नाटा, हर तरफ गांव से रोने की सुनाई दे रही थी आवाज

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] झाझा के सतीघाट गांव में शुक्रवार को एक साथ चार लोगों की एक्सीडेंट में मौत होने के बाद गांव में जगह जगह सिर्फ रोने की आवाज ही गूंज रहा । लोगों के बीच मातम पसरा हुआ था गाँव की सड़को पर सन्नाटा पसरा हुआ था । जिसको लेकर गांव में लोगों के यहां चूल्हा नही जला तो वही गांव में स्थिग दर्जनों दुकान पर ताला लटका हुआ था और लोग मृतक के घर पर पहुंचकर शोक व्यक्त कर रहे थे। गांव के पुरुष, महिला, बुजुर्ग, बच्चे लोगो में मातम पसर गया। शुक्रवार को सभी मृत युवाओं का शव पोस्टमार्टम होकर गांव पहुंचा तो हर तरफ सिर्फ रोने की आवाज सुनाई दे रहा था। दरअसल गुरुवार को गांव के 20 से भी अधिक युवाओं की टोली डीजे लेकर पिकअप वाहन से नारगंजो की जंगल मे पिकनिक मनाने के लिए गया था जहां से शाम को लौटने के समय मे नारगंजो और झाझा के बीच पड़ने वाले चिरैया पुल के पास डीजे वाहन अचानक एक गड्ढे में पहुंचने के बाद वाहन अनियंत्रित हो गया और उसपर वाहन पलटने से घटना स्थल पर ही मोहम्मद चांद, मोहम्मद किताबुल, मोहम्मद तबरेज की मौके पर ही मौत हो गई थी जिसे अस्पताल में डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया तो वही गम्भीर रूप से घायल मोहम्मद अरमान को जमुई रेफर करने के बाद रास्ते मे ही मौत हो गई थी जबकि घायल मोहम्मद हसनैन और शाहिद का अस्पताल में इलाज किया गया। गुरुवार की शाम में हुई एक्सीडेंट की घटना में एक ही गांव के मृत चारो युवाओं की खबर सुनकर गांव में लोग सुन हो गए थे जैसे मानो गांव में कहर टूट पड़ा हो। वही जुम्मे की नमाज अदा होने के बाद चारो मृतक का जनाजा निकाला गया जिसमें बड़ी संख्या में सतीघाट के अलावे अलग अलग गांव के मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे। गुरुवार को जिस गांव में देर दोपहर तक खुशी का माहौल बना हुआ था तो वही शुक्रवार को गांव में चारो तरफ मातम पसरा हुआ था।

बैजला गांव के ही समीप बने नकटी डैम में तैरता मिला पांच दिनों से लापता एक व्यक्ति का शव

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] शुक्रवार की सुबह 5 दिनों से लापता हुए एक व्यक्ति का शव बैजला गांव के ही समीप बने नकटी डैम में तैरता मिला जिसके बाद क्षेत्रवासियों में शव मिलने की खबर आग की तरह फैल गई और लोगों की भीड़ डैम के पास लग गया। उसके बाद लोगों ने शव पानी मे देखे जाने के बाद तुरन्त इसकी सूचना झाझा पुलिस को दिया। शव मिलने की सूचना पर एसडीपीओ राजेश कुमार, एसएचओ संजय कुमार, पुअनि नंदन राय सहित पुलिस बल एवम एफएसएल टीम घटना स्थल पर पहुंचा और ग्रामीणों की मदद से डैम के बीच उपलाता शव को बाहर निकाला। घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों एवं ग्रामीणों को एसडीपीओ ने आश्वासन देते हुए बताया कि आवेदन में जो भी लोग नामजद है उसे 24 घण्टे में हिरासत में लिया जाएगा जिसके बाद लोगों का गुस्सा शांत हुआ और उसके बाद पुलिस न कागजी कार्रवाई पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल जमुई भेजा। एसडीपीओ राजेश कुमार ने बताया की पुलिस हर बिंदुओ पर जांच कर रही है और आवेदन में जिनलोगों को मृतक की पत्नी ने नामजद बनाकर आवेदन दिया है उक्त सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने में पुलिस टीम जुट चुकी है। मृतक की पहचान बैजला गांव निवासी बेंगू यादव के रूप में की गई। घटना स्थल पर एफएसएल की टीम ने कई साक्ष्य को भी एकत्रित किया। शव मिलने के बाद घटना स्थल पर मृतक की पत्नी उर्मिला देवी, चंदन कुमार, अशोक कुमार एवं अन्य रिश्तेदार, बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ पुलिस से बेंगू की हत्या होने की बात करते हुए आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की गुहार लगाते हुए घेराव भी किया। मृतक की पत्नी और दोनो बेटे पुलिस पर यह भी आरोप लगा रहे थे कि जब लापता होने को लेकर आवेदन देकर कुछ लोगों को नामजद बताते हुए बेंगू के गायब होने में उनलोगों का हाथ होने की बात बताया गया तो पुलिस फिर क्यों नही इसे गम्भीरता से लिया। नामजद लोगों को पकड़कर पुलिस पूछताछ करती तो शायद बेंगू जिंदा होता। मृतक के छोटे पुत्र चंदन ने बताया कि हमलोग अपने गांव बैजला से एक किलोमीटर दूर जंगल मे घर बनाकर रह रहे है। 29 दिसम्बर को गांव के ही इंद्रदेव और उदेश बाइक से घर पर आकर मेरे पिता को बिठाकर लेकर चला गया जिसके बाद मेरे पिता घर लौटकर नही आया जिसकी खोजबीन किया लेकिन कुछ पता नही चल सका। जिसके बाद 31 दिसम्बर को उक्त दोनों के अलावे प्रकाश, सुधीर, मटर यादव, मंटु, अशोक, ब्रह्मदेव, नरेश, किशोरी एवं अन्य के खिलाफ आवेदन दिया था और पिता के गायब होने का शक भी जाहिर किया था। चंदन ने आगे बताया कि बीते 20 साल से 5-6 कट्ठा जमीन पर खेती को लेकर नरेश से विवाद चल रहा था जिसके कारण गांव छोड़कर जंगल मे घर बनाकर हमलोग रह रहे थे। उक्त सभी लोग 8 दिन पहले ही मेरे पिता को जान मारने को लेकर साजिश रचा था जिसको लेकर मैं और मेरे घर वाले पिता को घर से निकलने नही देते थे। उक्त लोग मेरे घर पर आकर जंगल मे बने घर छोड़कर चले जाने की बात भी करते थे। इसलिए मेरे पिता की हत्या उक्त सभी नामजद लोगों ने करके डैम में शव फेंक दिया।

प्रतिरक्षण कॉर्नर का सीएस ने किया शुभारंभ

- स्वास्थ्य मंत्री ने किया वीडियो कांफ्रेंस के जरिए संबोधित - संबोधन में कहा की आप लोग अपने बच्चों को स्वस्थ रखने हेतु टिका अवश्य लगाएं

प्रात : किरण, संवाददाता

मुंगेर। शुक्रवार को सदर प्रखंड अंतर्गत नौवागढी दक्षिणी पंचायत के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सोहेलचक प्रतिरक्षण कॉर्नर का सिविल सर्जन मुंगेर विनोद कुमार सिन्हा ने शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने अपने संबोधन में काहा की क्षेत्र में एक भी बच्चे बिना टीका का ना रहे तथा बीमारी से दूर रहे और स्वस्थ रहे इसी को देखते हुए आज सदर प्रखंड के सोहेल चक शंकरपुर तथा आदर्श ग्राम में प्रतिरक्षण कॉर्नर का शुभारंभ किया गया हैं। यहां सप्ताह में तीन दिन सोमवार, मंगलवार, तथा गुरुवार को टीकाकरण किया जाएगा। वही मौके पर उपस्थित जिला कार्यक्रम प्रबंधक फैजान अशरफी, प्रभारी जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ फैजुद्दीन, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सदर मुंगेर डॉ सुशील कुमार झा डब्लू एच ओ के डॉ एथिना, यूनिसेफ के अमित कुमार यूएनजेपी से सुधाकर कुमार, हेल्थ मैनेजर रवि कुमार अकाउंटेंट, कमलेश कुमार, डॉ मदन कुमार सिंह, जी एएनएम उषा सिन्हा, एएनएम रंजन कुमारी, सोनम कुमारी, तथा क्षेत्र की आशा फैसिलिटी आशा दीदी एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

प्रखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह का किया गया आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] शुक्रवार को नेहरू युवा केंद्र जमुई के निदेर्शानुसार स्वामी विवेकानंद युथ क्लब झाझा में प्रखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रमुख रूप से चार खेल कराए गए थे जिसमें फुटबॉल में विजेता राजेश कुमार व उपविजेता सतीश कुमार , महिला कबड्डी में विजेता अंशिका कुमारी व उपविजेता रवीना कुमारी, पुरुष बैडमिंटन में विजेता नीतीश कुमार व उपविजेता प्रिंस कुमार तथा महिला बैडमिंटन टीम में विजेता तनु यादव व उपविजेता खुशबू चौधरी तथा रिले रेस में कुल आठ टीम को मोमेंट और मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। मौके पर डॉ सुरेंद्र निराला ने कहा कि जीवन में धैर्य और अनुशासन से ही व्यक्ति सफल हो पाता है और खेलों में भी धैर्य और अनुशासन ही जीत की पूंजी है। एक अच्छा खिलाड़ी खेल में आई हुई कठिनाईयों से उभरकर जीत का वरण करता है और ऐसे ही जीवन में खेलों जैसी जीवटता रखने वाला व्यक्ति कभी हारता नहीं। खेल के अभ्यास से मनुष्य का चारित्रिक और आध्यात्मिक विकास भी होता है। छात्रनेता सूरज बरनवाल ने कहा कि खेल ना केवल हमारा भरपूर मनोरंजन करते है बल्कि अच्छे स्वास्थ्य और उचित मानसिक चेतना के लिए भी आवश्यक है। खेल भावना से युक्त जीवन आनन्दायी हो जाता है क्योंकि वह जीवन को जय-पराजय से मुक्त रखने के लिए प्रेरणा का कार्य करती है। खेल मनुष्य को आलस्यविहीन होने के लिए अग्रसर करता है तथा जीवन के संघर्षो के प्रति मनोबल का दृढ़ता प्रदान करता है। खेल शरीर को बल, मॉस-पेशियों को दृढ़ता को तीव्रता तथा मन प्रसन्नता देता है। खेल ऐसा प्रयोजन है जो खिलाड़ी एंव खेल प्रेमी दोनों को ही आनंद प्रदान करता है । मौके पर स्वामी विवेकानंद यूथ क्लब अध्यक्ष हरिनंदन प्रजापति ने कहा कि जीवन को तनाव से दूर रखने में खेल का बड़ा योगदान है, इस प्रकार के आयोजन से क्षेत्र के युवा और युवतियों में खेल की भावना बढ़ेंगे। आने वाले समय में झाझा प्रखंड के बच्चे भी खेल के माध्यम से अपना तथा क्षेत्र का नाम देश-विदेश में रोशन करेंगे। मौके पर राजेश कुमार, रंजन कुमार, सचिन कुमार, रिन्टू कुमार, पिंटू कुमार, अंशिका राय, सोनाली कुमारी ,रूपा कुमारी ,ज्योति कुमारी ,खुशबू कुमारी ,सुखदा कुमारी ,सुरुचि कुमारी आदि दर्जनों उपस्थित रहें।

हाड़ कंपाती ठंड से 10 वर्षिय बच्ची की मौत, परिजनों में पसरा मातम

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई / सोनो : सोनो चकाई बॉर्डर से सटे ठाढ़ी पंचायत अंतर्गत हरिहरपुर गाँव में ठंड की चपेट में आने से एक 10 वर्षिय बच्ची की मौत हो गई है । मृतक हरिहरपुर गाँव निवासी प्रमेश्वर राना की 10 वर्षिय पुत्री कंचन कुमारी के रूप में की गई है । ठंड से हुई कंचन कुमारी की मौत के बाद पुरे गाँव में मातम छा गया है एवं परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है । उत्क्रमित मध्य विधालय हरिहरपुर मे छठवीं क्लास में शिक्षा ग्रहण करने वाली कंचन कुमारी की ठंड से हुई मौत के बाद गाँव से एक भी बच्चे शिक्षा ग्रहण करने विधालय नहीं पहुंची , जिस कारण विधालय परिषर मे भी मातमी माहौल बनी रही । हांलाकि स्कूल में प्रभारी प्रधानाध्यापक को छोड़कर सभी शिक्षक उपस्थित रहे । मृतक के परिजनों ने बताया कि पिछले दो दिनों पुर्व से ठंड के कारण कंचन कुमारी की तबियत ठीक नहीं था , जिसकी इलाज के लिए एक अच्छे अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन पिछले दो दिनों पुर्व से चल रही पछुआ हवा के साथ हाड़ कंपाती ठंड को बर्खास्त नहीं कर सकी ओर उसकी मौत हो गई ।

इटवा का एक युवक दो दिन से लापता अबतक नहीं चल सका है पता

मुंगेर । धरहरा थाना क्षेत्र में पिछले दो दिनों से एक व्यक्ति की हत्या हो जाने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। किन्तु हत्या हकीकत में हुई है या नहीं। हत्या हुई है तो उक्त व्यक्ति का शव कहा है। इसकी जानकारी किसी को नहीं है। किन्तु 1 जनवरी को अपने कुछ दोस्तो के साथ पिकनिक मनाने गए धरहरा थाना क्षेत्र के ईटवा निवासी एक युवक पिछले दो दिनों से पिकनिक मनाकर घर वापस नहीं आया है। जिसके बाद ग्रामीणों के द्वारा अटकलें लगाई जा रही है कि उक्त व्यक्ति की हत्या कर शव को ठिकाने लगा दिया गया है। जिसके बाद गुरुवार की रात धरहरा थाना की पुलिस भी सूचना प्राप्त होने पर मामले की तहकीकात करने के साथ ही शव की बरामदगी के लिए दो बार ईटवा के बहियारो से खोजबीन किया गया।

सोनो पुलिस ने वाहन चालकों से 15 हजार रुपये चालान काटकर वसुला

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई / सोनोः गुरुवार को सोनो पुलिस ने चार पहिया ओर दो पहिया वाहन जांच के दौरान बिना हैलमेट लगाये ओर बिना सीट बेल्ट पहने वाहन चालकों से चालान काटकर कुल 15 हजार रुपये का जुमार्ना वसुला । सोनो थाना एस आई विशाल कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि वरिय पदाधिकारी के निर्देश पर बिना सिट बेल्ट ओर बिना हेलमेट पहने वाहन चालकों का जांच कर जुमार्ना वसुला गया है । श्री सिंह ने आगे बताया कि यह कार्यवाई वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर किया गया है । क्योंकि आये दिन ऐसा देखा जा रहा है कि बिना सिट बेल्ट लगाये ओर बिना हेलमेट के वाहन चला रहे वाहन चालक अक्सर दुर्घटना के बाद गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं या अपनी जिंदगी को खो देते हैं । इसलिए उन सब वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए यह कार्यवाई की गई है । वाहन जांच मे एस आई विकास कुमार सिंह के साथ सोनो थाना के अन्य पुलिस बल शामिल थे । ज्ञात हो कि सोनो पुलिस द्वारा चलाए गए वाहन जांच से वाहन चालकों मे हड़कंप मची हुई है ।

अंबेडकर और कांग्रेस

कांग्रेस और अंबेडकर का वैचारिक स्तर पर आपस में क्या संबंध है, इसको लेकर पिछले कुछ दिनों से चर्चा तेज होती जा रही है। दरअसल कुछ दिन पहले गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि कुछ लोग दिन-रात अंबेडकर की माला जपते रहते हैं, यदि वे उतनी माला अपने इष्ट देव की जपते तो शायद तर जाते। तर जाते यानी उनकी वह इच्छा पूरी हो जाती जिसके लिए वह माला जप रहे हैं। भारतीय राजनीति को गहराई से देखने वाले यह समझ ही सकते हैं कि आजकल अंबेडकर की माला जपने में सबसे आगे कांग्रेस पार्टी और आम आदमी पार्टी ही है। लेकिन दोनों का ही अंबेडकर के चिंतन से कुछ लेना-देना नहीं है। सबसे पहले कांग्रेस की ही बात की जाए। जिन दिनों अंग्रेजों की सरकार थी और कांग्रेस आजादी के लिए लड़ रही थी तो अंबेडकर ने कांग्रेस का व्यावहारिक व सैद्धांतिक रूप से अध्ययन करने के बाद कहा था कि मुझे लग रहा है कि कांग्रेस केवल सत्ता प्राप्ति के लिए लड़ रही है। आज एक शताब्दी से भी ज्यादा समय निकल जाने के बाद कांग्रेस किसी वैचारिक अनुष्ठान के लिए नहीं, बल्कि महज सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष करती प्रतीत हो रही है। लेकिन क्या इसे संयोग कहा जाए कि इसके लिए वह उसी अंबेडकर की माला जप रही है, जिसे उसने कभी अंग्रेजों का एजेंट तक कहा था। कांग्रेस के सबसे बड़े नेता पंडित जवाहर लाल नेहरु, जिनके साथ आज का सोनिया गांधी परिवार प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अपना संबंध जोड़ रहा है, ने 26 जनवरी 1946 को राजकुमारी अमृत कौर को एक पत्र में लिखा था कि अंबेडकर तो ब्रिटिश सरकार का आदमी था। नेहरु का बस चलता तो शायद अंबेडकर संविधान सभा के सदस्य भी न हो पाते। यह तो पश्चिमी बंगाल के कुछ लोगों का प्रयास था कि अंबेडकर संविधान सभा में पहुंच पाए। सभी जानते हैं कि नेहरु किसी यूरोप के गोरे को भारतीय संविधान लिखने का ह्यमहान दायित्वह्ल देने वाले थे। महात्मा गांधी जी की दखलअंदाजी से अंबेडकर को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। लोकसभा के पहले चुनाव से पूर्व जो मंत्रिमंडल नेहरु के नेतृत्व में बना था, उसका कारण कांग्रेस की सदाशयता नहीं थी, बल्कि लोकसभा के गठन से पूर्व किसी एक पार्टी का मंत्रिमंडल नहीं होना चाहिए, बल्कि राष्ट्रीय मंत्रिमंडल होना चाहिए, यह सैद्धांतिक निर्णय था। इस मंत्रिमंडल में हिंदु महासभा के अध्यक्ष डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अकाली दल के बलदेव सिंह भी थे। कांग्रेस का सारा जोर इनको किस तरह से मंत्रिमंडल से निकाला जाए, इन षड्यंत्रों में लगा रहता था। कांग्रेस ने अंबेडकर को अपमानित करने में हर तरीका इस्तेमाल किया। अंबेडकर ने नेहरु के व्यवहार एवं समाज विरोधी नीतियों के चलते उनके मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया था, यह भारतीय इतिहास का सामान्य छात्र भी जानता है। लेकिन पंडित नेहरु इसकी सूचना हजारों मील दूर लंदन में लार्ड माऊंटबेटन की पत्नी को एक लंबी चिट्ठी में लिखते हुए बताते हैं कि मैंने उसे अपने मंत्रिमंडल से निकाल दिया है। कांग्रेस इतना तो जानती है कि ह्यत्यागपत्र देनेह्ल और ह्यनिकालनेह्ल में बहुत फर्क होता है। लेकिन इससे एक प्रश्न और पैदा होता है कि नेहरु देश की भीतरी राजनीति की खबरें माऊंटबेटन की पत्नी को क्यों दे रहे थे? अंग्रेजों के आदमी आखिर कौन थे? अंबेडकर ने संस्कृत गंथों का गहन अध्ययन कर हिंदु कोड बिल तैयार किया था। उसको लेकर बहुत विवाद हुआ था। अंबेडकर का कहना था कि इन चार बिलों के सभी प्रावधान भारत के प्राचीन ग्रंथों में से ही लिए गए हैं। वे उन ग्रंथों के उद्धरण भी बता रहे थे। वैचारिक स्तर पर कांग्रेस भी हिंदु कोड बिल से सहमत थी। लेकिन कांग्रेस ने उसे संविधान सभा में पारित नहीं होने दिया। तकनीकी आधारों पर उसे लटकाए रखा। इसी विवाद के चलते अंबेडकर ने विधि मंत्री के पद से त्यागपत्र दे दिया था। लेकिन अंबेडकर के हटने के बाद कांग्रेस ने इसे पहली लोकसभा में ही पारित करवा दिया। उसका मूल कारण एक ही था कि हिंदु कोड बिल का श्रेय कहीं अंबेडकर को न मिल जाए। इसका श्रेय नेहरु स्वयं लेना चाहते थे। अंबेडकर के प्रति कांग्रेस का इतना विद्वेष था कि कांग्रेस ने पक्का इंतजाम कर रखा था कि किसी तरीके से अंबेडकर लोकसभा में जीत कर आ न सकें। और कांग्रेस ने सचमुच अंबेडकर को पहले लोकसभा चुनाव में हरा कर ही दम लिया। अंबेडकर अपने अंतिम दिनों में ह्यबुद्ध और उनका धर्मह्ल किताब लिख रहे थे। उन्होंने पंडित नेहरु को पत्र लिखा कि यदि सरकार पुस्तक प्रकाशित होने के बाद इसकी कुछ प्रतियां खरीद लेगी तो पुस्तक के प्रसार में सहायता होगी और आर्थिक सहायता भी हो जाएगी। जब सरकार अपने विज्ञापनों के लिए लाखों रुपया बर्बाद कर रही थी, तब नेहरु कुछ हजार रुपए की अंबेडकर की पुस्तक को खरीदने के लिए तैयार नहीं थे।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में देरी, राजनीतिक रणनीतियाँ और जनता की उम्मीदें

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव इस समय राज्य की सबसे चर्चित राजनीतिक घटना बन गई है। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस जैसी प्रमुख पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल चुकी हैं। यह चुनाव केवल स्थानीय निकायों के लिए प्रतिनिधियों के चयन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीति में सत्ता संतुलन और नेतृत्व के भविष्य का निर्धारण करने वाला बड़ा कारक भी है। नगरीय निकाय चुनावों में देरी, राजनीतिक दलों की रणनीतियां, जनता की अपेक्षाएं और चुनाव प्रणाली जैसे पहलू चर्चा के केंद्र में हैं। इन मुद्दों का विश्लेषण करना यह समझने के लिए आवश्यक है कि चुनावी प्रक्रिया कैसे विकसित हो रही है और इससे राज्य की जनता और राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ेगा। चुनाव का महत्व केवल स्थानीय विकास योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया और नागरिकों के अधिकारों का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए, यह आलेख चुनाव के विभिन्न पहलुओं पर गहराई से विचार करेगा। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकायों का कार्यकाल दिसंबर 2024 तक लगभग समाप्त हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद अब तक चुनाव की तिथियों की घोषणा नहीं की गई है। इस देरी ने राज्य में एक नई बहस को जन्म दिया है। प्रशासकों की नियुक्ति के कारण कई नगरीय निकायों में निर्वाचित प्रतिनिधित्व समाप्त हो गया है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वीकार किया है कि चुनाव में देरी हो रही है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव को टाला नहीं जाएगा। हालांकि, इस बयान से विपक्ष संतुष्ट नहीं है। कांग्रेस ने इसे भाजपा सरकार की नीतिगत विफलता और लोकतंत्र के प्रति लापरवाही करार दिया है। चुनाव में देरी का पहला प्रभाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर पड़ता है। स्थानीय निकाय सरकारों की अनुपस्थिति में प्रशासकों को जिम्मेदारी दी गई है, जिससे जनता के लिए अपनी समस्याओं का समाधान ढूंढ़ना कठिन हो गया है। इस देरी ने नागरिकों के बीच असंतोष और अविश्वास की भावना को बढ़ावा दिया है। दूसरा प्रभाव राजनीतिक बहस पर है। चुनाव में देरी ने सत्ताधारी दल भाजपा को आलोचना के घेरे में ला दिया है। विपक्ष इसे सरकार की नाकामी के रूप में प्रचारित कर रहा है। जनता में भी यह धारणा बन रही है कि सरकार अपनी नीतियों को लागू करने में सक्षम नहीं है। तीसरा प्रभाव स्थानीय विकास योजनाओं पर है। बिना निर्वाचित प्रतिनिधियों के, स्थानीय निकायों में विकास कार्य धीमा हो गया है। यह जनता की उम्मीदों के विपरीत है और यह स्थिति राजनीतिक दलों के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गई है। चुनाव में देरी को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर तीखा हमला किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा चुनाव में हार के डर से इसे टाल रही है। कांग्रेस ने इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाने की रणनीति अपनाई है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में रैलियों और जनसभाओं के माध्यम से कांग्रेस ने भाजपा सरकार की आलोचना की है। पार्टी ने यह दावा किया है कि चुनाव में देरी जनता के अधिकारों का हनन है और यह लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भी बैलेट पेपर से चुनाव कराने के राज्य चुनाव आयोग के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने इसे एक पारदर्शी और निष्पक्ष प्रक्रिया बताया, जिससे जनता का विश्वास बहाल होगा। कांग्रेस की रणनीति जनता से सीधा संवाद स्थापित करने और भाजपा पर दबाव बनाने की है। पार्टी ने चुनाव आयोग से भी यह सुनिश्चित करने की मांग की है कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी हो और इसे समय पर आयोजित किया जाए।

आखिर क्यों नहीं थम रहा रुपये में गिरावट का सिलसिला

निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। भारतीय रुपये में गिरावट बाहरी क्षेत्र की कमजोरियों के बीच मुद्रा स्थिरता बनाए रखने की चुनौतियों को रेखांकित करती है। मुद्रा मूल्य में उतार-चढ़ाव वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और पूंजी बहिर्वाह के साथ-साथ राजकोषीय घाटे जैसे घरेलू कारकों से उत्पन्न होते हैं। भारत के बाहरी लचीलेपन को बढ़ाने और इसकी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए प्रभावी नीतिगत उपाय महत्त्वपूर्ण हैं...

डॉ सत्यवान सौरभ
लेखक

सितंबर 2024 के शेयर शिखर के बाद निरंतर बहिर्वाह ने रुपये को कमजोर कर दिया क्योंकि निवेशक अमेरिकी ब्याज दरों में वृद्धि की अटकलों के बीच सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर चले गए। उच्च व्यापार घाटे जैसे व्यापार घाटे आयात पर बाहरी निर्भरता को उजागर करते हैं, विशेष रूप से ऊर्जा के लिए, रुपये की कमजोरी के दौरान चालू खाता घाटा बढ़ाते हैं। रुपये के अवमूल्यन के साथ भारत का कच्चे तेल का आयात बिल बढ़ गया, जिससे 2024 का व्यापार घाटा बढ़कर 75 बिलियन के करीब पहुँच गया। टैरिफ की धमकियाँ और ब्रिक्स मुद्रा विवाद जैसी वैश्विक घटनाएँ भारत के बाहरी व्यापार और निवेश के लिए अनिश्चितताएँ पैदा करके अस्थिरता को बढ़ाती हैं। ब्रिक्स देशों की मुद्रा योजनाओं के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति की 2024 टैरिफ चेतावनी ने बाजार में बिकवाली को बढ़ावा दिया, जिससे भारत की बाहरी स्थिरता कमजोर हुई। रुपये को स्थिर करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी निर्भरता निरंतर वैश्विक बाजार अशांति के दौरान दीर्घकालिक मौद्रिक लचीलेपन को प्रतिबंधित करती है। रुपये को वापस 85.53 पर लाने के लिए दिसम्बर 2024 में एक ही तिमाही में $20 बिलियन से अधिक के भंडार को समाप्त कर दिया। कमजोर रुपया घरेलू मौद्रिक नीतियों को प्रतिबंधित करता है, महंगे आयातों के माध्यम से मुद्रास्फीति को बढ़ाता है जबकि विकास सम्बंधी चिंताओं को दूर करने के लिए राजकोषीय स्थान को कम करता है। दिसम्बर 2024 में कच्चे तेल के आयात की लागत 15% बढ़ गई, जिससे नीति निमार्ताओं पर मुद्रा प्रबंधन और राजकोषीय विस्तार रणनीतियों को प्रभावी ढंग से संतुलित करने का दबाव पड़ा। टैरिफ या प्रतिबंध जैसे संरक्षणवादी व्यापार उपाय, व्यापार संतुलन को बाधित करके मुद्रा स्थिरता को कमजोर कर सकते हैं। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच राजनीतिक अस्थिरता या संघर्ष अस्थिरता पैदा करते हैं, जिससे सुरक्षित-पनाहगाह डॉलर की मांग बढ़ती है और उभरते बाजारों की मुद्राएँ कमजोर होती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे भारत के आयात बिल पर दबाव पड़ा और रुपये का मूल्य कम हुआ। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में सख्त मौद्रिक नीतियों के कारण भारत से पूंजी का बहिर्वाह होता है, जिससे रुपये पर दबाव पड़ता है। 2022-23 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दरों में बढ़ोतरी के कारण विदेशी पोर्टफोलियो का बहिर्वाह हुआ, जिससे रुपया कमजोर हुआ। निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। उच्च घरेलू मुद्रास्फीति मुद्रा मूल्य को कम करती है, जिससे निर्यात कम प्रतिस्पर्धी हो जाता है और आयात महंगा हो जाता है। कच्चे तेल जैसे अलोचदार आयातों की बढ़ती कीमतों ने भारत के आयात बिलों को बढ़ा दिया, जिससे 2023 में रुपया कमजोर हो गया। घरेलू और विदेशी निवेश में गिरावट कमजोर आर्थिक विकास का संकेत देती है, जिससे मुद्रा प्रवाह हतोत्साहित होता है। 2024 में, कॉर्पोरेट प्रदर्शन में कमी और स्टॉक वैल्यूएशन में वृद्धि के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बहिर्वाह हुआ। मुद्रा को स्थिर करने के लिए केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप विदेशी मुद्रा भंडार द्वारा सीमित हैं और केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकते हैं। दिसम्बर 2024 में आरबीआई के देर से हस्तक्षेप ने रुपये को अस्थायी रूप से 85.53 प्रति डॉलर पर स्थिर करने में कामयाबी हासिल की। राजकोषीय रूप से विवश सरकार बाहरी झटकों को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता को कम करती है, जिससे मुद्रा स्थिरता में विश्वास कमजोर होता है। महामारी के दौरान भारत के रिकॉर्ड राजकोषीय घाटे ने बाहरी लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी उपायों को सीमित कर दिया। मुद्रा नीतियों पर सरकार का स्पष्ट रुख निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है और सट्टा दबाव कम करता है। आरबीआई गवर्नर द्वारा 2024 में डी-डॉलराइजेशन को खारिज करने से बाजार आश्वस्त हुआ, जिससे रुपये के मूल्यह्रास की चिंताएँ अस्थायी रूप से कम हो गईं।। बाह्य लचीलेपन को मजबूत करने के उपाय हैं, निर्यात को बढ़ावा देना और विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने और व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए मूल्यवर्धित विनिर्माण और सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करना। फार्मास्यूटिकल्स और आईटी जैसे क्षेत्रों को मजबूत करने से व्यापार घाटे को कम करने और रुपये को स्थिर करने में मदद मिल सकती है। विविध आपूर्तिकताओं के साथ दीर्घकालिक समझौते करके अस्थिर कच्चे तेल और आवश्यक आयात पर निर्भरता कम करें। रूस और मध्य पूर्वी देशों से कच्चे तेल के आयात का विस्तार करने से 2023 में औसत तेल आयात लागत कम हो गई। प्रभावी मुद्रा स्थिरीकरण के लिए सॉवरेन वेल्थ फंड और सोने के संचय के माध्यम से मजबूत भंडार बनाएँ। रिजर्व बैंक के अनुसार 2021 में $600 बिलियन के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार ने महामारी के दौरान अस्थिरता को प्रबंधित करने में मदद की। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को निपटाने, अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और विनिमय दर जोखिमों को कम करने के लिए समझौतों में शामिल हों। भारत-रूस रुपया-रूबल व्यापार तंत्र ने रूस-यूक्रेन संकट के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम किया। मुद्रा जोखिमों से बचने के लिए अल्पकालिक बाहरी ऋण को कम करते हुए कम लागत और लंबी अवधि के उधार को प्राथमिकता दें। भारत द्वारा सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड जारी करने में वृद्धि ने 2023 में पुनर्भुगतान अस्थिरता को कम करने के साथ स्थिर विदेशी निवेश आकर्षित करने में मदद की। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के आर्थिक लचीलेपन के लिए एक मजबूत बाहरी क्षेत्र महत्त्वपूर्ण है। निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर, विवेकपूर्ण राजकोषीय नीति सुनिश्चित करके, विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाकर और रुपये में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर, भारत मुद्रा अस्थिरता को कम कर सकता है। संरचनात्मक सुधारों और वैश्विक आर्थिक एकीकरण पर जोर देने वाली एक दूरदर्शी रणनीति दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करेगी और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को मजबूत करेगी।

बिहार के सरोद वादक तथा संगीत इतिहासकार थे प्रो सीएल दास

कार्यक्रम तो बहुत सफल रहा लेकिन एक बार फिर प्रो दास साहब को अपने अकाउंट से ही पैसे निकाल कर कलाकारों को देने पड़े थे। कॉलेज प्रशासन इस आयोजन के लिए बजट ही नही क्लियर कर पाया। इस बीच प्रो दास साहब आकाशवाणी के अखिल भारतीय संगीत समारोह की समीक्षा हाथरस, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित पत्रिका, संगीत में लिखने लगे थे। इस बहाने देश भर के कलाकार उनसे जुडने लगे थे। रोज उनके पते पर कई चिट्ठियां आतीं। कई स्थानीय कलाकार घर पर आ जाते। संगीत अभ्यास होता और इस पर चचाएँ भी होती।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
लेखक

सरोद वादक तथा संगीत इतिहासकार प्रो. सी. एल. दास की 91वीं जयंती 4 जनवरी 2025 को है। इस संदर्भ में कहना है कि ह्लपिता ने जैसे भविष्य की कल्पना की थी, उसके उलट प्रो. दास ने चुना था शास्त्रीय संगीत और आम लोगों के बीच की दूरी को पाटने की जद्दोजहदह्ल कहते हैं संगीत के लिए व्यक्ति बना हुआ आता है। उसे मुखरित करने के लिए बस थोड़ी साधना और थोड़े तराश की जरूरत होती है। दरअसल जो राग रस होता है किसी के भीतर, वही तय करता है उसके जीवन धारा की दिशा को। कुछ ऐसा ही हुआ था सरोद साधक तथा संगीत इतिहासकार, प्रो. सी. एल. दास के साथ। प्रो. दास के भविष्य की एक अलग ही छवि बना रखी थी उनके परिवार ने, जहाँ था सैल्यूट मारता सरकारी शोफर और उनके गाँव की सड़क पर अंगरक्षकों से भरी सरपट दौड़ती गाड़ी। लेकिन नियति कुछ और ही लिख लाई थी इनके लिए। उन्होंने जो संसार रचा अपने लिए, उसमे वैसा कुछ नहीं था जैसी कल्पना की थी उनके परिवार ने। यहाँ थी सरोद, स्वर और लय की साधना, शास्त्रीय संगीत और आम लोगों के बीच की दूरी को पाटने की जद्दोजहद और उसके विस्तार के लिए पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में रागों- स्वरों को शब्दबद्ध करने की जिम्मेदारी। सरकारी रोब- दाब जैसा कुछ नहीं था यहाँ। था तो बस मैहर और मदीना भवन के साथ अबूझा सा प्रेम। गर्मी की छुट्टियों में सरोद लेकर बॉम्बे जनता ट्रेन में पटना से मैहर तक का सफर, अल्लाउद्दीन बाबा के साथ भोजन के बाद मैहर म्युजिक कौलेज जाना और वहां बाबा को विद्यार्थियों को राग और गतें सिखाते देखना। यही थी उनकी दुनिया की धुरी। एक अनजानी सी रिश्तेदारी बन गई थी उनकी देश भर के कलाकारों, खास तौर पर उस्ताद अली अकबर खाँ, उस्ताद बहादुर खान, पद्म भूषण उस्ताद गुलाम मुस्तफा और पंडित रामचतुर मल्लिक से और अपने अनगिनत परिचित- अपरिचित कला पाठकों के साथ तो साझेदारी थी ही राग-संगीत की। 04 जनवरी, 1934 में नेपाल तराई के एक जमींदार परिवार में जन्मे चँद्रकांत के लिए उनके पिता ने हर आम पिता की तरह कई सपने देखे थे। बड़ी इच्छा थी कि बेटा पढाई कर कोई ऊँचा अधिकारी बने। सरकारी गाड़ी से गाँव की कच्ची सड़क पर चले तो उसकी धूल के साथ- साथ उसके ओहदे की धमक भी गाँव भर मे फैल जाए। बालक चंद्रकांत जब महज छः साल के थे, उसी उम्र में माँ की गोद से उतार बच्चे को अच्छी शिक्षा के लिए राजनगर (मधुबनी) भेज दिया था। बच्चे के विछोह में माँ रोती रह गई थी। ह्लकहाँ दूर मोगलान में भेज दिया मेरे बच्चे को,ह्ल उन्होंने खीजकर कहा था। उन दिनों तराई के गाँव में भारत को मोगलान ही कहते थे लोग। लेकिन जमींदार साहब टस से मस नहीं हुए थे। दालान पर बैठे पटवारी कालिदास ने भी उनकी हाँ में हाँ मिलाते हुए कहा था, ह्लबच्चे को और मिर्चे को जितना आग में झोंकिए, उसकी झाँस उतनी ही बढती हैह्ल। फिर क्या था जमींदार पिता और आश्वस्त हो गए थे। सोचते, ह्लबच्चा मेधावी है, जरूर अच्छा करेगा। चँद्रकांत एक बार बड़ा अधिकारी बन जाए, तो खेती की सारी चिंताएं दूर हो जाएंगीह्ल। लेकिन यहाँ तो ग्रह- नक्षत्र के कुछ और ही खेल चल रहे थे। चँद्रकांत के नंबर तो अच्छे आ रहे थे। लेकिन पढाई के साथ - साथ राग -संगीत के प्रति आकर्षण बढने लगा था। राजनगर में दुर्गा पूजा में जब बाकी सहपाठी मेला घूम रहे होते और मछली और मिठाइयों के स्टौल के चक्कर काट रहे होते, चँद्रकांत का समय मंदिर में हो रहे पूजा के समय कलाकारों द्वारा गाए- बजाए राग और बंदिश सुनने में बीतता। एक बात जो उन्हे खटक रही थी वो ये कि शास्त्रीय संगीत और संगीतकार दोनो ही आम लोगों की पहुँच से बाहर थे। शायद उसी क्षण उन्होने शास्त्रीय राग संगीत को आम लोगों के बीच लाने की ठानी होगी। कॉलेज की पढाई के लिए वो जब पटना आए, तो यहाँ भी देखा कि कलाकार शहर के रईसों की बैठकियों तक ही सीमित थे। लेकिन जैसे ही पटना के एक कौलेज में नौकरी लगी, उन्होने संगीत और संगीतकारों को आम लोगों के बीच लाने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया था। अपने कुछ संगीत प्रेमी मित्रों के साथ मिलकर शहर के सभागार में जन समारोह आरंभ किया। हालाँकि दशहरा में यहाँ कई दिनो का संगीत समारोह होता था। लेकिन बाकी दिन सब कुछ शांत और स्थिर सा होता। प्रो दास ने इस एकरसता को तोडने की पहल की। उन्होंने अपने जन समारोह में पंडित रवि शंकर और उस्ताद अमीर खाँ सरीखे कलाकारों को शामिल किया। इसके लिए जिस फंड की जरूरत थी, उसे शहर के कुछ संगीत प्रेमी डॉक्टरों, व्यवसाइयों और रईसों ने चंदा देकर पूरा किया। भारतीय नृत्य कला मंदिर की बुकिंग हुई और प्रचार के लिए शहर में पोस्टर लगाए गए। उन दिनो अखबारों में विज्ञापन देने का चलन नहीं था। कार्यक्रम में हॉल की सीट से ज्यादा लोग आ गए। लेकिन कलाकार को देने के लिए पैसे नहीं इकट्ठा हो पाया। बाद में अपने अकाउंट से ही पैसे निकालकर पंडित रविशंकर को मनी ऑर्डर कर दिया था। लेकिन इस आयोजन में पटना ने पंडित रविशंकर को उन दिनो लाईव सुना जब वो सितार वादन के चरम पर थे। बल्कि युवा पीढ़ी तक राग संगीत पहुँचाने के लिए प्रो दास ने अपने कौलेज में संगीत समारोह आयोजित किया।

अपनों के निशाने पर कांग्रेस पार्टी

रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस पार्टी इन दिनों अपने ही साथी दलों के निशाने पर है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्धारा कांग्रेस पार्टी से इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वापस लेने की मांग की जा रही है। इंडिया गठबंधन में शामिल बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी खुले आम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठा रही है। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस करके कांग्रेस पार्टी को इंडिया गठबंधन के नेता पद से हटाने की मांग की हैं। ममता बनर्जी की मांग के समर्थन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी अपनी सहमति जताई है। इससे इंडिया गठबंधन की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है।

जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडिया गठबंधन अब टूट के कगार पर खड़ा है। लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया है। इसी के चलते कांग्रेस के सहयोगी दल ही उसकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाकर अलग राह पकड़ने के संकेत दे रहे हैं। हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने तो कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से बाहर निकलवाने तक की धमकी दे दी है। कांग्रेस द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद से ही आम आदमी पार्टी कांग्रेस से खासी नाराज नजर आ रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस जिस तरह से चुनाव लड़ रही है उससे भाजपा को लाभ मिल रहा है। कांग्रेस नेता अजय माकन व संदीप दीक्षित के बयान विपक्ष को कमजोर करने के लिए भाजपा के कहने पर दिए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद पवार), नेशनल कांफ्रेंस तो खुलकर कांग्रेस की मुखालफत करने लगी है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी जीत तय मानकर आम आदमी पार्टी से गठबंधन करने से इनकार कर दिया था। जिसके चलते आम आदमी पार्टी ने कई सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़कर 1.8 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। जबकि हरियाणा में कांग्रेस को 39.34 प्रतिशत वोट व भाजपा को 39.94 प्रतिशत वोट मिले थे। यदि हरियाणा में कांग्रेस आम आदमी पार्टी से समझौता करके चुनाव लड़ती तो निश्चय ही सरकार बन सकती थी। मगर कांग्रेस ने अवसर गवां दिया और वहां भाजपा ने आसानी से तीसरी बार पहले से भी अधिक बहुमत से सरकार बना ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में तो समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी थी। जबकि लोकसभा चुनाव कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मिलकर ही लड़ा था। महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महा विकास अघाड़ी की करारी हार होने के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप और समाजवादी पार्टी को सीट ना देकर गलती की थी। पार्टी के मुखपत्र सामना में भी लिखा गया कि कांग्रेस नेताओं के अति आत्मविश्वास और घमंड ने हरियाणा में हार के लिए भूमिका निभाई। पार्टी नेता संजय राउत ने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस को लगने लगा था कि वह अकेले ही जीत सकती है। इसलिए किसी को भी सत्ता में भागीदार बनाना उचित नहीं समझा था। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस कुल 329 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जिसमें से 145 सीटों पर बिना किसी गठबंधन की अकेले चुनाव लड़ी थी। जिसमें कांग्रेस 37 सीटों पर चुनाव जीती थी। कांग्रेस का बिना किसी दल से गठबंधन में जीत का रेशियो 25.52 प्रतिशत रहा था। जबकि कांग्रेस 184 सीटों पर साथी दलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ी थी। इसमें कांग्रेस ने 62 सीट जीती थी और जीत का रेशियो 33.75 प्रतिशत रहा था। इस तरह से देखे तो कांग्रेस पार्टी को अकेले चुनाव लड़ने की बजाय गठबंधन साथियों की बदौलत बड़ी जीत हासिल हुई थी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 13 करोड़ 67 लाख 59 हजार 64 यानी 21.29 प्रतिशत वोट मिले थे। गठबंधन करने के कारण 2019 की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 1.91 प्रतिशत अधिक वोट मिले थे। कांग्रेस पार्टी ने पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, तेलंगाना व पश्चिम बंगाल में अपने बूते चुनाव लड़ा था। जबकि बिहार, गुजरात हरियाणा झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, पांडिचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। अंडमान निकोबार दीप समूह, आंध्र प्रदेश, दादरा नगर हवेली व दमन दीव, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मध्य प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड ऐसे प्रदेश है जहां लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सका था। हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका महाराष्ट्र में लगा जहां उनकी सीटे 44 से घटकर 16 रह गई। महाराष्ट्र में कांग्रेस शिवसेना (यूबीटी) व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ महाविकास अघाड़ी बनाकर चुनाव मैदान में उतरी थी।

संक्षिप्त खबरें

रामनगर के बैकुंठवा मोड़ पर सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

प्रातः किरण, संवाददाता

बगहा। बगहा के रामनगर में मुख्य सड़क स्थित बैंकुठवा मोड़ के पास बाइक के आमने सामने की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई है जबकी दो लोग घायल हो गए हैं। सड़क दुर्घटना के बाद 112 की पुलिस द्वारा घायलों को रामनगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां मौजूद डॉक्टर ने एक की नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है वहीं दुसरे व्यक्ति को डॉक्टर जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है की मृतक लौरीया थाना क्षेत्र के पणडा पट्टी निवासी विक्कु पाण्डेय के रुप मे पहचान हुई है।

संदिग्ध अवस्था में शव बरामद

बेतिया । नौतन थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वी नौतन के वार्ड नंबर 7 में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मृत्यु हो जाने की सूचना रात 10:30 बजे प्राप्त हुई। उक्त जानकारी देते हुए एसडीपीओ-2 रजनीकांत ने बताया कि थानाध्यक्ष नौतन द्वारा तत्काल घटनास्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जीएमसीएच भेजा गया। मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के जख्म नहीं पाया गया है। मृत्यु का कारण पोस्टपार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकता हैं। बेतिया पुलिस लोक व्यवस्था संधारण में सर्वोत्कृष्ट स्तर प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध है।

ठंड के बढ़ते प्रकोप से अलाव जलाना अनिवार्य

लहलादपुर। ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत स्थित मुख्य-मुख्य बाजारों के चौक-चौराहे पर अलाव की व्यवस्था अनिवार्य है. कड़ाके की ठंड में ठिठुरते एवं लाबारिस घूम रहे गरीब तबके के लोगों की हो र-ही परेशानी के कारण श्रीढोंढ़नाथ मंदिर परिसर, नदियापार, जनता बाजार, बसहीं, ताजपुर, बनपुरा, दयालपुर आदि मुख्य बाजारों में भिन्न-भिन्न जगहों पर अलाव जलने से राहगीरों, मजदूरों, बेघर भीखमंगो आदि को राहत मिलेगी. हाड़ कंपकंपा देने वाली ठंड में अभीतक न तो प्रशासन की ओर से अलाव की व्यवस्था की गई है और न किसी जनप्रतिनिधि की ओर से।

एकमा निबन्धन कार्यालय में कर्मियों ने काला बिल्ला लगा किया कार्य

एकमा पेपरलेस निबंधन के सरकारी फरमान को काला अध्यादेश बताते हुए एकमा के निबंधन कार्यालय में शुक्रवार को काली पट्टी बांधकर कर्मचारियों ने काम किया। इस अवसर पर एकमा के निबन्धन कार्यालय के कातिब संघ की ओर से कहा गया है कि एक ओर सरकार रोजगार देने की बात कहती है, तो दूसरी ओर कातिब और उनके सहयोगियों को बेरोजगार करने की साजिश रची जा रही है। इसलिए हम काला बिल्ला लगाकर काम करने को मजबूर हैं। अध्यक्ष विनोद कुमार श्रीवास्तव,उपाध्यक्ष कमलेश कुमार राय, सचिव शिव कुमार भारती ने कहा कि सरकारी अध्यादेश काला पानी की सजा की तरह है। पेपरलेस निबंधन लागू हुआ, तो हजार से अधिक कातिब,दस्तावेज प्रशिक्षुओं एवं मुद्रांक विक्रेताओं का रोजगार छिन जायेगा।

मृतक की मां को आपदा के चार लाख रुपए मिले

इसुआपुर । स्थानीय थाना क्षेत्र के रामपुर अटौली गांव के स्वर्गीय रामेश्वर राम की विधवा बिअफी देवी को आपदा राहत कोष के चार लाख रुपए का चेक सीओ करूण करण तथा पंचायत के मुखिया धनंजय पांडेय ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से दिया। मालूम हो कि बिअफी देवी के पुत्र मुकेश कुमार राम की असामयिक मौत 2000 वर्ष 2001 में पानी में डूबने से हो गई थी। स्थानीय मुखिया के प्रयास से विधवा मां को सरकारी रुपए का लाभ मिला।

पुलिस ने अलग-अलग मामलों में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

परसा। थाना क्षेत्र के अंजनी मठिया में छापेमारी करते हुए शराब तस्करी करने के मामले में फरार चल रहे है दो अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार. शराब तस्करी करने के मामले में फरार चल रहे गिरफ्तार अभियुक्तों में स्थानीय थाना क्षेत्र के अंजनी मठिया निवासी वकील राय का पुत्र शैलेश कुमार व बालेश्वर राय का पुत्र राहुल कुमार राय बताया जाता है.
नहीं परसा बाजार पर शराब पीकर हंगामा कर रहे हैं एक शराबी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर उत्पाद अधिनियम के तहत सन्हा दर्ज करते हुए छपरा व्यवहार न्यायालय भेज दिया है. रफ्तार शराबी डेरनी थाना क्षेत्र के पोझी गाव निवासी लालू राय का पुत्र जयराम कुमार बताया जाता है. इस संबंध में थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सभी गिरफ्तार अभियुक्तों शुक्रवार को छपरा व्यव-हार न्यायालय भेज दिया गया है.

टीकाकरण में बिहार देश में पहले स्थान पर, संपूर्ण टीकाकरण को लेकर विभाग संकल्पितः मंगल पांडेय

स्वास्थ्य मंत्री ने सारण सहित पूरे राज्य में 1000 टीकाकरण कॉर्नर का किया उद्घाटन

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा। पूर्ण टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्ति के उद्देश्य से राज्य के एक हजार हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरो पर टीकाकरण कॉर्नर का उद्घाटन सूबे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के द्वारा सारण जिले के सोनपुर के शाहपुर स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर किया। यहीं से पूरे राज्य में 1000 टीकाकरण कार्नर के उद्घाटन किया गया। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और सीएम नीतीश कुमार अगुआई में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। आज बिहार राज्य पूरे देश में टीकाकरण के मामले में पहले स्थान पर है। हमें इस उपलब्धि को बरकरार रखना है। उन्होंने कहा कि राज्य में मात्र 26 ऐसे प्रखंड है जहां 80 प्रतिशत से कम टीकाकरण हुआ है। आने वाले तीन माह में इसे बढ़ाया जायेगा। टीकाकरण के लक्ष्य को हासिल पूर्व में 1000 टीकाकरण कॉर्नर का शुभारंभ किया गया था। जिसका परिणाम है कि राज्य में 92 प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य हासिल किया गया है। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को लक्ष्य दिया कि आनेवाले 3 माह में पूरे राज्य में 96 प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य करें। राज्य के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को विभिन्न प्रकार की जानलेवा बीमारियों से बहुमूल्य जीवन की सुरक्षा हेतु नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत टीकाकरण कराया जा रहा है। इसी क्रम में टीकाकरण के सुदृढ़ीकरण हेतु पूर्व से संचालित 1000 हेल्थ एंड वेल्नेस सेन्टर के अतिरिक्त अन्य 1000 केन्द्रों पर इसे विस्तारित किया जा रहा है। इन केन्द्रों पर टीकाकरण के प्रसार से जनमानास को गुणवतापूर्ण टीकाकरण की अतिरिक्त सुविधा प्राप्त हो रही है। सप्ताह तीन दिन यथा सोमवार, मंगलवार एवं गुरुवार को टीकाकरण कॉर्नर बनाकर टीकाकरण का कार्य प्रारम्भ किया गया है। जिससे लाभार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण टीकाकरण सेवा प्राप्त हो रही है। हेल्थ एंड वेल्नेस सेन्टर पर टीकाकरण का कार्य प्रारम्भ होने के उपरांत वैसे लाभार्थी जो किसी कारणवश अपने निर्धारित टीकाकरण सत्र स्थल पर निर्धारित दिन उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं, उन्हें अन्य दिवस पर टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है। टीकाकरण से वंचित इन लाभार्थियों को आशा / अन्य उत्प्रेरक के माध्यम से इन टीकाकरण केन्द्रों पर उत्प्रेरित कर टीकाकरण किया जायेगा।

मंत्री ने कहा कि हेल्थ एंड वेलनेस केन्द्र पर टीकाकरण के साथ साथ 12 प्रकार की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवायें यथाः गर्भावस्था एवं प्रसव दौरान, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य, बाल्य एवं किशोर स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, संचारी रोग, सामान्य नेत्र, नाक, कान, गला रोग, बुनियादी मौखिक स्वास्थ्य, बुजुर्ग एवं उपशामक स्वास्थ्य, सेवाएँ और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं मानसिक स्वास्थ्य रोग प्रबंधन संबंधित सेवायें प्रदान की जा रही है। सुहर्ष भगत कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति के साथ-साथ राजेश कुमार उप सचिव सह प्रशासी पदाधिकारी राज्य स्वास्थ्य समिति, डा. वाई. एन. पाठक अपर निदेशक-सह- राज्य प्रतिरक्षण पदाधिकारी आदि थे।

डीएम, एसपी ने रक्तदान कर पुलिस लाइन में किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं: जिलाधिकारी

प्रात : किरण, संवाददाता

मोतिहारी। रक्तदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति पटना के सौजन्य से जिले में वैन भेजा गया है, जिसमें रक्त संग्रह करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मोतिहारी पुलिस लाईन में आज शुक्रवार को मोतिहारी पुलिस लाइन के मैदान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति पटना के सौजन्य से किया गया। वहीं रक्तदान महादान को चरितार्थ करते हुए जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण सौरभ जोरवाल एवं जिला पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने स्वेच्छा से रक्तदान करते हुए पूर्वी चंपारण में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का विधिवत उद्घाटन किया, जिसमें जिला प्रशासन के ओर से पदाधिकारी एवं पुलिस कमीर्यों ने स्वैच्छिक रक्तदान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए रक्तदान किया, जिन्हें अल्पाहार एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। बिहार राज्य रक्तधान परिषद के सह अध्यक्ष प्रतिभा रानी ने बताया की पूर्वी चम्पारण जिले के सभी छः अनुमंडल अरेराज, चकिया, मोतिहारी, पकड़ीदयाल, रक्सौल, सिकरहना में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाना है। सदर अस्पताल के स्वास्थ्य प्रबंधक कौशल दुबे ने बताया की 02 बजे तक पुलिस लाईन में 35 यूनिट एवं एसएसबी कैंप में 31 यूनिट रक्तदान किया गया है।उन्होंने बताया की स्वस्थ व्यक्ति को ही रक्तदान करना है इस बात का ध्यान रखा जा रहा है।उन्होंने बताया की अभी भी रक्तदान चल रहा है।

डीएम सौरभ जोरवाल ने कहा की रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है उन्होंने कहा की युवाओं व आम लोगों को रक्तदान हेतु आगे आने की है जरूरत है, हर स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष में एकबार जरूर रक्तदान करना चाहिए,एक यूनिट रक्तदान करने से किसी प्रकार की कोई तकलीफ या कमजोरी नहीं होती है।उन्होंने बताया की रक्त की कमी से से जूझ रहें लोगों को रक्त आसानी से उपलब्ध हो सकें, उन्होंने समाजिक संगठनों, युवाओं व आम लोगों से रक्तदान करने की अपील की।वहीं एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा की डिलीवरी,दुर्घटनाग्रस्त, गंभीर एनीमिया ग्रस्त या गंभीर बिमारियों से ग्रस्त लोगों को रक्त चढ़ाने की जरूरत पड़ती है, इसलिए लोगों को रक्तदान में आगे आना चाहिए।

पूर्व विधायक ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण, संवाददाता

एकमा ।सीएम नीतीश कुमार की आठ जनवरी को प्रगति यात्रा के अब कुछ दिन ही शेष रह गये हैं. ऐसे में उद्घाटन होने वाले सभी कार्य को अंतिम रूप देने में प्रशासनिक अधिकारी जुट गये हैं. युद्ध स्तर पर काम कराया जा रहा है।

प्रगति यात्रा की तैयारियों के दौरान चल रही कार्य का निरीक्षण पूर्व विधायक मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल सिंह और नगर अध्यक्ष श्वेता रानी ने किया ।

इस अवसर पर पूर्व विधायक ने कहा कि मांझी प्रखंड क्षेत्र के डुमाईगढ़ से एकम होते हुए सहाजितपुर तक जाने वाली सड़क को 20 फुट चौड़ा बनाया जायेगा उक्त सड़क का निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ एकमा की यात्रा पर आ रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। उन्होंने कहा कि उक्त सड़क का निर्माण कार्य पूरा कर लिए जाने से हजार लोगों की पुरानी मांगे पूरी हो जाएगी।

रोमांच का दूसरा नाम जंगल सफारी,बाघ और तेंदुआ देख रोमांच से गदगद हुए पर्यटक

प्रात : किरण, संवाददाता

बगहा। रोमांच का दूसरा नाम जंगल सफारी है। ऐसे में एडवेंचर और रोमांच के सागर में गोते लगाना हो तो बिहार का इकलौता वाल्मीकि टाइगर रिजर्व आपके इस ख्वाहिश को पूरी कर सकता है। क्योंकि प्रकृति के खूबसूरत वादियों में यहां मजा , शांति , सुकून और एडवेंचर का तड़का आपका मन मिजाज तो खुश कर हीं देगा, वन्य जीवों के स्वछंद दीदार की आपकी हसरत भी पूरी हो जाएगी।

जी हां नए साल के दूसरे दिन दिन बिहार के इकलौते वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में पर्यटकों को बाघ और तेंदुआ दोनों का दर्शन हो गया। जहां बेतिया से आए एक परिवार को बाघ दिख गया वहीं देवरिया से पर्यटकों को तेंदुआ नजर आया। जिसके बाद उनके खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

बतातें चलें कि वीटीआर के मंगुराहा वन क्षेत्र में जंगल सफारी के दौरान उत्तरप्रदेश के देवरिया से मुकुल सिंह और बेतिया से सपरिवार सुमन सिंह,रीमा सिंह,मान्या सिंह,अक्षिता सिंह व विराज सिंह को विचरण करते बाघ और तेंदुआ को देख रोमांच से भर गए। वहीं मान्या व अक्षरा सिंह ने बताया कि पहली बार जंगल मे खुले रूप से आजाद घूमते बाघ को देख रोम रोम सिहर गया।

उत्तरप्रदेश निवासी पर्यटक मुकुल सिंह ने कहा कि डर,भय और विस्मय का मिश्रित अनुभव का एहसास लेकर नव वर्ष का आगाज हुआ है,जो मुझे ता उम्र याद रहेगी।

बतादें की नव वर्ष के मौके पर वीटीआर जंगल स्थित तमाम पर्यटक डिस्टिनेश पर पर्यटकों की काफी भीड़ उमड़ी और जंगल सफारी का खासकर उफ्त उठाया।

ठंड से बचाव हेतु लायंस क्लब छपरा सारण ने चौक चौराहों पर अलाव जलाया

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय।: इस भीषण ठंड की रात में जब सभी लोग अपने अपने घरों में होते हैं, तभी स्थानीय अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवी संस्था लायंस क्लब छपरा सारण के सदस्यों द्वारा गुरुवार को देर रात तक ठंड से निजात दिलाने हेतु शहर में घूम-घूम कर रिक्शा चालकों, फुटपाथ पर सो रहे जरुरतमंदों, यात्रियों, मरीजों के परिजनों एवं असहायों के लिए शहर के विभिन्न चौक-चौराहों, रेलवे स्टेशन एवं अस्पताल परिसर में अलाव की व्यवस्था की गई ।

इस सेवा-कार्य के चेयरपर्सन लायन साकेत श्रीवास्तव ने मौके पर बताया कि लायंस क्लब के द्वारा ठंड के मौसम में प्रतिवर्ष इस प्रकार का सेवा कार्य किया जाता है। पिछले दो दिनों से अचानक से ठंड बढ़ी है तो इसी कड़ी में इस वर्ष भी यह कार्य किया जा रहा है जो कि आगे भी जारी रहेगा। वहीं क्लब के अध्यक्ष लायन डा अनिल कुमार ने बताया कि क्लब की ओर से ठंड से निजात दिलाने के लिए कुछ ही दिनों में कंबल वितरण का भी सेवा कार्य किया जाएगा। अलाव की व्यवस्था से सभी जरुरतमंदों ने मन ही मन क्लब के इस सेवा कार्य की प्रशंसा की और उनके चेहरे पर मुस्कान नजर आई।

इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष लायन डा अनिल कुमार, सचिव शैलेंद्र कुमार, प्रमोद मिश्रा, डा ओ पी गुप्ता, नारायण पांडे, रणधीर जायसवाल, बृजेंद्र किशोर, सुशांत कुमार, मनोज वर्णवाल, लियो विकास पटेल, प्रिंस कुमार आदि सदस्य मौजूद रहें।

शिक्षित महिलाएं दुनिया बदल सकती हैं : डॉ कमाल अहमद

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा सदर। शुक्रवार को गंगा सिंह महाविद्यालय, छपरा की एनएसएस यूनिट-एक के द्वारा सावित्रीबाई फुले जयंती मनाई गई। इस अवसर पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा के दौरान भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले को नमन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कमाल अहमद ने कहा कि उनकी जयंती महिला शिक्षा, अधिकार और सामाजिक न्याय के लिए प्रेरणा का प्रतीक है। नारी सशक्तिकरण की दिशा में उनके प्रयासों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सावित्रीबाई का यह विचार प्रासंगिक है कि एक सशक्त शिक्षित स्त्री सभ्य समाज का निर्माण कर सकती है। सावित्रीबाई फुले ने ही यह विचार व्यक्त किया था कि महिलाओं को शिक्षित करें, वह दुनिया बदल देंगी।

परिचर्चा में महाविद्यालय शिक्षक संघ के सचिव डॉ संतोष कुमार सिंह ने कहा कि सावित्रीबाई ने महिलाओं और दलित वर्ग के अधिकारों की वकालत करते हुए उनके लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता के रास्ते खोले। उनके प्रेरणादायक कार्यों में महिला संगठन की स्थापना और विधवा पुनर्विवाह को बढ़ावा देना भी शामिल है। सावित्रीबाई का यह कथन प्रासंगिक है कि शिक्षा स्वर्ग का मार्ग खोलता है, स्वयं को जानने का मौका देता है।

महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ धर्मेंद्र कुमार सिंह ने इस अवसर पर कहा कि सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका और एक समाज सुधारक थीं। उन्होंने न केवल भारत में शिक्षा का नया दौर शुरू किया, बल्कि सामाजिक भेदभाव और पितृसत्ता के खिलाफ लड़ाई भी लड़ी। महाराष्ट्र के पुणे में भारत का पहला बालिका विद्यालय स्थापित करने का श्रेय उन्हें जाता है।

परिचर्चा में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय शिक्षक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष राजीव कुमार गिरी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले की जयंती हमें महिलाओं की शिक्षा और समानता के लिए कार्य करने की प्रेरणा देती है। फुले के विचार को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि स्त्रियां सिर्फ रसोई और खेत पर काम करने के लिए नहीं बनी हैं, वह पुरुषों से बेहतर कार्य कर सकती हैं।परिचर्चा के इस अवसर पर कॉलेज के प्राध्यापक डॉ फख शायान, डॉ हरिमोहन पिंटू और डॉ राजेश कुमार मांझी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की महत्तम उपस्थिति रही।

परीक्षा नियंत्रक का विद्यार्थियों ने किया पुतला दहन

परसा ।जयप्रकाश विश्वविद्यालय के अंगीभूत इकाई प्रभुनाथ महाविद्यालय में प्रवेश पत्र भेजा नहीं गया है.और परीक्षा फार्म भरने के लिए छात्र/छात्राओं को 2 जनकारी से 10 जनवरी तक परीक्षा फार्म भरने का समय आधारित किया गया है. जिससे छात्र/छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पर रहा है।

साथ ही परीक्षा परिणाम में काफी छात्र/छात्राओं को प्रमोट किया गया है.वही महाविद्यालय में स्वच्छ भारत,इंग्लिश कमनिके शन,कमनिके शन इन इभरीडेलाईफ तीन विषय का न शिक्षक है नहीं पढ़ाई-लिखाई का व्यवस्था किया गया है.

गुंडा पंजी में अंकित व्यक्तियों का हुआ परेड

बेतिया। 25 को शिकारपुर थाना परिसर में निदेशानुसार शिकारपुर थाना के गुंडा पंजी में अंकित विभिन्न शीर्ष के गुंडा तत्वों(व्यक्तियों) को थाना पर बुलाकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नरकटियागंज एवं पु.नि. सह थानाध्यक्ष शिकारपुर के समक्ष परेड का आयोजन किया गया ।परेड में सभी को समाज के मुख्य धारा में जुड़ने एवं कभी भी विधि विरुद्ध कार्य नहीं करने का सलाह दिया गया ।बेतिया पुलिस अपराध नियंत्रण एवं लोक व्यवस्था संधारण में सर्वोत्कृष्ट के लिए सदैव तत्पर।

स्टांप भेंडर एवं कातिब संघ के सदस्यों ने काला बिल्ला लगाकर किया विरोध

परसा ।संघ के आह्वान पर सरकार द्वारा जारी नए नियमावली निबंधन कार्यालय में टोकन सिस्टम के द्वारा जमीन रजिस्ट्री शुरू होने के विरोध में शुक्रवार को परसा निबंधन कार्यालय के स्टाम्प भेंडर व कातिब संघ ने संयुक्त रूप से काला बिल्ला लगा कर विरोध किया ।स्टाम्प भेंडर रामानन्द राय, गोरख राय, देवेंद्र राय, ऋषिदेव सिंह, व कातिब संघ के ओम प्रकाश श्रीवास्तव,सुरेश राय,मनीष अहमद,भूषण राय,वीरमणि राय, रामनरेश राय, महमूद आलम,अरविंद श्रीवास्तव, भृगुनाथ राय, म.वाहिद आदि ने बताया कि एक तरफ सरकार सभी वर्ग के लोगो को रोजगार देने की बात करती है। दूसरी तरफ सरकार की गलत नीतियों के कारण जमीन रजिस्ट्री में टोकन लगने व पेपर लेस नियम होने से स्टाम्प भेंडर संघ व कातिब संघ के लोगो को कोपभाजन का शिकार होना पड़ा है । और कातिब संघ के साथ भुखमरी की समस्या उत्पन्न हो जाएगी ।स्टाम्प भेंडर संघ अध्यक्ष देवेंद्र राय, व कातिब संघ अध्यक्ष गणेश कुमार मिश्रा ने पांच सदस्यीय टीम के साथ निबंधन कार्यालय के वरीय लिपिक बिरजू प्रसाद को एक मांग पत्र सौपा और अपनी मांगों को सरकार तक पहुचाने की अपील की ।इस संबंध में पूछे जाने पर निबंधन पदाधिकारी ने कुछ बताने से इनकार किया।

गौनाहा थाना क्षेत्र अंतर्गत जंगली सूअर मारने वाला क्रैकर फटने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया । गौनाहा थाना क्षेत्र अंतर्गत मठ मझरिया के पास मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्ति क्रैकर्स बम फटने से जख्मी हो गए थे। सूचना पर घटनास्थल का जांच ऋछ द्वारा कराते हुए गौनाहा थाना अध्यक्ष द्वारा स्वयं के बयान के आधार पर गौनाहा थाना कांड संख्या 04/2025 बिरूध दो अज्ञात के अंकित किया गया था ।पुलिस अधीक्षक पश्चिमी चंपारण बेतिया के निदेशानुसार कांड के उद्भेदन में पुलिस निरीक्षक शिकारपुर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

गठित टीम द्वारा मानवीय सूचना एवं तकनीकी अनुसंधान से दोनों अज्ञात व्यक्ति का पहचान कन्हैया मुखिया ग्राम बगही थाना जोगापट्टी एवं कन्हैया महतो सकीम मिश्रौली थाना शनिचरी के रूप में हुआ ।त्वरित कार्रवाई करते हुए कन्हैया मुखिया को गिरफ्तार किया गया है ।कन्हैया मुखिया अपना दोस स्वीकार करते हुए बताया है कि कन्हैया महतो के साथ मोटरसाइकिल से सूअर मारने वाला क्रैकर्स बम लेकर जा रहे थे मोटरसाइकिल से गिर जाने के कारण क्रैकर्स बम फट जाने से दोनों जख्मी हो गए थे ।पुलिस के आने से पहले डर से मोटरसाइकिल लेकर भाग गए थे। कन्हैया महतो की गिरफ़्तारी एवं मोटरसाइकिल बरामदगी हेतु छापामारी की जा रही है ।

गिरफ्तार आरोपियों में 1. कन्हैया मुखिया पिता निर्मल मुखिया ग्राम लाल टोला बगही थाना जोगा पट्टी जिला पश्चिमी चंपारण बेतिया।

बेतिया पुलिस अपराध नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था संधारण में सर्वोत्कृष्ट के लिए सदैव तत्पर।

बिहार दासतावेज संघ पश्चिम चंपारण ने पेपरलेस ऑनलाईन निबंधन का किया विरोध

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया । बिहार सरकार निबंधन विभाग के द्वारा पुरे बिहार के निबंधन कार्यालयो में ऑनलाईन पेपरलेस निबंधन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जिसमें दस्तावेज नविसो की भूमिका को स्पष्ट नहीं किया गया है। निबंधन विभाग के किसी भी पदाधिकारी के द्वारा नये निबंधन प्रणाली में दस्तावेज लेखकों की भूमिका को स्पष्ट नहीं किया जा रहा है। ऐसा प्रतित होता है कि निबंधन विभाग का दस्तावेज लेखक, शिक्षक्षु तथा निबंधन कार्यों से जुड़े सभी व्यक्तियों के प्रति मंशा ठीक नहीं है, जिसके कारण बिहार प्रान्त के सभी दस्तावेज लेखकों में भारी असंतोष व्याप्त है। इन्हीं कारणों से महासंघ के तत्वधान में दिनांक 03.01.2025 ई० को निबंधन कार्यालयों में कार्यरत सभी दस्तावेज नविस, शिशुक्षु एवं निबंधन के कार्य से जुड़े सभी व्यक्ति एक दिन के लिये काला बिला लगाकर शांतीपूर्वक तरीके से कार्य कर रहे है ।साथ ही सरकार से यह मांग करते है कि निबंधन विभाग के द्वारा प्रस्तावित पेपरलेस निबंधन प्रणाली में दस्तावेज लेखकों की भूमिका को सुनिश्चित किया जाये ताकि सभी दस्तावेज लेखक, शिशुक्षु तथा निबंधन कार्यों से जुड़े लाखों व्यक्तियों का जिवन जीविका सुचारू रूप से चल सकें। मौके पर संजय कुमार सचिव,बृजबिहारी प्रसाद श्रीवास्तव पूर्व मंत्री, विवेकानंद श्रीवास्तव,मनोज कुमार, विजय कुमार प्रसाद , हिरा प्रसाद, अरविन्द कुमार,प्रमोद कुमार कोषाध्यक्ष,अल-शबाब आलम उप सचिव, हेमन्त कुमार कार्यालय मंत्री, राजकिशोर तिवारी अंकेक्षक मौजूद रहे।

बसतपुर स्कूल में मनाया गया सावित्रीबाई फुले की जयंती

बच्चों के बीच वितरित किया गया ऊलेन टोपी

प्रातः किरण, संवाददाता

रक्सौल। सावित्री बाई फुले ना केवल एक समाज सुधारक थी, अपितु भारत की प्रथम महिला शिक्षिका भी थी। उन्होंने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देते हुए नीत नए काम किए। उन्होंने हमेशा से महिलाओं के अधिकार के लिए संघर्ष किया। ये बातें राजकीय प्राथमिक विद्यालय बसतपुर के वरीय शिक्षक मोहम्मद नुरूल होदा ने बच्चो एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कही। राजकीय प्राथमिक विद्यालय बसतपुर में सावित्री बाई फुले को श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से याद किया गया। मोहम्मद होदा ने कहा कि देश की पहली महिला शिक्षक, समाज सेविका सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले की आज जयंती है।

वह भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं। सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले को भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन की एक अहम शख्सियत माना जाता है। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई ने उस दौर में लड़कियों के लिए स्कूल खोला जब बालिकाओं को पढ़ाना-लिखाना सही नहीं माना जाता था। शिक्षक जितेन्द्र ठाकुर ने बताया कि सावित्रीबाई ने 19वीं सदी में छुआ-छूत, सतीप्रथा, बाल-विवाह और विधवा विवाह निषेध जैसी कुरीतियां के विरुद्ध खड़ी हुई थी। प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज कुमार ने भी संबोधित करते हुए बालिका शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब एक पुरुष शिक्षित होता है तो सिर्फ एक पुरुष ही शिक्षित होता है, लेकिन जब एक बालिका महिला शिक्षित होती है तो पूरा राष्ट्र शिक्षित होता है। अंत में एक शिक्षा प्रेमी के द्वारा स्कूल के उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं के बीच ऊलेन टोपी वितरण किया गया। बच्चों ने सावित्रीबाई फुले अमर रहें के नारे लगाए।

केएलआईसी कलस्टर हेड बने मंडलीय महासचिव

छपरा कोर्ट। पटना के विंडसर होटल में एल आई सी पटना मंडल 2 और पटना मंडलव1 के एस सी/एस टी/बुद्धिस्ट कर्मचारी अधिकारी कल्याण संघ (पंजीकृत) की संयुक्त द्विवार्षिक अधिवेशन सम्पन्न हुई। जिसमें छपरा एल आई सी बैंकिंग चैनल के क्लस्टर हेड विपिन बिहारी मांझी को सर्वसम्मति से मंडलीय महासचिव बनाए गए।

वहीं मढ़ौरा शाखा के विकास अधिकारी शिवजी राम मंडलीय अध्यक्ष मनोनीत किए गए। अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय अनुसूचित जाति जनजाति एवं बुद्धिस्ट कर्मचारी अधिकारी संघों का महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव सह राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के पी चौधरी एवं पूर्व मध्य क्षेत्र के महासचिव महेंद्र कुमार भी उपस्थित थे।

बिजली की शॉर्ट सर्किट से करकट नुमा घर में लगी आग

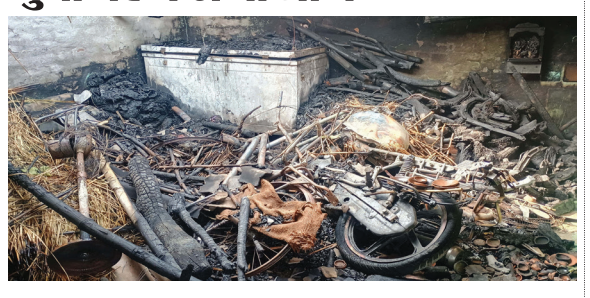

परसा ।प्रखंड के चाँदपुरा पंचायत अंतर्गत चाँदपुरा दलितबस्ती में गुरुवार रात्रि एक करकटनुमा घर में बिजली की शार्ट सर्किट से अचानक आग लग गई जिससे सारे सम्मान जलकर राखा हो गया.इस संबंध में पीड़ित बिजय राम ने बताया की गुरुवार की रात्रि में बिजली की शार्ट सर्किट से अचानक आग लग गई.जिससे एक गलेम्बर बाइक दो साइकिल तीन पंखा गेहूं चावल धान कपड़ा बच्चे का सटिफिकेट लगभग 15 हजार रुपए समेत सारे सामान चलकर राख हो गया. ग्रामीणों के काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया. आग पर काबू पाया जाता तब तक सारे सामान जलकर राख हो गया था.इस संबंध में सीओ चंदन कुमार ने बताया की कर्मचारी को भेजकर जांच कराया जाए रहा है.

प्रसिद्ध गीतकार के जन्मदिन पर आयोजित होगा विशाल सम्मान समारोह

प्रातः किरण संवाददाता

आरा भोजपुरी जगत के कई फिल्मों में अपनी लेखनी से फिल्म को हिट करा चुके एवं सैकड़ो लोकप्रिय भोजपुरी एवं हिंदी गानों से समाज में अमिट छाप छोड़ने वाले भोजपुरी के चर्चित गीतकार सह भाजपा नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री आर के सिंह के सेक्रेट्री विनय बेलाउर के 50 वें जन्मदिन पर आरा में एक विशाल सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है इस सम्मान समारोह का आयोजन जिला अतिथि गृह परिसदन में किया गया है प्रसिद्ध गीतकार के जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए उनके शुभचिंतकों ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया है की समाज सेवा में अतुलनीय योगदान देने वाले लोगों समेत भोजपुर जिले के सम्मानित पत्रकार बंधुओं को सम्मानित किया जाएगा ' सबसे पहले जन्मदिन के मौके पर आर के महावीर मंदिर रमना मैदान में पूजन के उपरांत माता आरण्य देवी की पूजा अर्चना की जाएगी उसके बाद इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह बडहारा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, तरारी विधायक विशाल प्रशांत,जिला अध्यक्ष भाजपा भोजपुर,प्रदेश कार्यसमिति सदस्यत विजय कुमार सिंह समेत कई वरिष्ठ लोग मौजूद रहेंगे वहीं बातचीत के क्रम में विनय बेलाउर ने कहा की मैं 2006 से भारतीय जनता पार्टी के सिपाही के रूप में कार्य करते आ रहा हूँ ' और आगे भी निष्ठा पूर्वक एक आत्मा के कार्यकर्ता के रूप में सरकार की योजनाओं को घर घर तक पहुंचाने का कार्य करता रहूंगा वहीं उन्होंने आगे बताया कि संगीत के प्रति अटूट प्रेम ने उनको दुनिया में खींच लिया और सबसे पहले उन्होंने खेसारी लाल यादव की, लहू के दो रंग, फिल्म से मैंने गीत संगीत मे कदम रखा ' आज 2000 से अधिक गीत मेरे द्वारा लिखा गया ' जिसको गायक गायिकाओं ने गया ।

जिसका प्रचार प्रसार पत्रकार साथीयो के माध्यम से हुआ ' मैं आभारी हूँ भोजपुर जिले के सारे प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया बंधुओं का जो विनय बेलाउर को इस मुकाम तक पहुंचाया ।

जनता दरबार में डीएम ने सुनी लोगों की शिकायत

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम(रोहतास) । डीएम रोहतास सुचिता सिंह ने शुक्रवार को आयोजन जिला जनता दरबार में 54 (चौवन) आम नागरिकों से लोक साक्षात्कार करते हुये उनके समस्याओं को सुना। लोक साक्षात्कार के क्रम में बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के सलेमपुर निवासी सुदर्शन सिंह पिता स्व० ठागा सिंह के द्वारा भरण-पोषण नहीं देने के सबंध में प्राप्त आवेदन पत्र को अनुमंडल पदाधिकारी, बिक्रमगंज को भेजा गया। चेनारी थाना क्षेत्र सदोखर निवासी राजबंश राम पिता राजगृही राम, के द्वारा लालकार्ड से प्राप्त भूमि पर जोत-कोड़ नहीं किये जाने के संबंध में प्राप्त आवेदन पत्र अनुमंडल पदाधिकारी, सासाराम एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सासाराम को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजा गया। इसी तरह से गीतांजली कुमारी, पदस्थापन के संबंध में, करगहर निवासी तुलसी पाण्डेय पत्नी स्व० शिवकुमारी पाण्डेय के मृत्यु के पश्चात उपादान, व्यवहृत उपार्जित अवकाश, ग्रुप बीमा आदि के संबंध में अंचल अधिकारी, सासाराम को भेजा गया। जग्रन्नाथ सिंह ग्राम खैरी प्रखंड कोचस के अतिक्रमण हटाये जाने, मीरा देवी पति स्व० कन्हैया सिंह, ग्राम-करमैनी, थाना-संझौली के द्वारा अतिक्रमण हटाये जाने, रामसेवक सिंह के द्वारा खतियानी जमीन को हड़पने आदि के संबंध में आवेदन गया, को भूमि सुधार डिहरी को जांच कर समुचित कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया। इसी तरह अन्य सभी प्राप्त आवेदन पत्रों, शिकायतों का ठोस एवं नियमानुसार समुचित कार्रवाई करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निदेशित किया।

क्रिसमस व नए साल के पहले दिन तक अवकाश, अब न्यायालय का नियमित कामकाज हुआ शुरू

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। क्रिसमस व नए साल के पहले दिन तक अवकाश के बाद न्यायालय का नियमित कामकाज शुरू हुआ।इस अवसर पर न्यायालय के कर्मचारियों ने प्रधान जिला एवम सत्र न्यायाधीश को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कार्य की शुरूआत की। इस अवसर पर प्रधान जिला जज ने भी सभी को नए साल की शुभकामना दी और विधि के अनुसार सभी पीडितों को न्याय प्रदान करने में सब का सहयोग मांगा।

बिहार राज्य व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ जिला शाखा भोजपुर के अध्यक्ष सुशील कुमार राय की अध्यक्षता में कर्मचारियों की एक आम बैठक न्यायालय परिसर में हुई जिसका संचालन संघ के सचिव बसावन राम ने किया। जिसमें बिहार राज्य व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राजेश्वर तिवारी के आवाहण पर बिहार भर के अदालतों के कर्मचारी अपने बेहतर वेतनमान और पदोन्नति के लिए 16 जनवरी से हहड़ताल पर जाने हेतु निर्णय को सफल बनाने के लिए रणनीतियां तैयार की गयी। वरिष्ठ कर्मचारी सुभाष सिँह ने कहा कि न्यायालय कर्मी अपने चार सूत्री मांग के समर्थन में हड़ताल पर जाने को पूरी तरह तैयार है। बैठक में शामिल मिडिया प्रभारी एवम प्रवक्ता अजय शंकर ने कहाँ की राज्य सरकार की हठधर्मिता के कारण पूरे राज्य की अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारी हड़ताल पर जाने को विवश हो गए है। उन्होंने विधि सचिव की 20 दिसम्बर के सकारण आदेश की भर्तसना की है,जिसमें न्यायिक कर्मियों की वेतन बढ़ोतरी के लिए माननीय उच्च न्यायालय पटना की अनुशंसा अमान्य कर दी गई है। अभी तक राज्य सरकार ने न्यायिक कर्मचारियों के बेहतर वेतनमान और पदोन्नति के लिए पहल नही किया है।वरिष्ठ कर्मचारी अमोद सिँह ने कहा कि पिछले 30 सालों से न्यायिक कर्मचारियों को प्रोन्नति एवं उनके योग्यता के अनुसार वेतन ही नहीं दिया गया है। उन्होने ने बताया कि वर्ष 1985 के पूर्व से सचिवालय एवम उच्च न्यायालय के सहायकों एवं न्यायालय के लिपिकों का योग्यता मैट्रीक थी एवं वेतनमान समान था, बाद में सभी की योग्यता स्नातक डिग्री कर दी गई। । प्रोन्नति के दरवाजे बंद कर दिया गया है। दिलीप सिंघ ने कहाँ की सुचारु रूप से न तो अनुकम्पा का लाभ मिल रहा और न ही पदोन्नति, ऐसी इस्तिथि में हम शोषित कर्मचारी हड़ताल से सिवा अब क्या करें। अंत में जिला अध्यक्ष ने विद्वान अधिवक्ता गणों एवम आम जनता(पक्षकार) से धैर्य पूर्वक सहयोग करने की याचना किया । बैठक में नीकु, रिंकू,संदीप,प्रेम,अभिषेक,सत्यप्रकाश, रितेश सौरभ, संतोष, अरविन्द एवम समस्त कर्मचारी गण उपस्थित थें।

पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के आहवान पर बीपीएससी अभ्यर्थियों के मांगों के समर्थन में छात्र युवा शक्ति ने किया सड़क जाम

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के आवाहन पर बीपीएससी अभ्यर्थियों के मांगों के समर्थन में छात्र युवा शक्ति भोजपुर के द्वारा आरा के धोबीघाटवा राष्ट्रीय राज मार्ग को जाम किया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व जाप जिला अध्यक्ष आशुतोष सिंह ने बताया कि बीपीएससी अभ्यर्थी के सभी मांगे जायज है और उनको सरकार के द्वारा जल्द ही मान लेनी चाहिए। इस कड़ाके की ठंड में बीपीएससी अभ्यर्थी पटना के गर्दनीबाग में पिछले 16-17 दिनों से लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन उनको सरकार लगातार अनदेखी कर रही है। युवा और छात्रों के साथ खिलवाड़ ठीक नहीं है। छात्र और युवा देश के भविष्य होते है। वही जाप नेता डॉक्टर बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि जब तक अभ्यर्थियों की मांगे सरकार नहीं मान लेती है तब तक इस तरह की धरना प्रदर्शन, रोड जाम छात्र युवा शक्ति भोजपुर करती रहेगी । वही जाप नेता रघुपति यादव ने बताया कि इस कड़ाके की ठंड में पटना के गर्दनीबाग में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं अभ्यर्थियों के साथ लाठी डंडे की बौछार के साथ-साथ वॉटर कैनल से पानी बरसाना कहां तक जायज है, मानवाधिकार भी इस मामले में कुछ नहीं बोल रही है।

नीतीश सरकार को इसके प्रति सकारात्मक रवैया अपनाने की जरूरत है ।जाप नेता मनोज सिंह ने बताया कि पटना के गर्दनीबाग में धरना प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर लाठी बरसाना बिल्कुल ही जायज नहीं है और वहां के सिटी एसपी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दोषी पुलिस कर्मियों पर सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है जाप नेता संजय यादव उर्फ.नेताजी ने बताया कि पटना के गर्दनीबाग में बैठे अभ्यर्थियों पर जो ऐफ आइ आर की गई है उसको तुरंत वापस लेनी चाहिए यह कहीं से वाजिब नहीं है । इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय कुमार सुमन, सुजीत कुशवाहा, मनोज यादव, कुणाल सिंह, अभिनव सिंह, गुड्डू यादव, रवि शंकर सिंह, रंजीत कुमार पप्पू, छात्र नेता रजनीश यादव, राम तपस्या यादव एवं सैकड़ो कार्यकरता मौजूद थे।

भारतीय चन्द्रवंशी क्षत्रिय महासभा भोजपुर सह शाहाबाद प्रक्षेत्र के संस्थापक जीतू चन्द्रवशी के पिता का हुआ निधन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। नवासी वर्षिय शिवगंज निवासी गोपाल का देहांत हो गया,जो की समाजिक कार्यकरता,मां आरण्य देवी ट्रस्टी सदस्य, आरा बड़ी मठिया ट्रस्टी सदस्य, बिहार राज्य श्री बॉल सचिव बिहार,संस्थापक अखिल भारतीय चन्द्रवशी क्षत्रिय महासभा भोजपुर सह शाहाबाद प्रक्षेत्र के संस्थापक जीतू चन्द्रवशी के पिता थे।आरा के वर्तमान सासंद सुदामा प्रसाद ने सबसे पहले पहुंच कर गोपाल के पार्थिक शरीर पर माल्यार्पण किय।उनके साथ पहुँचे भाकपा माले के वरिष्ट नेता दिलराज प्रितम ने भी माल्यार्पण किया।उसके बाद अखिल भारतीय चन्द्र वंशी क्षत्रिय महासभा भोजपुर के वरीय पदाधिकारी संजय कुमार चन्द्रवंश,जगदीश सिंह चनदरवशी,उपाध्यक्ष अनिल कुमार चन्द्रवशी,मायाशंकर चन्द्रवंशी,मूना जी,बबन रवानी एवम पूर्व अध्यक्ष सतीश मूना थे।

चित्रांश समितिआरा के तरफ से भी माल्यार्पण किया गया जिसमे डॉ निर्मल,मणी भूषण श्रीवास्तव, सचिन जी,सुनिल जी शामिल थे।अन्य मुख्य लोगो मे राहुल विश्वकर्मा,विजय कुमार पटना,वरीय अधिवक्ता मो0 अरशद, मनोज कुमार, भरत जी वर्मा,मूना गुप्ता,भरत सिंह कहेन,दिपक गुप्ता,जीतेन्द्र यादव, कविराज, सतेनदर कुमार थे।अन्त मे सासंद सुदामा प्रसाद के नेतृत्व मे एक मिनट का मौन रखा गया।पहला कंधा सांसद ने दिया,आरा के गांगी घाट पर अंतिम संस्कार हुआ।

बादल हत्याकांड निरंकुश सरकार एवं पुलिसिया दमन का नमूना है :सुधाकर सिंह

प्रातः किरण संवाददाता

रोहतास। जिला के सासाराम यातायात डीएसपी आदिल बिलाल एवं बर्थडे पार्टी कर रहे युवकों के साथ झड़प के दौरान गोली से हुई हत्या मामले में पीड़ित परिवारों से मिलने आए राजद से बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने बिहार सरकार को जमकर कोसा। सुधाकर सिंह ने कहा कि बिहार में जिस तरह निरंकुश सरकार चल रही है और जिस तरह पूरे बिहार में पुलिसिया दमन चल रहा है उसका एक नमूना है सासाराम की घटना। एक दुर्दांत पुलिस अधिकारी अपने सरकारी हनक एवं पागलपन में निर्दोष नौजवान की हत्या कर देता है, लेकिन घटना के आठ दिन बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिससे प्रतीत होता है कि इस पूरे मामले में भाजपा के लोग शामिल हैं और इसे रफा दफा करना चाहते हैं। वहीं पुलिस अधिकारी को बचाने के सवाल पर सुधाकर सिंह ने कहा कि जब एक पुलिस अधिकारी पर निर्दोष युवक की हत्या का आरोप है और इस बात को दर्ज एफआईआर में भी स्वीकार किया गया है तो समझ में नहीं आता की पुलिस इसमें क्या जांच करेगी। इसमें न्यायिक जांच होनी चाहिए थी और जब तक न्यायिक फैसला नहीं आ जाता तब तक पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर जेल भेजा जाना चाहिए। राजद सांसद सुधाकर सिंह ने विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिन लोगों ने जुल्म किया अब वही न्याय के लिए आ रहे हैं। अगर सरकार के लोग दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के बाद परिजनों से मिलने आते तो लगता कि वाकई इन्हें हमदर्दी है, लेकिन सरकार इस पूरे मामले में लीपापोती कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में राक्षस और रावण राज्य चल रहा है। पहले अपराधी लोगों को गोली मारते थे। लेकिन अब सत्ता के तंत्र द्वारा हीं लोगों को गोली मारी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

आरा बनाम आकाशी के बीच खेला गया फाइनल मैच, आकाशी की टीम ने जीत हासिल की

नोखा। बाजार समिति के मैदान में स्वर्गीय राहुल बाबा क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था जो की 3 जनवरी को आरा बनाम आकाशी के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया मैच आठ ओवर कथा पहले बल्ले करते हुए आकाशी के टीम ने 8 ओवर में 51 रन बनाकर आरा को टीम को 52 रन बनाने के लिए लक्ष्य दिया जो की आरा के टीम ने 8 ओवर में 34 रन बनाकर ऑल आउट हो गए आकाशी के टीम जीत हासिल कर ली फाइनल मैच का उद्घाटन पूर्व जिला परिषद रविशंकर सिंह के द्वारा फीता काटकर किया गया मैन ऑफ द मैच एवं मैन ऑफ द सीरीज आकाशी के टीम के युवराज सिंह को दिया मौके पर उपस्थित उपसभापति धनजी सिंह,पवन कुमार, अजीत प्रसाद, वीर बहादुर सिंह सिंह कई लोग मौजूद थे।

कैसे बने एक उद्यमी विषय पर किया गया सेमीनार का आयोजन

डिहरी(रोहतास)। जगजीवन कॉलेज, डेहरी में कैसे बने उद्यमी विषय का एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार को जाने-माने उद्यमी एवं शिक्षक अभिषेक सांकृत, जो बीएचयू के पर्यटन प्रबंधन अध्ययन मंडल के सदस्य भी हैं, और डॉ. पूजा सिंह, सहायक प्रोफेसर ने संबोधित किया। इस सत्र का सफल संचालन जगजीवन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बलराम सिंह ने किया। मौके डॉ. अशोक कुमार सिंह, डॉ. कमता प्रसाद, डॉ. शशि सिंह, कंप्यूटर शिक्षक गितेश कुमार सहित कॉलेज के अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। अभिषेक सांकृत ने छात्रों को अपने स्टार्टअप की योजना बनाने का एक विशेष कार्य सौंपा। अभिषेक सांकृत ने डेहरी में एक इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा।

कलवार कल्याण समिति द्वारा 5 जनवरी को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रक्सौल। कलवार कल्याण समिति के द्वारा अपने सामाजिक सरोकार के तहत आगामी 5 जनवरी को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा। शहर के पोस्ट ऑफिस रोड स्थित श्री राम जानकी मंदिर विवाह भवन में शिविर के आयोजन को लेकर आवश्यक तैयारियां की जा रही है। इसकी जानकारी देते हुए कलवार कल्याण समिति के मीडिया प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि 5 जनवरी रविवार को आयोजित होने वाले स्वास्थ्य शिविर में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. उमेश कुमार आदि थे।

जीएम ने की बैंक प्रतिनिधियों के साथ पीएमईजीपी तथा पीएमएफएमई योजना की समीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

डेहरी(रोहतास)। महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, रोहतास की अध्यक्षता में जिले के सभी बैंक प्रतिनिधियों के साथ उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में पीएमईजीपी तथा पीएमएफएमई योजना की समीक्षा की गयी। समीक्षा में पाया गया कि पीएमईजीपी योजना में जिले के लक्ष्य 212 के विरूद्ध 224 स्वीकृत तथा 126 लाभुकों को भुगतान किया गया है। भुगतान का यह संख्या पिछले महीने केवल 51 था जो इस महीने में प्रथम सप्ताह में ही बढ़कर 75 अधिक हुए हैं। इस उपलब्धि को महाप्रबंधक द्वारा विभिन्न बैंकों को पोर्टल पर अपलोड करने का आग्रह किया गया। पीएमएफएमईयोजना में अपेक्षाकृत कम उपलब्धि होने के कारण उनके द्वारा सभी बैंक प्रतिनिधियों से आवेदन सृजन हेतु विशेष कैम्प लगाने का आह्वान किया गया जिसमें इस कार्यालय के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। बैठक में उपस्थित अग्रणी बैंक प्रबंधक से जिला प्रोफाईल बनाने हेतु टरटए क्षेत्र में विभिन्न बैंकों द्वारा दिए गए ऋण सहायता से संबंधित उद्योगों के विवरण की मांग की गयी।इस बैठक में इन दोनों योजनाओं के स्वीकृति तथा भुगतान की कार्यवाई हर हाल में इस माह में पूरा कर लेने का आह्वान किया गया।

भारत की प्रथम अध्यापिका सावित्रीबाई फुले की मनाई गई जयंती

बिक्रमगंज (रोहतास)। भारत की प्रथम अध्यापिका सावित्रीबाई फुले की जयंती शुक्रवार को सासाराम रोड स्थित मुन्नी सिंह मार्केट में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। माली मालाकार कल्याण समिति जिला अध्यक्ष संतोष भंडारी द्वारा आयोजित जयंती समारोह में कई लोगों ने भाग लिया।

इस दौरान माता सावित्रीबाई फुले एवं महान सामाजिक सचेतक महात्मा ज्योतिबा फुले के तैल चित्र पर लोगों ने पुष्प अर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संदेश देते हुए अधिवक्ता जयराम प्रसाद ने कहा कि एक समय था जब शोषितो सहित महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था।

सदियों से चली आ रही इस अमानवीय व्यवस्था को सावित्रीबाई फुले ने अपने पति ज्योतिबा फुले के साथ कम से कम मिलाते हुए संघर्ष के बल पर समाप्त करने का काम किया। परिणाम स्वरूप महिलाओं सहित शोषित वर्ग को शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार प्राप्त हुआ।

जिलाधिकारी, भोजपुर की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति का किया गया बैठक

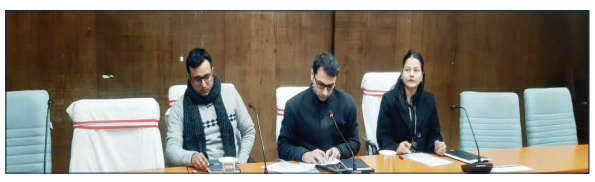

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। समाहरणालय सभागार में जिलाधिकारी, भोजपुर की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उप विकास आयुक्त, भोजपुर, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला परियोजना पदाधिकारी, जिला गंगा समिति, भोजपुर, एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिले से जुड़े पर्यावरण प्रदूषण के दूरगामी दुष्प्रभावों और उनके उचित समाधान पर गहन चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि जिले में पर्यावरण को सुंदर और स्वच्छ बनाए रखना है, तो कचरे का सही निष्पादन अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही आम जनमानस की सहभागिता, जैसे पौधारोपण, जल संरक्षण और भूमि संरक्षण जैसे मुद्दों पर विशेष सहयोग की जरूरत है। जिलाधिकारी ने नगर निकाय और नगर निगम से उत्पन्न कचरे का डंपिंग यार्ड में ही निष्पादन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन नगर निकायों में अब तक लाइन फील्ड डंपिंग यार्ड का चयन नहीं हुआ है, वहां यह प्रक्रिया यथाशीघ्र पूरी की जाए। इसके अतिरिक्त, जिले के तालाबों और पोखरों का चयन कर उन्हें सुंदर पार्क के रूप में विकसित करने की योजना बनाई जाए।

व्यवसाईयों के द्वारा गरीबों के बीच कंबल का वितरण

आरा। भोजपुर ठंड का प्रकोप देखते हुए शहर के व्यवसाययों के द्वारा शीतलहर के बीच गरीबों और जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया समाजसेवी एवं व्यवसाई पंकज प्रभाकर ,सोनू सराओगी, आदित्य गोयनका ,राजा भाटिया, नागेंद्र प्रसाद ,रानू चौरसिया ,निशु श्रीवास्तव, अमित राज, आज सड़क के किनारे और स्टेशन परिसर के 1,2,3 प्लेटफार्म पर जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण का कार्य किया. इन लोगों का मानना है की ठंड के प्रकोप में अभाव की कमी से किसी की जान नहीं जानी चाहिए इसलिए हर व्यक्ति का कर्तव्य बनता है कि वह गरीब और सहयोग की मदद करें।

सीओ मकसूदन चौरसिया के द्वारा प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की गई

नोखा। अंचल कार्यालय के नेतृत्व में तीन जगहों पर अलाव की व्यवस्था की है। बढ़ती ठंड एवं शीतलहरी को देखते हुए सीओ मकसूदन चौरसिया के नेतृत्व में नोखा नगर के पश्चिमी पट्टी सरकारी अस्पताल के पास एवं बरांव गांव में आदि विभिन्न स्थानों पर लकड़ी के अलाव जलवाए जा रहे हैं। अलाव की व्यवस्था से क्षेत्र के लोगों एवं राहगीरों को ठंड से काफी हद तक निजात मिल रहा है। सीओ ने बताया कि इसके अलावा ठंड के मद्देनजर प्रत्येक जगहों पर अलाव की व्यवस्था की जाएगी।सुबह और शाम के समय में अलाव जलवाकर लोगों को सर्दी में राहत दिए जाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि ठंड से बचने के लिए अपने घर को गर्म रखें, इसके लिए पर्दे, दरवाजा आदि का प्रयोग करें और बच्चों को गर्म कपड़े पहनाएं। साथी घर से बाहर निकलने पर ऊनी कपड़े पहने एवं टोपी से अपने सर को ढ़कें।

आरा शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत शहर के सभी वार्ड परिषद व मेयर के साथ किया गया बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

आराःचंदवा स्थित एक रिसॉर्ट में स्वास्थ्य विभाग का उन्मुखीकरन कार्यक्रम हुआ ।यह कार्यक्रम शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत शहर के सभी वार्ड परिषद व मेयर के साथ यह बैठक हुई। इसको उनमुखीकार्यक्रम का संचालन डीएएम अश्विनी कुमार ने किया, अध्यक्षता सिविल सर्जन भोजपुर, डॉ शिवेंद्र कुमार सिन्हा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ के एन सिन्हा ने किया। सिविल सर्जन डॉ सिन्हा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम, सदर अस्पताल के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ,अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रेफरल अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल के साथ-साथ सभी हेल्थ एंड वैलनेस केंद्र पर कार्य हो रहा है। शहर की आबादी ज्यादा होने से शहर में शहरी स्वास्थ्य केंद्र कार्य कर रहे हैं, धनुपरा ,गौसगंज, मौला बाग और अनाईथ में ।शहर के 45 वार्ड के सभी वार्ड पार्षद से अनुरोध है कि यह अपने लोगों को इन केदो से स्वास्थ्य सुविधा मुहैया उपलब्ध कराने में सहयोग करें ,खासकर टीकाकरण और परिवार कल्याण कार्यक्रम में।

पांच जनवरी को मो. रफी की याद में भव्य कार्यक्रम किया जाएगा आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। प्रेम का सुसाज संस्था के बैनर चले नागरी प्रचारिणी सभागार में हरदिल अजीज गायक मो. रफी जन्मशताब्दी समारोह आयोजित किया जाएगा। इसकी तैयारियां अंतिम चरण में है।इस आयोजन के संयोजक शमशाद प्रेम ने बताया कि 5 जनवरी को मो. रफी की याद में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मो. रफी के अलावा उनके साथ गाए हुए अन्य कलाकारों के 100 गीतों की प्रस्तुति की जाएगी। रिहर्सल प्रभारी सह संगीत शिक्षक धर्मेंद्र कुमार की देखरेख में गानों का रिहर्सल जारी है।

कार्यक्रम के दौरान देश के विभिन्न हिस्से से आए प्रमुख व्यक्तियों का संदेश और रफी साहब के बेटे शाहिद रफी के आरा में आयोजित कार्यक्रम का वीडियो भी प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया जाएगा। वही कार्यक्रम के दौरान ऑडियंस से भी रफी साहब के व्यक्तित्व और कृतित्व से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। सही जवाब देने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल कलाकारों को भी सम्मानित किया जाएगा।इसके पूर्व शहर के विभिन्न हिस्से में मो. रफी जन्म शताब्दी समारोह को यादगार बनाने के लिए पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। मो. रफी को पुण्य की प्राप्ति के लिए कुरानखानी का भी आयोजन किया गया था। संयोजक ने मो. रफी के चाहने वालों और संगीत प्रेमियों समेत अन्य लोगों से इस आयोजन में अधिकाधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

जाप युवा शक्ति का रेल रोको व बिहार बंद अभियान फेल, सड़कों पर नहीं उतरे जाप कार्यकर्ता

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम(रोहतास) : 70वीं बीपीएससी परीक्षा में अनियमितता के बाद पुनः परीक्षा कराने एवं रेलवे बोर्ड द्वारा खाली पदों पर बहाली नहीं निकालने को लेकर जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पप्पू यादव के आह्वान पर शुक्रवार को जिला मुख्यालय सासाराम में रेल चक्का जाम किया गया। हालांकि सासाराम में जन अधिकार पार्टी का विरोध प्रदर्शन पूरी तरह फिका रहा तथा गिने चुने जाप कार्यकर्ता हीं सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करते दिखाई दिए। साथ हीं जाप के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए रेलवे स्टेशन सासाराम पर भी आरपीएफ एवं जीआरपी की संयुक्त टीम पहले से हीं चौकस दिखाई दी और रेल यातायात को बाधित करने के उद्देश्य से स्टेशन पर पहुंचे गिने-चुने कार्यकताओं को स्टेशन परिसर से बाहर हीं रोक दिया गया। इस दौरान जाप युवाशक्ति इकाई के कार्यकताओं ने प्रदर्शनकारी छात्रों के समर्थन में आवाज बुलंद की तथा सरकार के तानाशाही रवैए के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जाप नेता लाल साहेब सिंह ने कहा कि बीते दिनों बीपीएससी परीक्षा के खिलाफ पटना में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुई लाठी चार्ज के खिलाफ युवा शक्ति द्वारा सांकेतिक बंद का आह्वान किया गया था जिसको लेकर आज सभी कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे हैं। उन्होंने कहा कि बीपीएससी की तैयारी करने वाले छात्र बीते कई दिनों से पुनः परीक्षा कराने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन सरकार द्वारा उन पर लाठी चार्ज किया जा रहा है और इस दौरान एक कार्यकर्ता की मौत भी हो गई है। इसी को लेकर जाप सुप्रीमो पप्पू यादव के निर्देश पर पूरे बिहार में प्रदर्शन चल रहा है तथा पीड़ित छात्र सोनू कुमार के परिजनों को जन अधिकारी पार्टी मुआवजा देने की मांग करती है। विरोध प्रदर्शन के दौरान जाप जिला अध्यक्ष इंजीनियर विशाल कुशवाहा, युवा शक्ति के प्रदेश अध्यक्ष तोराब नियाजी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मां की इक्षा पूरी करने के लिए बेटे ने बनवाया भव्य शिव मंदिर

आराःअपनी माँ की इक्षा पूरी करने के लिए बेटे ने एक भव्य शिव मंदिर का निर्माण करा दिया ताकि मां की आखिरी इक्षा पूरी हो सके, भोजपुर जिले के आरा सदर प्रखंड के तेतरिया रामपुर मठिया गॉव के युवक भीम सिंह उर्फ नीरज कुमार सिंह अपने गांव में विशाल शिव मंदिर का निर्माण करवा रहे है ,वही इस मंदिर का निर्माण कार्य 2 जून 2024 से शुरू हुआ है और एक अब यह मंदिर का निर्माण कार्य समाप्ति की ओर है इस मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर तेतरिया रामपुर मठिया गांव में आगामी 19 जनवरी से 25 जनवरी तक भव्य प्राण प्रतिष्ठमक यज्ञ का आयोजन किया गया है जिसमें 19 जनवरी को भव्य जलभरी कलश शोभा यात्रा निकाली जाएगी एवं 24 तारीख को विधिवत रूप से प्रकांड विद्वान ब्राह्मण लोगों के द्वारा भगवान भोलेनाथ का प्राण प्रतिष्ठा कराया जाएगा, वही 25 जनवरी को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है इसके साथ ही विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें भोजपुरी जगत के कई नामचीन सितारे उसमें आएंगे,इस संदर्भ में भीम सिंह ने बताया कि उनकी मां सुधा सिंह की इच्छा थी कि गांव में एक सुंदर खूबसूरत शिव मंदिर का निर्माण कराया जाए वही अपनी मां से प्रेरणा लेते हुए भी सिंह ने मंदिर निर्माण का बीड़ा उठाया और यह भव्य विशाल मंदिर अब अपनी पूर्णता की ओर अग्रसर है वही मंदिर निर्माण होने से एक गांव के लोग भी काफी खुश हैं इसको लेकर अब जोरदार तैयारी भी चल रही है।

केसीटीसी कॉलेज के नए प्रभारी प्राचार्य बनने पर डॉ. जिछु पासवान का हुआ स्वागत

रक्सौल। स्थानीय शहर स्थित बिहार विश्वविद्यालय की अभिभूत इकाई केसीटीसी महाविद्यालय के नये प्रभारी प्राचार्य नियुक्ति पर प्रो. (डॉ.) जिछु पासवान का स्वागत छात्र नेता प्रशांत कुमार ने अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर समानित एवं स्वागत किया। मौके पर प्रो. प्रेम प्रकाश, प्रो. सैफुलाह, कुमार अमित, प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव, चंदन कुमार, समरजीत कुमार, आलोक कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

सावित्रीबाई फुले एजुकेशन सोसाइटी द्वारा जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

रोहतास। डेहरी स्थित रामारानी जैन बालिका 10+2 विद्यालय में सावित्रीबाई फुले एजुकेशन सोसाइटी के द्वारा सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि लोजपा (रामविलास) के प्रदेश महासचिव सह बक्सर लोकसभा प्रभारी राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह एवं जमुहार पैक्स अध्यक्ष प्रभात रंजन सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आगाज किया गया। जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में इंद्रपुरी उच्च विद्यालय,भड़कुडिया उच्च विद्यालय,शिवपुरी उच्च विद्यालय, और रामारानी जैन बालिका उच्च विद्यालय की टीम ने भाग लिया। जिसमें इंद्रपुरी उच्च विद्यालय की टीम ने भड़कुडिया उच्च विद्यालय की टीम को पराजित कर जीत अपने नाम दर्ज कराया।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा विजेता इंद्रपुरी उच्च विद्यालय की टीम को प्रथम पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

डीएम ने जनता दरबार में 14 परिवादियों की सुनी फरियाद

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी कुमार गौरव के द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में 14 परिवादियों के फरियाद को सुना गया। परिवादियों द्वारा भूमि विवाद, अनियमितता, अतिक्रमण, रजीस्ट्री, लगान, नल जल योजना, नगर परिषद, आईसीडीएस, विद्युत विभाग, पंचायती राज विभागी, ग्रामीण कार्य विभाग एवं अन्य विभागों से संबंधित मामले थे। फरियादियों के आवेदनों के शीघ्र निष्पादन हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिये गये। अरवल प्रखण्ड स्थित ग्राम तेजपुरा निवासी राजेन्द्र सिंह द्वारा बताया गया कि मेरा खरीदारी जमीन समनपुरा मौजा में स्थित है, जो उष्मान मियाँ एवं अरूण कुमार द्वारा अतिक्रमण कर ईट का घर निर्माण कर दुकान खोल दिया गया है। अंचलाधिकारी अरवल द्वारा इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, अतिक्रमण मुक्त करवाने की कृपा की जाए। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा अंचलाधिकारी, अरवल को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया। करपी प्रखण्ड स्थित ग्राम खेदरू बिगहा निवासी पुनम देवी द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत पुराण के मुखिया द्वारा मनमानी की जा रही है। मुखिया द्वारा बिना किसी के हस्ताक्षर कराये कागज पर कार्यव्यन दिखाकर सरकारी राशि का दूरूपयोग किया जा रहा है। जाँच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की कृपा की जाए। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा जिला पंचायती राज पदाधिकारी अरवल को आवश्यक जाँच कराकर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु निदेशित किया गया। कुर्था प्रखण्ड स्थित केमदारचक निवासी अमरजीत पासवान द्वारा बताया गया कि पुरी कागजात जमा करने के बाद भी अंचलाधिकारी कुर्था द्वारा लगान का निर्धारण नहीं किया जा रहा है। लगान निर्धारण करवाने की कृपा की जाए। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा अंचलाधिकारी कुर्था को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया।

कुर्था नगर पंचायत में पैक्स चुनाव को लेकर बढ़ी चुनावी सरगर्मी

कुर्था नगर पंचायत के खेमकरण सराय में 1586 मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

- 16 से 18 जनवरी को होगा नामांकन व 29 जनवरी को होगा मतदान

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था नगर पंचायत के चुनाव के निम्नलिखित तिथि

- 16.जनवरी से 17 जनवरी तक नामांकन
- 18.से 20 जनवरी समीक्षा
- 22.01.2025 नाम वापसी/ प्रतीक आवंटन
- 29.01.2025 मतदान और मतगणना

कुर्था (अरवल)। प्राथमिक कृषि सहयोग साख समिति पैक्स चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने तारीखों का ऐलान कर दिया है तारीखों के ऐलान होते ही कुर्था प्रखंड के खेमकरण सराय नगर पंचायत में चुनावी सरगामी तेज हो गई है कुर्था नगर पंचायत के पैक्स अध्यक्ष के भाबी प्रत्याशी अभी से ही मतदाताओं को रिझाने में जुट गए हैं शहर के चौक चौराहों से लेकर गांव की गलियों में पैक्स चुनाव की चचाएं होने लगी है वही इस बार पैक्स चुनाव में चुनावी मैदान में आने का मन बना चुके प्रत्याशी अपने-अपने मतदाताओं को गुलबंद करने में जुट गए हैं जिन-जिन मतदाताओं को पैक चुनाव के मतदाता सूची में नामदर्ज है वैसे-वैसे मतदाताओं से पैक्स अध्यक्ष के भाबी प्रत्याशी अभी से ही मिलना जुलना प्रारंभ कर दिए हैं साथ ही उनके सुख-दुख में शामिल होना भी शुरू हो गया है बिहार सहकारिता अधिनियम में किये गये संशोधन एवं सहकारिता विभाग, बिहार सरकार की अधिसूचना के तहत प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) का निर्वाचन कराने का निर्णय लिया गया है प्राथमिक कृषि साख समितियों के निर्वाचन हेतु सविरोध निर्वाचन की स्थिति में, मतदान 29 जनबरी 2025 दिन बुधवार की तिथि निर्धारित की गई है।

प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) के निर्वाचन हेतु निम्नांकित कार्यक्रम निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सूचना का प्रकाशन होते ही प्रखंड क्षेत्र के खेमकरण सराय नगर पंचायत में इन दिनों चुनावी हलचल तेज हो गई है प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी अभय कुमार ने बताया कि कुर्था नगर पंचायत में पैक्स चुनाव को लेकर 1586 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे

महिला शिक्षावादी सावित्रीबाई फुले की मनायी गयी जयंती

- सावित्रीबाई फुले असमानता और अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी:विकास कुमार

प्रातः किरण संवाददाता

करपी । स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के मखमिलपुर में महिला शिक्षा वादी सावित्रीबाई फुले के श्रद्धा पूर्वक के जयंती समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष विकास कुमार ने की। विकास कुमार ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने भारत की पहली महिला शिक्षा थी उन्होंने जो महिलाओं और दलित वर्गों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया था जो की सराहनीय है। सावित्रीबाई फुले का जन्मदिन जनवरी 1831 को हुआ था उन्होंने अपने पति महात्मा ज्योतिराव फूले के साथ मिलकर महिलाओं के लिए पहला विद्यार्थी स्थापित किया था । सावित्रीबाई फुले ने समाज में व्यापक असमानता और अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी और महिलाओं को शिक्षित करने के लिए बहुत अपने योगदान दिया था । सावित्रीबाई फुले के योगदान के लिए बराबर हमेशा के लिए याद किए जाते हैं उन्हें भारतीय इतिहास के पन्ने में दर्ज है। सावित्रीबाई फुले को महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में सम्मानित किया जाता है । इस मौके पर भाजपा एससी मोर्चा के सभी पदाधिकारी एवं मंडल के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

पुरुषोत्तम तिवारी बने शब्दवीणा पश्चिम बंगाल प्रदेश समिति के संरक्षक

समस्त शब्दवीणा परिवार के लिए हर्ष तथा गौरव का विषय:प्रो. रश्मि प्रियदर्शनी

प्रातः किरण संवाददाता

गया। राष्ट्रीय साहित्यिक-सह-सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा के राष्ट्रीय परामर्शदाता मंडल के सम्मानित सदस्यों में से एक, श्रीराम कथावाचक, शिक्षाविद एवं साहित्यानुरागी पुरुषोत्तम तिवारी को शब्दवीणा पश्चिम बंगाल प्रदेश समिति का संरक्षक बनाया गया है। शब्दवीणा की संस्थापक-सह-राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी ने शब्दवीणा पश्चिम बंगाल प्रदेश संरक्षक के रूप में कोलकाता में निवास कर रहे श्री तिवारी के मनोनयन को शब्दवीणा पश्चिम बंगाल प्रदेश समिति ही नहीं, अपितु समस्त शब्दवीणा परिवार के लिए हर्ष तथा गौरव का विषय बताया है। वहीं श्री तिवारी ने शब्दवीणा पश्चिम बंगाल प्रदेश संरक्षक के रूप में दायित्व दिये जाने पर परमपिता परमेश्वर सहित समस्त शब्दवीणा परिवार के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि शीघ्र ही शब्दवीणा पश्चिम बंगाल प्रदेश समिति के बैनर तले कवि सम्मेलन एवं अन्य साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। साथ ही, पश्चिम बंगाल में भी शब्दवीणा की जिला समितियों का गठन किया जायेगा।

हिन्दी पत्रकारिता से संलग्न रहे श्री तिवारी को शब्दवीणा पश्चिम बंगाल प्रदेश संरक्षक बनाये जाने पर वरिष्ठ पत्रकार स्वयं प्रकाश, लोकनाथ तिवारी, धीरेन्द्र पांडेय, रजनीश वाजपेयी, साहित्यकार कमलेश मिश्र, कवि गिरिधर राय, काली प्रसाद दुबेला, वंशीधर शर्मा, मुंगेर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रणजीत कुमार वर्मा, शब्दवीणा के राष्ट्रीय संरक्षक महावीर बजाज, राष्ट्रीय परामर्शदाता मंडल के सदस्य डॉ प्रेम शंकर त्रिपाठी, डॉ. राधानंद सिंह, प्रदीप शुक्ल, राजन सिजुआर, अजीत अग्रवाल, शब्दवीणा के राष्ट्रीय संयोजक-सह-उपाध्यक्ष कौशल किशोर त्रिवेदी, राष्ट्रीय सचिव महावीर सिंह वीर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ संतोष संप्रीति, राष्ट्रीय उप संगठन मंत्री पंकज मिश्र, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री डॉ. रवि प्रकाश, शब्दवीणा पश्चिम बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष कवि रामनाथ बेखबर, प्रदेश उपाध्यक्ष हीरा लाल साव, प्रदेश सचिव रामपुकार सिंह, प्रदेश संगठन मंत्री रणविजय श्रीवास्तव, प्रदेश कोषाध्यक्ष रामाकांत सिन्हा, प्रदेश साहित्य मंत्री ज्ञानप्रकाश पांडेय, प्रदेश प्रचार मंत्री कमल पुरोहित, शब्दवीणा बिहार प्रदेश के संरक्षक प्रो. सुबोध कुमार झा, प्रदेश संगठन मंत्री प्रो. दीनानाथ, प्रदेश प्रचार मंत्री डॉ. गोपाल निर्दोष, गुजरात प्रदेश उपाध्यक्ष नंद किशोर जोशी, लखनऊ जिला संरक्षक कर्नल आदि शंकर मिश्र एवं अध्यक्ष शैली त्रिपाठी, उपाध्यक्ष सुशील बाजपेयी सहित समस्त शब्दवीणा परिवार ने हार्दिक खुशी जतायी है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने बंगाल के खड़गपुर में खोली नई शाखा

प्रातः किरण संवाददाता

खड़गपुर। एक्सिस म्यूचुअल फंड ने खड़गपुर, पश्चिम बंगाल में अपनी नई शाखा के उद्घाटन की घोषणा की है। यह विस्तार खड़गपुर क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में निवेश के अवसरों और वित्तीय सशक्तिकरण को व्यापक बनाने की एक्सिस म्यूचुअल फंड की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। नई शाखा शेख टॉवर, इंदा ओटी रोड, खड़गपुर कॉलेज के पास, पश्चिम मेदिनीपुर में स्थित है। इसका उद्घाटन संतोष सिंह, आरआरबीएच, ईस्ट और साउथ, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने किया। उद्घाटन पर टिप्पणी करते हुए रिटेल सेल्स के राष्ट्रीय प्रमुख रोहित मद्धु ने कहा कि हम खड़गपुर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने और अपनी निवेश विशेषज्ञता को यहां के जीवंत समुदाय के करीब लाने के लिए रोमांचित हैं।ह्व यह पहल देश भर में निवेशकों के लिए वित्तीय अवसरों का विस्तार करने और म्यूचुअल फंड में व्यापक भागीदारी की सुविधा प्रदान करने के लिए फंड हाउस की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

शिक्षा शास्त्र विभाग एवं सृष्टि महिला स्वाभिमान ट्रस्ट के बीच एमओयू पर हुआ हस्ताक्षर

प्रातः किरण संवाददाता

गया। शुक्रवार का दिन गया कॉलेज के शिक्षा शास्त्र विभाग के लिए अविस्मरणीय रहा है। कॉलेज के प्राचार्य डा सतीश सिंह चंद्र के दिशानिर्देश पर शिक्षा शास्त्र विभाग में सृष्टि स्वाभिमान महिला ट्रस्ट के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ। शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागध्यक्ष डॉ धनंजय धीरज ने बताया कि सृष्टि महिला स्वाभिमान ट्रस्ट के साथ साझा करार के उपरांत महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में आपसी सामंजस्य बनाकर आगे कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही महिला सृष्टि स्वाभिमान ट्रस्ट के द्वारा शिक्षा शास्त्र विभाग की उन तीन छात्राओं को जिनकी उपस्थिति कक्षा में सर्वाधिक है।उन्हें मासिक छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी।विभाग में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए यह छात्रवृत्ति अभिप्रेरणा का कार्य करेगी। कक्षा में अच्छी उपस्थिति सुनिश्चित करने में यह नवाचारी प्रयोग मील का पत्थर साबित होगा।डॉ धीरज ने बताया कि भविष्य में भी और कई ऐसी योजनाएं हैं जिनको दोनों संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में क्रियान्वित किया जाएगा, जिसमें प्रमुख रूप से मलिन बस्तियों में रहने वाली महिलाओं के लिए स्वस्थ और शिक्षा संबंधी जागरूकता अभियान शामिल है। विभाग की छात्राओं द्वारा मलीन बस्तियों में रहने वाली ऐसी बच्चियां जो विद्यालय जाने से वंचित है उन्हें विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करने में सहायता प्रदान करेंगी।

शिक्षा की मुख्य धारा से उन्हें जोड़ेगी।इस मौके पर सृष्टि महिला स्वाभिमान ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष और मगध विश्वविद्यालय के पूर्व संकायाध्यक्ष सह अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व विभाग अध्यक्ष डॉ अश्वनी कुमार ने कहा कि इस ट्रस्ट का उद्देश्य है कि समाज में जरूरतमंदों एवं वंचित महिलाओं को समाज के मुख्य धारा में शामिल करना है। विगत कई दशकों से यह संस्था शहर में महिला उत्थान के क्षेत्र में कार्य कर रही है और शिक्षाशास्त्र विभाग के साथ एमओयू हस्ताक्षर करके महिला सृष्टि स्वाभिमान ट्रस्ट ने एक नया अध्याय लिखा है। इसके लिए विभाग के अध्यक्ष डॉ धीरज के प्रति धन्यवाद का भाव रखता हूं।इसके साथ ही साथ भविष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में महिला सृष्टि स्वाभिमान ट्रस्ट की पूर्ण सहभागिता का आश्वासन दिया है।

इस मौके पर शिक्षा शास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ अभिषेक कुमार,डॉ आर एन प्रियदर्शनी निकहत परवीन, अजय शर्मा, मो सदरे आलम,अमरेंद्र कुमार सहित शिक्षकेतर कर्मचारी मुजाहिद इमाम अहमद, अश्वनी कुमार,ताजवार नाज कुमारी संगीता राय, विकाश कुमार, मो साबिर एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

जाप नेता ने किया सड़क जाम कर प्रदर्शन,बीपीएससी की 70 वां का री-एक्जाम: राजीव कन्हैया

प्रातः किरण संवाददाता

गया।70 वां बीपीएससी परीक्षा को री- एग्जाम लेने को लेकर बिहार में आज कई जगह पर रेल चक्का जाम का आह्वान पप्पू यादव के नेतृव किया गया था, पप्पू यादव के नेतृत्व में छात्र युवा शक्ति के द्वारा गया में मानपुर मे प्रदेश वरिष्ठ नेता वजिरंगज विधानसभा प्रत्याशी राजीव कुमार कन्हैया के नेतृत्व में मानपुर स्थित जगजीवन कॉलेज के समीप नेशनल हाईवे पर रोड जाम कर प्रदर्शन किया गया है । कन्हैया ने कहा कि छात्रों को अपने बातो को रखने का हनन किया जा रहा है।जो यह दुर्भाग्य का विषय है। सरकार को मान लेना चाहिए कि जिस तरह बीपीएससी में धांधली हो रही है,इसका रि एग्जाम कराके निष्पक्षता से कराय जाए जो हमारे उज्जवल भविष्य के धरोहर है।जो आज सड़कों पर अपने मांग के लिए आंदोलन में है। उन्हें न्याय मिले,जब जब बिहार में छात्र आंदोलन हुआ है एक बढा रुप में लिया गया है और सरकार को बात माननी पड़ी है।

इसको लेकर पप्पू यादव के नेतृत्व में पूरे बिहार में रेल चक्का जाम किया जा रहा है,उन्होंने मांग किया है कि जब तक अभ्यर्थियों पर किए गए लाठी चार्ज के दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं होती है और 70 वां बीपीएससी परीक्षा को फिर से री-एग्जाम नहीं दिलाया जाता है तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।इस मौके पर मुकेश शर्मा,सतिश वर्मा,मोंटी कुमार,अजित यादव, नवनीत कुमार, सुरजभान सिंह, सेंकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपिस्थति थे।

सावित्रीबाई फुले ने पति के साथ मिलकर महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ी लड़ाइयां:वीणा गिरी

प्रातः किरण संवाददाता

गया।राष्ट्रीय महिला परिषद की जिला मंत्री वीणा कुमारी गिरी ने भारत की प्रथम महिला शिक्षिका राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले की जन्म जयंती सह महिला मुक्ति दिवस के अवसर पर कहा कि सावित्रीबाई फुले द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए बतलाये गए मार्ग का अनुसरण सभी को अपने सच्चे मन और भावना से करना चाहिए।

वे महिला शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की महान प्रणेता थी। उन्होंने हर तरह से महिलाओं के समानता के लिए लड़ाई लड़ी है। सामाजिक सुधारों की उनकी सोच शिक्षा और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी हुई है। इनके द्वारा ही भारत में महिलाओं को शिक्षित करने के लिए सर्वप्रथम विद्यालय की स्थापना की गई है। उन्होंने अपने पति ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर लड़कियों के लिए विद्यालय खोला, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। बदलते दौर में लड़कियों के प्रति हमारी सोच बदल गई है जो उनकी ही देन है। सावित्रीबाई फुले ने अपने पति के साथ महाराष्ट्र में उन्होंने महिलाओं के अधिकारों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।नारी मुक्ति की आंदोलन ने समाज में फैली छुआछूत को मिटाने के लिए भी कड़ा संघर्ष किया और जो समाज में शोषित हो रही महिलाओं को शिक्षित करके न्याय के खिलाफ आवाज उठाना सिखाए। आज की महिलाओं को उनके बताए हुए मार्गों पर चलकर समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए तभी समाज में एकरूपता आएगी।

बाबा बालाजी सालासार में नववर्ष पर भजन कीर्तन किया गया

- ओ बाबा दीदार यूं ही तेरा पाता रहूं, दर पे बुलाता रहे.....

प्रातः किरण संवाददाता

गया। ओ बाबा दीदार यूं ही तेरा पता रहूं,दर पे बुलाता रहे। जब से तेरी चौखट पर सर झुकाया है तब से मेरा..... भजनों की श्रृंखला से श्रद्धालु भक्ति भाव से विभोर हो उठे मौका था श्री सालासर बालाजी परिवार की ओर से शहीद रोड स्थित श्री सालासर बालाजी मंदिर में नए साल के स्वागत पर आयोजित भजन कीर्तन का।प्रभु श्री राम के भक्त हनुमान जी के चरणों में भक्ति अनूप पोद्दार ने भक्तिमय गीत संगीत की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को खूब झुमाया है। गाकर प्रभु इसके पूर्व बालाजी हनुमान को रंग-बिरंगे फूलों और गुलाबों की पंखुड़ियां से अलौकिक श्रृंगार कर भोग प्रसाद अर्पित किया गया है।

मंदिर के प्रधान पुजारी पं सुरेंद्र पाण्डेय के आचार्यतत्व में दीपक पांडेय शास्त्री ने हनुमान स्तोत्र, हनुमत स्तवन के मंत्रोच्चारण से विधि विधान पूर्वक हनुमान जी की आरती उतारी तो पूरा माहौल भक्ति भावना से ओतप्रोत हो गया है। उपस्थित श्रद्धालुओं ने बालाजी हनुमान का दर्शन पूजन कर नव वर्ष 2025 में अपनी असीम सफलता बेहतर उपलब्धियां एवं देश के उन्नति और तरक्की की कामना की है। इसमौके पर प्रवीण मोर ,पवन मोर,परमजीत सिंह पप्पू कथुरिया,विनोद जसरापुरिया, कन्हैया पांडेय समेत कई लोग उपस्थित थे।

बरौनी-पोत्तनूर एवं पटना हावड़ा स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर बरौनी और पोत्तनूर तथा पटना हावड़ा के मध्य चलायी जा रही स्पेशल टेज्नों के परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है । 1.गाड़ी सं. 06055 पोत्तनूर-बरौनी स्पेशल के 03 फेरे की वृद्धि करते हुए इसे अब 11.01.2025 से 25.01.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को परिचालित की जाएगी ।गाड़ी सं. 06056 बरौनी-पोत्तनूर स्पेशल के 03 फेरे की वृद्धि करते हुए इसे अब 14.01.2025 से 28.01.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को परिचालित की जाएगी । गाड़ी सं. 02023 हावड़ा-पटना स्पेशल के 08 फेरे की वृद्धि किया।

बाइक के आमने-सामने की टक्कर में तीन घायल, एक की हालत गंभीर

कुर्था (अरवल) स्थानीय थाना क्षेत्र के राणानगर गांव के समीप बाइक के आमने-सामने की टक्कर में तीन युवक घायल हो गए जिसमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है प्राप्त जानकारी के अनुसार नदौरा गांव निवासी बवन पासवान के पुत्र हरिनंदन कुमार व शिवनंदन कुमार बाइक से अपने गांव नदौरा से कुर्था आ रहे थे वही मानिकपुर गांव निवासी रमाकांत राम के पुत्र राहुल कुमार कुर्था से अपने घर मानिकपुर जा रहे थे तभी दोनों बाइको की राणानगर गांव के समीप आमने-सामने की टक्कर हो गई जिसमें दोनों पर बाइक सवार युवक सड़क पर गिर पड़े आनन फानन में ग्रामीणों के सहयोग से तीनों घायलों यूबको को कुर्था सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सकों ने घायलो को प्राथमिक उपचार किया वहीं राहुल कुमार के हालात गंभीरता को देखते हुए अरवल सदर अस्पताल रेफर कर दी गई इस बाबत कुर्था थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने बताया कि बाइक के आमने-सामने की टक्कर में उक्त घटना घटी।

होमगार्ड जवान सेवानिवृत्त होने पर दी गई विदाई

गया।जिला विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय गया में तैनात होमगार्ड के जवान कन्हैया प्रसाद के सेवानिवृत्ति होने पर शुक्रवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार सचिव अरविंद कुमार दास ने होम गार्ड जवान को माला पहनाकर और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में लोगों का आना जना लगा रहता है। व्यक्ति के द्वारा किये गये कार्य ही यादगार हो जाते हैं।इस मौके पर कार्यालय कर्मचारीगण हादी अकरम, प्रतुल कुमार, हारून रशीद, विकास कुमार, दीपक कुमार सिन्हा, उदय कुमार, अनिल कुमार एवम अंगरक्षक राणा कुमार, होमगार्ड सत्येंद्र प्रसाद आदि उपस्थित थे. सभी कर्मचारियों ने विदाई समारोह में सेवानिवृत्त होमगार्ड कन्हैया प्रसाद के कार्यकाल की भूरी भूरी प्रशंसा की गई है।

बकाया वेतन भुगतान को ले स्वच्छता कर्मियों का प्रर्दशन

बरियारपुर (मुगेर)। विक्षुब्ध स्वच्छता कर्मियों ने प्रखंड कार्यालय पर 24 माह के वेतन भुगतान को लेकर प्रर्दशन किया। प्रदर्शनकारियों ने पहले बरियारपुर हटीया सेड में सेकंडों समर्थकों के साथ एक सूत्री मांग को लेकर बैठक की। बैठक के बाद सभी प्रदर्शनकारी हटीया चौंक से पैदल प्रखंड कार्यालय पहुंचा, जहां प्रखंड स्वचछताग्राही सारिका से संगठन सचिव पवन कुमार ने वार्ता कर आवेदन पत्र सौंप कर मांग को पूरा कराने का आग्रह किया। सचिव पवन कुमार ने कहा कि 15 जनवरी को मुख्यमंत्री जी आ रहे हैं। यदि हमलोगों की मांग पूरी नहीं हुई तो हम स्वच्छता कर्मी मुख्यमंत्री का घेराव करेंगे।

माता सबरी संस्था द्वारा चंदोती गांव में गरिबों को कंबल वितरण किया गया

गया।माता शबरी संस्था के तरफ से बेलागंज के चंदोती गांव और और गांव में कंबल और बच्चों के लिए टोपी का वितरण किया गया है।जिसमें संजय कुमार बरनवाल सुनील कुमार बम्बईया,विनोद प्रसाद सुभाष कुमार वर्मा, बेगन विश्वकर्मा जयशंकर , राजेश कुमार प्रकाश कुमार आदि लोग शामिल थे इसी क्रम में दिनांक 4 जनवरी 2025 को वजीरगंज के किनारे चट्टी एवं 5 जनवरी 2025 कोच प्रखंड के खजूरी गांव में भी कंबल एवं टोपी एवं गर्म कपड़ा का भी वितरण किया जाएगा।

सागर वाहि ने निभाई छठी मैया की बिटिया में मयूर की भूमिका, बताया वास्तविक जीवन में मैं बहुत अलग हूं

प्रातः किरण संवाददाता

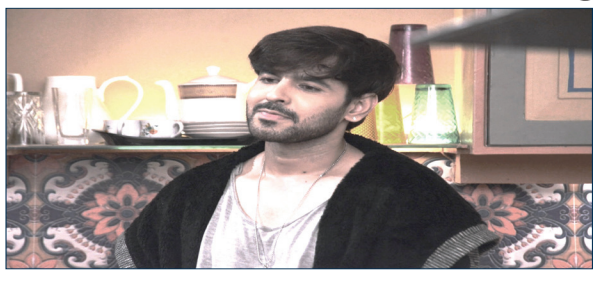

पटना मुंबई। नए साल की नई ऊर्जा के साथ, सन नियो के लोकप्रिय शो छठी मैया की बिटिया में एक नया चेहरा जुड़ गया है। अभिनेता सागर वाहि, अपनी ओटीटी शो माधुरी टॉकीज और फिल्म पंच कृतिः फाइव एलिमेंट्स के लिए सराहे जाते हैं, अब इस शो में मयूर की भूमिका में नजर आएंगे। सागर ने हाल ही में शो में अपनी एंट्री और भूमिका के बारे में कई रोचक बातें साझा कीं।

अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए सागर ने कहा, मैं इस शो में मयूर का किरदार निभा रहा हूं और यह बहुत ही मनोरंजक किरदार है। वह गंभीर और बहुत ही विद्वान है, क्योंकि उसने काफी पढ़ाई की है। लेकिन वह जीवन को हंसी-मजाक और हल्के-फुल्के अंदाज में जीता है। चाहे कोई भी समस्या हो, वह उसे आसानी से सुलझा लेता है। मयूर मस्ती करनेवाला मजाकिया व्यक्ति है, लेकिन असल ज़िंदगी में उनसे बिलकुल अलग हूं। हमारी पर्सनालिटी एकदम विपरीत है, फिर भी मैं इस भूमिका को पूरी तरह एंजॉय कर रहा हूं।

सागर का अभिनय सफर विविध भूमिकाओं से भरा हुआ है और ह्यछठी मैया की बिटिया शो उनके लिए एक और रोमांचक चुनौती है। उन्होंने कहा, एक थिएटर कलाकार के रूप में मुझे अलग-अलग किरदारों को निभाना पसंद है और यही कारण है कि मैंने छठी मैया की बिटिया शो चुना ताकि मैं कुछ नया आजमा सकूं। मैंने एक फिल्म में भी काम किया है, जहां मेरा किरदार इतना अलग था कि लोग पहचान नहीं पाए कि वह मैं हूं। इसी तरह, मयूर की भूमिका भी पूरी तरह से अलग है।

सागर वाहि अपनी अनोखी शैली से मयूर के रूप में विशेष रूप से वैश्नवी की ज़िंदगी में बहुत कुछ नया लेकर आएँगे। यह शो वैश्नवी की यात्रा को दशार्ता है, जो एक अनाथ लड़की है और छठी मैया (स्नेहा वाघ द्वारा अभिनीत किरदार) पर अपनी अटूट आस्था से शक्ति और सहारा पाती है। इस शो में सारा खान, जया भट्टाचार्य, ब्रिंदा दहल और आशीष दीक्षित जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी शामिल हैं।अधिक जानकारी के लिए देखना न भूलें छठी मैया की बिटिया हर सोमवार से शनिवार, रात 7 बजे, सिर्फ सन नियो पर।

फुलौत से बिहपुर के बीच 973 करोड़ की लागत से 6.93 किमी लंबा फोरलेन पुल निर्माण का कार्य शुरू

निर्माण सामग्री लाने के लिए त्रिमुहान में बन रहा अस्थाई पुल

रणजीत कुमार सिंह

मधेपुरा। 1478.40 करोड़ की लागत से उदाकिशुनगंज से बिहपुर के बीच रोड और पुल का होना है। निर्माण अंग प्रदेश को कोसी होते हुए नेपाल से जोड़ने वाली बीरपुर से बिहपुर एनएच-106 पर फुलौत और बिहपुर के बीच अत्याधुनिक फोरलेन पुल निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। इन दिनों त्रिमुहान के पास निर्माण कार्य चल रहा है। वर्षों से इस नदी पर लंबा पुल बनने का सपना देखने वाले सैकड़ों लोग प्रतिदिन निर्माण कार्य को देखने साइट पर पहुंच रहे हैं। अब इस इलाके लोगों को यह भरोसा हो गया है कि कुछ ही वर्ष के बाद फुलौत से चौसा, भटगामा, नवगछिया के रास्ते 72 किलोमीटर घूमकर बिहपुर जाने के बजाए इस पुल होकर मात्र 12 किलोमीटर की दूरी तय कर ही बिहपुर पहुंच सकेंगे। बताया गया कि 1478.40 करोड़ की लागत से उदाकिशुनगंज से बिहपुर के बीच रोड और पुल का निर्माण होना है। इसमें 6.93 किलोमीटर लंबा फोर लेन का पुल होगा। जबकि टू लेन का पेव्ड सेल्डर सड़क बनेगी। इस पथ पर त्रिमुहान के पास पीर बाबा स्थान में टोल प्लाजा भी बनेगा। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि वाहनों की आवाजाही के लिए टोल टैक्स चुकाना पड़ेगा। प्रोजेक्ट लागत की बात करें तो 6.93 किलोमीटर लंबे पुल के निर्माण पर 973 करोड़ रुपए खर्च होंगे। जबकि रोड निर्माण में 159.30 करोड़, 6.29 करोड़ से छोटा पुल, 13.07 करोड़ से कल्वर्ट, 8.73 करोड़ से बस पड़ाव और 8.28 करोड़ से टोल प्लाजा का निर्माण कार्य कराया जाएगा। रखरखाव पर 20 करोड़ का प्रावधान किया गया है। बताया जा रहा है कि उदाकिशुनगंज से फुलौत और बिहपुर के बीच बन रही सड़क और पुल निर्माण में बड़े पैमाने पर अकुशल श्रमिकों को भी काम मिलेगा। इससे आसपास के मजदूरों को भी निर्माण कार्य की अवधि में लाभ होगा। जानकारी के अनुसार, निर्माण कार्य के दौरान 2.19 लाख श्रमिक रोजगार दिवस का सृजन किया गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत 125.105 किलोमीटर से 132.035 किलोमीटर के बीच 6.93 किलोमीटर का फोर लेन पुल बनेगा। जो फुलौत डाकबंगला से थोड़ा आगे से शुरू होगा और झंडापुर तक जाएगा। इस बीच घघरी, बुढना और त्रिमुहान तीन नदी को कवर करते हुए पुल का निर्माण कराया जाएगा। जो 127 पाया से जुड़ा हुआ होगा। इस कारण से दन दिनों नदी इलाके में बड़ी-बड़ी मशीनें आने लगी है। हालांकि अभी मशीनों की आवाजाही और सामान लाने के लिए अस्थाई पुल बनाया जा रहा है।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में खेल कार्यों से संबंधित हुई समीक्षात्मक बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। जिलाधिकारी तरनजीत सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को खेल कार्यों से संबंधित समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सर्व शिक्षा अभियान, सहायक अभियंता, भवन प्रमंडल, मधेपुरा, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा उपस्थित थे एवं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी वर्चुअल मोड से जुड़े थे। बैठक में सर्वप्रथम जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि सभी ग्राम पंचायत एवं नगर पंचायत में खेल क्लब के गठन हेतु सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी पंचायत राज पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी पंचायत प्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित करते हुए व्यक्तिगत रुचि लेकर अधिक से अधिक आवेदन कराना सुनिश्चित करेंगे। उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा द्वारा बताया गया कि जिलांतर्गत कुल 160 ग्राम पंचायतों में से 157 ग्राम पंचायत में खेल मैदान चिन्हित कर विभाग को प्रतिवेदन भेज दिया गया है। शेष तीन पंचायत में खेल मैदान चिन्हित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही खेलो इंडिया अवसंरचना के निर्माण हेतु उदाकिशुनगंज अनुमंडल से भी प्रस्ताव प्राप्त करने हेतु विभाग को प्रेषित करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री खेल विकास योजना अंतर्गत प्रखंडों में निर्मित होने वाले स्टेडियमों की समीक्षा की गई एवं बचे हुए प्रखंडों से प्रस्ताव विभाग को प्रेषित करने का निर्देश दिया गया।

रायभीर पंचायत में 2 करोड़ 65 लाख के लागत से शुरू हुआ पंचायत सरकार भवन का निर्माण

प्रातः किरण संवाददाता

शंकरपुर (मधेपुरा)। प्रखंड क्षेत्र के रायभीर पंचायत में पंचायत सरकार भवन का शिलान्यास विगत 24 अक्टूबर 24 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रिमोट कंट्रोल के द्वारा पटना से ही किया। बताया जाता है कि उक्त पंचायत सरकार भवन का निर्माण करोड़ 65 लाख के लागत से किया जाना है। जिसका निर्माण कार्य जोर शोर से चल रहा है। मालूम हो कि बिहार में पंचायतों को मजबूत बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। वहीं भाजपा प्रखंड अध्यक्ष प्रभाष चौपाल ने बताया कि सीएम द्वारा मधेपुरा समेत राज्य के विभिन्न जिलों में 2000 पंचायत सरकार भवनों के निर्माण का शिलान्यास किया गया गया है। इन भवनों के निर्माण पर 4 हजार 171 करोड़ रुपये खर्च होंगे का अनुमान है। शंकरपुर प्रखंड की रायभीर में पंचायत सरकार भवन बनेगा, जिस पर 2 करोड़ 65 लाख रुपये खर्च होंगे। उन्होंने कहा यह पंचायत सरकार भवन बहुत जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगा। इस से अब प्रखंड का काम पंचायत सरकार भवन में ही किया जाएगा। पंचायत सरकार भवन बन जाने पर ग्राम वासियों को प्रखंड कार्यालय का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा।

70 वीं बीपीएससी छात्रों के समर्थन में युवा शक्ति के कार्यकर्ताओं ने किया एन एच 107 जाम

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। मधेपुरा में पूर्णियाँ सांसद पप्पू यादव के आह्वान पर शुक्रवार को 70 वीं लोक सेवा आयोग बीपीएससी छात्रों के समर्थन में युवा शक्ति के कार्यकताओं ने एन एच 107 चक्का जाम किया। जहां परीक्षा रद्द करने की उठाई मांग तो आंदोलन कर रहे कार्यकताओं को मधेपुरा पुलिस ने गिरफ्तार किया। दरअसल पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के आह्वान पर युवा शक्ति के कार्यकताओं ने जिला मुख्य के स्थानीय बस स्टैंड चौक पर सहरसा / पूर्णियाँ मुख्य मार्ग एन एच 107 पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान आंदोलनकारी युवाओं ने कहा कि जब तक सरकार बीपीएसी का एग्जाम रद्द कर पुनः एग्जाम नहीं करवाती है तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा सुशासन बाबू के सरकार में ऐसा कोई भी परीक्षा नहीं है जिसका पेपर लिक ना हुआ हो। हर परीक्षा का पेपर किसी न किसी माध्यम से लीक हो जाता है और गरीब छात्र पर जुल्म ढाहे जाते हैं। जब तक परीक्षा रद्द नहीं कि जाती है तब तक यह आंदोलन जारी हीं रहेगा। वहीं आंदोलन कर रहे कार्यकताओं को पुलिस ने समझाने बुझाने का काम किया आंदोलन कारी कार्यकर्ता नहीं माने तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया जिसके बाद चक्का जाम समाप्त हुआ। बता दें कि करीब दो घंटो तक यातायात प्रभावित रही जिससे आने जाने वाले राहगीर परेशान रहे।

कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी का संगीतमय नाटकीय रथ जन-जागरण के लिए रवाना

गया।कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी ने शुक्रवार को एक अनूठी पहल करते हुए अपने उद्देश्यों और सामाजिक संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक संगीत और नाटकीय रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है।इस कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यालय से किया गया है। इसकी शुरूआत संस्था के सचिव विकास कुमार माली ने रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ह्लइस रथ का मुख्य उद्देश्य संस्था द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों और सामाजिक जागरूकता को गांव-गांव और पंचायत स्तर तक पहुंचाना है। संगीत और नाटकीय प्रस्तुतियों के माध्यम से दहेज प्रथा, बाल विवाह, भ्रूण हत्या और महिला उत्पीड़न जैसे ज्वलंत मुद्दों पर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

पुरैनी में हुए दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट की घटना में पांच अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा)। पुरैनी बाजार स्थित दो पक्षों में जमीन विवाद को लेकर एक-दूसरे के विरूद्ध मारपीट एवं गोली-बारी की घटना को गुरुवार को अंजाम दिया गया था। जिसमें सूरज कुमार पिता पप्पू साह को गोली लगने से घायल हो गए। अन्य लोग भी मारपीट के कारण जख्मी हुए। उक्त घटना के संदर्भ में दोनों पक्षों के द्वारा एक दूसरे के खिलाफ पुरैनी थाना में मामला दर्ज कराया गया। दोनों ओर से 12 नामजद और अन्य आज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मधेपुरा के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, उदाकिशुनगंज के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम में पुरैनी थानाध्यक्ष राघव शरण एवं थाना के पदाधिकारी, कर्मियों शामिल किया गया। टीम द्वारा आसूचना संकलन के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुरैनी थाना कांड संख्या 02/2025 के आरोपी प्रीतम राय, प्रेम राय दोनों पिता पुत्र गांव गणेशपुर वार्ड संख्या 10 और दूसरे मामले के आरोपित निरंजन साह, राज कुमार साह, सचिन कुमार गांव व थाना पुरैनी को गिरफ्तार किया गया है। उदाकिशुनगंज के एसडीपीओ अविनाश कुमार ने बताया कि मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया। जहां आरोपितों की गिरफ्तारी की गई। अन्य आरोपितों की भी जल्द गिरफ्तारी होगी। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों का अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। एसडीपीओ ने बताया कि घटना में संलिप्त अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी जल्द ही सुनिश्चित कर ली जाएगी। गिरफ्तारी अभियान में पुनि सह थानाध्यक्ष राघव शरण, पुअनि राकेश कुमार, पुअनि श्रवण कुमार एवं थाना के सशस्त्र बल एवं कर्मी शामिल थे।

पांच मांगों को लेकर आमरण अनशन में पहुंचे जिला प्रवक्ता रंजीत सिंह

मधेपुरा। जनसुराज पार्टी मधेपुरा के जिला मुख्य प्रवक्ता रंजीत सिंह ने मधेपुरा जिलावासी के पांच मांगों के साथ दूसरे दिन का जनसुराज के सूत्रधार और जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के द्वारा गांधी मैदान में गांधी मूर्ति के नीचे गांधीवादी सिध्दांतों पर जारी आमरण अनशन में शामिल होकर भ्रष्टाचार, लाठीतंत्र और पदाधिकारी के जंगलराज को समाप्त करने में योगदान देने की अपील किया है, साथ ही उन्होंने सरकार से ये मांग रखी है कि 70वीं बीपीएससी परीक्षा में हुई अनियमितता और भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच और पुनर्परीक्षा कराई जाए। 2015 में 7 निश्चय के तहत किए वादे के अनुसार 18 से 35 साल के हर बेरोजगार युवा को बेरोजगारी भत्ता दिया जाए। पिछले 10 वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं और पेपर लीक की जांच एवं दोषियों पर की गई कार्रवाई पर श्वेत पत्र जारी किया जाए। लोकतंत्र की जननी बिहार को लाठीतंत्र बनाने वाले दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

नई आशा द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

आरा। सामाजिक संस्था नई आशा द्वारा आज अनाइठ मुसहर टोला में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 158 रोगियों की जांच कर दवाई दी गई। इनमें अधिकांश लोग मौसमी बीमारी एवं एनीमिया के रोगी पाए गए। शिविर का उद्घाटन करते हुए डॉ पंकज कुमार ने उपस्थित परिवारों से स-फ -सफाई, पोषण एवं बंध्याकरण के संदर्भ में चर्चा की। उन्होंने कहा कि कई रोगों का करण साफ - सफाई का अभाव है। पोषण युक्त भोजन करना आवश्यक है। इसके लिए महंगे फल और फ्रूट्स ही जरूरी नहीं, बल्कि ह-री सब्जी, दाल एवं सस्ते मौसमी फल आदि से भी पोषण युक्त भोजन प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही समय पर भोजन करना आवश्यक है। उन्होंने महिलाओं से बंध्याकरण की अपील की। डॉ पंकज ने कहा कि यहां की अधिकांश महिलाएं कम आयु में ही तीन-चार बच्चे की मां बन चुकी है, जिससे जच्चा- बच्चा दोनों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने टोला की दस गर्भवती महिलाओं को आयरन का गोली देकर नियमित जांच करने की अपील की। मौके पर डॉ अनामिका, डॉ राजेश, मेधावि कृति, रंजना कुमारी, रणधीर कुमार मिश्रा, मुन्नू कुमार, कुंदन कुमार सिंह, सोना कुमारी, अंजली देवी, नेहा कुमारी, अमन कुमार आदि थे।

लोजपा रामविलास बक्सर संसदीय बोर्ड व किसान प्रकोष्ठ की संयुक्त कार्यकर्ता बैठक संपन्न

बक्सर। लोजपा रामविलास संसदीय बोर्ड व किसान प्रकोष्ठ की संयुक्त कार्यकर्ता बैठक इटाढी प्रखंड मे आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता संसदीय बोर्ड के जिलाध्यक्ष ठाकुर भानुशंकर सिंह जी ने किया व संचालन किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष जंगबहादुर पासवान ने किया।इस बैठक मे मुख्य अतिथी के तौर पर बक्सर लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी अखिलेश कुमार सिंह मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथी के तौर पर प्रदेश सचिव संजय कुमार पासवान उपस्थित हुए।संसदीय बोर्ड व किसान प्रकोष्ठ का संगठन विस्तार करते हुए श्री सुग्रीव पासवान जी को इटाढी प्रखंड का संसदीय बोर्ड का प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत किया गया। व श्री भोले शंकर पासवान को इटाढी प्रखंड किसान प्रकोष्ठ का प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत किया गया। दोनो नव मनोनीत प्रखंड अध्यक्ष ने जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार सिंह व पार्टी के पदाधिकारी को अंगवस्त्र व फुल माला से स्वागत किया। जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा की बक्सर मे लोजपा रामबिलास हर बुथ पर मजबूत है। हम सभी के नेता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री आदरणीय चिराग पासवान जी की लोकप्रियता आज बिहार ही नही पूरे देश मे युवाओ के बीच काफी लोकप्रिय है। पार्टी का विजन ह्लबिहार फर्स्ट -बिहारी फर्स्ट ह्ल गांव गांव, टोले टोले के लोग पसंद कर रहे है। इस अवसर पर किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव राम जी राय, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश पासवान, जिला प्रवक्ता मनोज कुमार सिंह, जिला महासचिव सोमप्रकाश पासवान, किसान प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र चौबे,,इटाढी प्रखंड अध्यक्ष मदन पासवान, चौसा प्रखंड अध्यक्ष मनोज पासवान, राजपुर प्रखंड अध्यक्ष कन्हैया सिंह, मुरली पासवान, धुरान पासवान, उमा पासवान, नंदलाल बारी, सुरेन्द्र राम, घनश्याम पासवान, बुधन पासवान, भोला पासवान, राजकुमार पासवान, गुडु पासवान, विन्ध्याचल पासवान, सुकर पासवान ललन राम,चंदन रजक, हीरालाल पासवान, राजेश राय,अरविन्द राय,करिया पासवान आदि शामिल हुए।

जिले के 2600 ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रम का होगा आयोजन

बेतिया महिला संवाद कार्यक्रम की कार्यनीति तैयार महिला संवाद कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालन के लिए सभी जीविका कर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सी.एम.टी. सी बगहा-2 में जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक आर.के. निखिल की अध्यक्षता में किया गया।इस कार्यक्रम में जीविका के सभी महिला संवाद कार्यक्रम की शुरूआत 15 जनवरी 2025 से होगा और जिले के 2600 ग्राम संगठनों में इस-का आयोजन किया जाएगा। इन आयोजनों में प्रत्येक ग्राम संगठन सूचना तकनीक से लैस मोबाइल वैन के द्वारा सरकारी योजनाओं की जानकारी देंगे और संवाद कार्यकम में उपस्थित महिलायें अपनी समस्याओं आश-ाओं, सुझावों और आकांक्षाओं पर चर्चा करेंगी और महिलाओं से प्रश्न पूछ कर जानकारी ली जाएगी और सभी सूचनाओं को संग्रहित किया जाएगा। एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए जिला परियोजना प्रबंधक ने जानकारी दी की महिला संवाद कार्यक्रम का उद्देश महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराने एवं महिलाओं को अपने गाँव या टोले की समस्याओं और आकांक्षाओं को चिन्हित कर विकास की कार्ययोजना के सूत्रीकरण का अवसर प्रदान करने हेतु प्रत्येक प्राम संगठन महिला संवाद कार्यक्रम किया जाना है।

देश की पहली महिला शिक्षिका साबित्रीबाई का धूम धाम से मनाया गया जन्मदिन

प्रातः किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा)। प्रखंड के मध्य विद्यालय हरैली में शुक्रवार को देश की प्रथम महिला शिक्षिका साबित्रीबाई का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। विधालय के प्रधानाध्यापक विजय कुमार पासवान की अध्यक्षता में आयोजित जन्मदिन कार्यक्रम में लोगों ने प्रथम महिला शिक्षिका के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्रधानाध्यापक विजय कुमार पासवान ने कहा कि सावित्रीबाई को शिक्षा के प्रति काफी गहरा लगाव था। उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर पहल किया गया। जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के कोषाध्यक्ष शिक्षक शैलेश कुमार चौरसिया ने बताया कि सावित्री बाई का जन्म तीन जनवरी 1831 को हुआ था। उन्होंने भारतीय नारी को शिक्षा के प्रति सजग किया। वहीं मौके पर शिक्षिका प्रतिमा कुमारी, हीरा भारती, बंदना कुमारी, राधा कुमारी, अलका, संजय दास, संजय यादव, रविन्द्र कुमार, किरण भारती, मिथिलेश कुमार, शैलेश कुमार चौरसिया, प्रधानाध्यापक विजय कुमार पासवान सहित अन्य ने सावित्री बाई के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला।

खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ग्राम पंचायत एवं नगर पंचायत में किया जाएगा खेल क्लब का गठन

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। बिहार में खेल के माहौल को विकसित करने के उद्देश्य से तथा स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए खेल क्लब के गठन का निर्णय लिया गया है। खेल क्लबों की मुख्य भूमिका बिहार में स्थापित खेल तथा वर्तमान समय में उभरते हुए खेलों एवं उक्त खेल के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना तथा गांव-गांव में छुपे हुए खेल प्रतिभा को उभारना-निखारना है। साथ ही यह खेल क्लब शारीरिक गतिविधियों एवं प्रतिभाओं के विकास के लिए सामुदायिक केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं। खेलों में भागीदारी को सरल एवं सर्वसुलभ बनाना तथा खेल क्लबों को आवश्यक संसाधन और सहायता प्रदान करके उभरती हुई प्रतिभाओं की पहचान करना एवं उन्हें आगे लाना है। बताया जाता है कि पंचायत में अवस्थित खेल क्लब के सभी सदस्य उसी पंचायत के निवासी होने चाहिए। सदस्यों की आयु सीमा 14-45 वर्ष हो। क्लब में यथासंभव महिला एवं पुरूष दोनों की भागीदारी हानी चाहिए। प्राथमिकता चिन्हित खेल विद्या में रुचि रखने वाले ही सदस्य के रूप में मान्य होंगे। क्लब के सदस्यों में यथासंभव शारीरिक शिक्षक, राष्ट्रीय, अंतराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी एवं एन आई एस प्रशिक्षक में से एक होना चाहिए। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना के पोर्टला पर पंजीकरण कराया जा सकता है। विशेष जानकारी हेतु हेल्पलाईन नं0- 9263885599 ईमेल- के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। इस पोर्टल पर खेल क्लबों के साथ-साथ व्यक्तिगत खिलाड़ी भी अपना पंजीयन कर सकते हैं। दिनांक 28.02.2025 तक पंजीकरण पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन जमा होने के बाद बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना द्वारा इसकी गहन समीक्षा की जाएगी। यदि आवेदक आवश्यक मानकों को पूरा करता है तो इसे बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा औपचारिक रूप से पंजीकरण किया जाएगा।एथलेटिक्स, तलवारबाजी, कबड्डी, साईक्लिंग, तीरंदाजी, बॉलीबॉल, रग्बी, हॉकी, बैडमिंटन, कुस्ती, शूटिंग, भारोत्तोलन, हैण्डबॉल, फुटबॉल, टेबुल-टेनिस, बॉक्सिंग एवं सेपक टाकरा जैसे खेल विधाओं को खेल क्लब के गठन हेतु चयनित किया गया है।

पेपर लेस निबंधन प्रणाली के खिलाफ अनुमंडल दस्तावेज नवीस संघ ने किया प्रदर्शन

बेरोजगार करने की साजिश को सफल नहीं होने देंगे : सुभाष मिश्र

■ काला पट्टी लगाकर किया कार्य

प्रातः किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा)। अनुमंडल मुख्यालय स्थित अवर निबंधक के सभी दस्तावेज नवीस संघ ने शुक्रवार को पेपर लेस जमीन के दस्तावेजों के निबंधन के खिलाफ काली पट्टी लगाकर सरकार की पेपर लेस प्रणाली का विरोध किया गया। वही बैठक आयोजित कर प्रस्तावित पेपर लेस निबंधन प्रणालि को लेकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए प्रदर्शन किया। ज्ञात हो कि बिहार दस्तावेज नवीस संघ के आह्वान पर काला बिल्ला लगा कर निबंधन का काम करने का निर्णय लिया गया। दस्तावेज नवीस संघ के अध्यक्ष सुभाष मिश्र के नेतृत्व में अस्तित्व बचाने के लिए सभी कातिबों को मजबूती के साथ एकजुट होकर संघर्ष करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान दस्तावेज नवीस संघ के अध्यक्ष सुभाष मिश्र ने कहा बिहार सरकार के विरुद्ध में दस्तावेज नवीस संघ ने निर्णय लिया है कि नवीस संघ जबतक सरकार पेपरलेस रजिस्ट्री करने में दस्तावेज नवीस संघ के काम के बारे में सार्वजनिक नहीं करेंगे। तबतक हमलोग निबंधन का काम करने के दौरान काला बिल्ला लगा कर करेंगे। उन्होंने कहा कि बेरोजगार करने की साजिश को सफल नहीं होंगे देंगे। सरकार से किसी भी प्रणाली में दस्तावेज लेखकों की भूमिका को स्पष्ट करने की मांग की। अनुमंडल दस्तावेज नवीस संघ के सचिव संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि किसी भी हालत में कातिबों को बेरोजगार करने की सरकार की मंशा को सफल नहीं होने देंगे। इसके लिए चट्टानी एकता का प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार के किसी भी विरोधी नीति का एकजुट होकर जवाब देंगे। मौके पर दिनेशचंद सिंह, देवेंद्र मिश्रा, मो. कलीम उद्दीन, श्याम सुंदर मेहता, विनोद मिश्रा, सुदर्शन आचार्य, नरेश मंडल, शालिग्राम शर्मा, जितेंद्र मिश्र, शंकर गुप्ता, सुशील कुमार सुमन, चक्रधर मंडल, अमोद सिंह, परमानंद सिंह, पंकज मिश्रा, डब्लू वर्मा, अधिवक्ता शत्रुघ्न कुमार मिश्रा, मिथिलेश मिश्रा, बैजनाथ पाठक, निरंजन मिश्रा, दिलीप मेहता, सुनील गुप्ता, रंजीत कुमार राणा, नरेश यादव, कौशल किशोर यादव, प्रमोद चौधरी, अनंत शाह, राजीव मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

एंबुलेंस की कमी से मरीजों को रही है परेशानी

प्रातः किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की हालत दिन प्रति दिन बत्तर होती जा रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से हायर सेंटर रेफर किए जाने वाले मरीजों को इन दिनों एंबुलेंस के लिए 2 से 4 घंटे तक का इंतजार करना पड़ रहा है। यदि हायर सेंटर जल्दी पहुंचना है तो मरीज को खुद की गाड़ी या प्राइवेट एंबुलेंस का सहारा लेना पड़ रहा है यदि इस दौरान सरकारी एंबुलेंस मिलने का इंतजार किया जाए तो फिर मरीज की जान भी जा सकती है। आपको बता दे की आय दिनों इस स्वास्थ्य केंद्र से किसी न किसी कारणों से पीड़ित मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया जाता है ऐसे में एक एंबुलेंस को दोनों जगहों पर आने - जाने में करीब दो-तीन घंटे का वक्त लग जाता है यह बात तब है जब हालात सामान्य हो। यदि कोई वीआईपी का आगमन या फिर कोई आंदोलन हो तो फिर दिक्कत और भी बढ़ जाती है तो फिर रेफर हुए अन्य मरीजों की जान सरकारी एंबुलेंस न मिल पाने से राम भरोसे हो जाती है। ऐसी परस्थिति में अगर मरीज को प्राइवेट गाड़ी के सहारे से हायर सेंटर ले जाया जाए तो एंबुलेंस वाली सुविधा अंदर मौजूद नहीं होने के कारण जान का खतरा हमेशा बना रहता है।

प्रतियोगिता से बच्चों में विकसित होती है प्रतिस्पर्धा की भावना : प्रमिला

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। जिला मुख्यालय के सदर प्रखंड अंतर्गत तुलसीवाड़ी पंचायत के नवसृजन प्राथमिक विद्यालय राजपुर में सामाजिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों में सक्रिय संस्था सृजन दर्पण के संस्थापक बालकृष्ण प्रसाद यादव की 63 वीं जयंती समारोह पर शुक्रवार को छात्र-छात्राओं के बीच खेल-कूद और वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 50 प्रतिभागियों को आयोजन समिति के अध्यक्ष और समाजिक कार्यकर्ता प्रमिला देवी ने पुरस्कृत करते हुए कही की प्रतियोगिता से बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। उन्होंने यह भी कहा की खेल-कूद से बच्चों में शारीरिक व मानसिक विकास होता है। बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए खेल-कूद बहुत ही जरूरी है। किताबी ज्ञान के साथ-साथ बच्चों को संस्कार युक्त शिक्षा भी मिलनी चाहिए। संस्था सचिव रंगकर्मी विकास कुमार ने बताया कि बालकृष्ण बाबू की कृतियां अमर है। उनके द्वारा स्थापित सामाजिक सांस्कृतिक और साहित्यिक संस्था बेहतर समाज के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा रही है। उन्हें विश्वास है कि यह परंपरा आगे और समृद्ध होगी। प्रतियोगिता के कार्यक्रम संयोजक इंजिनियर विक्रम कुमार ने बताया निःशुल्क पाठशाला अभियान शुरू करने का उद्देश्य यही था कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को संस्कारित करना है। पढ़ाई के अलावा आम जीवन के लिए जरूरी बातों को समाहित किया जाना है। बाहरी वातावरण का असर बच्चों पर अधिक पड़ता है। हमारे बच्चे गौरवमय अतीत के बारे में जानकारी नहीं रखते हैं। ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए ही निःशुल्क पाठशाला की शुरूआत की गई है। पहले बच्चों को परिवार से स्कूल से और आसपास के वातावरण से संस्क-ार मिला करतीं थीं। जिसका आजकल समाज में अभाव हो गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रभारी प्रधान शिक्षिका नीलम कुमारी ने कही कि शिक्षाविद् बालकृष्ण प्रसाद यादव का व्यवहार और व्यक्तित्व विराट था। समाज में शिक्षा के जनजागृति हेतु दिन-रात मेहनत करते थे। वरीय शिक्षिका रिचा रमण ने कही कि एक कुशल शिक्षक अपने विधार्थियों के जीवन को शिक्षा द्वारा श्रेष्ठ व महान बनाकर दुनिया में जीवन जीने की कला सिखाते है। सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में बालकृष्ण यादव ने कोशी प्रमंडल में अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने कही कि वह एक मृदु भाषी और विद्वान व्यक्ति थे। वहीं प्रियंका कुमारी ने कही कि शिक्षाविद् के जयंती पर इस तरह के प्रतियोगिता से बच्चों को बहुत कुछ सीखने को मिलता है। और विद्याथीर्यों का बौध्दिक विकास होता है। जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन रंगकर्मी निखिल यदुवंशी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं और रसोई मुन्नी देवी, ममता कुमारी सहित सफाईकर्मी दायंति देवी मौजूद थी।

प्रधानाध्यापिका गीता रानी के सेवानिवृति के उपरांत विदाई समारोह का हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

रक्सौल। राजकीय मध्य विद्यालय पनटोका के प्रधानाध्यापिका गीता रानी के सेवानिवृति के उपरांत बिदाई समारोह का आयोजन विद्यालय परिसर में एक कार्यक्रम के बीच किया गया। इस दौरान शिक्षकों व आगन्तुक अतिथियों ने गीता रानी को पुष्पगुच्छ देकर व दोशाला ओढ़ाकर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक कभी सेवा निवृत्त नही होते, वे जीवन के आखरी क्षण तक शिक्षा का ज्ञान लोगो के बीच बाटते रहते है। वक्ताओं ने सेवानिवृत प्रधानाध्यापिका गीता रानी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा किया। उन्होंने अपनी सेवा अवधि के दौरान शैक्षणिक कार्यो को पूरा निष्ठा व ईमानदारी पूर्वक निर्वहन किया। वक्ताओं ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक कुंदन कुमार, शिक्षक प्रवीण कुमार, मुनेश राम, सुभाष प्रसाद यादव, महमद सैफुल्लाह, शिक्षक छोटेलाल प्रसाद, शिक्षक राज कुमार, शिक्षिका रूपा कुमारी, बबिता कुमारी, कविता कुमारी, आसमा प्रवीण, दीक्षा कुमारी, प्रमुख व्यवसाई राजकिशोर प्रसाद, डॉ प्रहस्त कुमार, त्रिभुवन कुमार, भगवानलाल गुप्ता, अमित राज, रितु राज एवं संजय गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित थे।

सिडनी टेस्ट के पहले दिन पहुंचे 47,566 दर्शक

सिडनी, एजेंसी। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड ने शुक्रवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट मैच के पहले दिन अब तक की सबसे अधिक उपस्थिति दर्ज की, जिसमें रिकॉर्ड तोड़ 47,566 दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे। चाय ब्रेक के समय सिडनी में 47,566 दर्शक मौजूद थे, जो जनवरी 1976 के बाद से क्रिकेट के लिए सिडनी में सबसे बड़ी उपस्थिति है।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक्स पर पोस्ट किया, रिकॉर्ड लगातार गिरते जा रहे हैं। पहले दिन सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के गेट से 45,000 से अधिक दर्शक आए। सिडनी में भारी भीड़ ने सीरीज में पहले भी एक और रिकॉर्ड बनाया था, जब मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड ने तीसरे टेस्ट के दौरान टेस्ट मैच के लिए अब तक की सबसे बड़ी भीड़ की मेजबानी की थी। पहले दिन दोपहर के भोजन के समय तक 45,465 दर्शक एससीजी में आ चुके थे, जो 2003/04 भारत-ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान स्थापित 44,901 के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दर्शकों की संख्या के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला, और कहा कि एससीजी में 1976 के बाद से लगभग 50 वर्षों में किसी टेस्ट के लिए यह सबसे बड़ी भीड़ थी।

सिडनी टेस्ट के पहले दिन भारत 185 पर ऑलआउट, पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए

सिडनी, एजेंसी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 5वें टेस्ट की पहली पारी में 185 रन पर ऑलआउट हो गई है। शुक्रवार को स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/1 है। उस्मान ख्वाजा 2 रन बनाकर आउट हुए। सैम कोंस्टास पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद 7 रन पर नाबाद लौटे हैं। स्टंप्स से ठीक पहले जसप्रीत बुमराह की युवा ओपनर सैम कोंस्टास से बहस हो गई। इस बहस के तुरंत बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा (2 रन) को पवेलियन की राह दिखाई। ख्वाजा के आउट होने ही अंपायर्स ने दिन का खेल समाप्त कर दिया।

भारतीय टीम से ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 26 रन बनाकर आउट हुए। शुभमन गिल ने 20 रन और विराट कोहली ने 17 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया से स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट झटके। मिचेल स्टार्क को 3 विकेट मिले। पैट कमिंस को 2 विकेट मिले। एक विकेट नाथन लायन के खाते में आया। भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में रोहित शर्मा की जगह जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं। रोहित शर्मा को रेस्ट दिया गया है।

नहीं मानी हार, तोड़ दिया सचिन का वर्ल्ड रिकॉर्ड

सिडनी टेस्ट में बुरी तरह चोटिल हुए ऋषभ पंत

सिडनी, एजेंसी। टीम इंडिया सिडनी टेस्ट की पहली पारी में 185 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई. उसके लिए ऋषभ पंत ने 40 रनों की अहम पारी खेली. पंत इस पारी के दौरान गंभीर रूप से चोटिल हो गए. लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी. ऋषभ पंत ने इस मुकाबले के दौरान छक्कों का एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. उन्होंने सचिन तेंदुलकर समेत कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है. ऋषभ पंत भारत की पहली पारी के दौरान नंबर पांच पर बैटिंग करने आए. उन्होंने इस दौरान 98 गेंदों का सामना करते हुए 40 रन बनाए. पंत की इस पारी में 3 चौके और 1 छक्का शामिल रहे. उन्हें बोलैंड ने आउट कर दिया. पंत इस पारी के दौरान चोटिल हो गए. उनके हाथ पर गेंद लग गई. इससे खून का थक्का जम गया. लेकिन पंत ने इसका करारा जवाब दिया. वे भारत के लिए अहम पारी खेलने के बाद ही आउट हुए.

पंत ने तोड़ा सचिन-रोहित का रिकॉर्ड

ऋषभ पंत ने ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट छक्के लगाने के मामले में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया. पंत ने कुल 11 छक्के लगाए हैं. जबकि रोहित ने 10 छक्के जड़े हैं. इस मामले में नीतीश कुमार रेड्डी तीसरे नंबर पर हैं. उन्होंने 8 छक्के लगाए हैं. वीरेंद्र सहवाग ने भी 8 छक्के लगाए हैं. सचिन ने 7 छक्क ने लगाए हैं.

रोहित के लिए फिर से टेस्ट खेलना लंबा और कठिन होगा: पोंटिंग

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग को लगता है कि रोहित शर्मा के लिए फिर से टेस्ट खेलना लंबा और कठिन होगा, क्योंकि नियमित भारतीय कप्तान ने शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में चल रहे पांचवें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट से आराम लेने का फैसला किया है।

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए तीन टेस्ट मैचों में सिर्फ 6.2 की औसत से रन बनाए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 10 रहा है। सिडनी में उनके न खेलने की अटकलें तब सामने आईं, जब मुख्य कोच गौतम गंभीर ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्हें गारंटीड स्टार्टर कहने से इनकार कर दिया।

रोहित ने 2024 में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की कप्तानी करने के बाद टी20 को पहले ही अलविदा कह दिया था। मुझे लगता है कि प्रतिक्रिया यह रही है कि वे सभी उम्मीद कर रहे थे कि ऐसा हो सकता है। पिछले कुछ दिनों से चर्चा चल रही थी कि सभी को उम्मीद थी कि रोहित इस मैच में नहीं खेलेंगे, शुभमन गिल वापस आएंगे और (जसप्रीत) बुमराह शायद फिर से कप्तानी संभालेंगे और ऐसा ही हुआ। पोंटिंग ने कहा, आपको लगता होगा कि खेल के इस प्रारूप में रोहित शर्मा के लिए अब बहुत लंबा सफर तय करना बाकी है। मेरा मानना ??है कि भारत जून के मध्य या अंत तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेलता है, जो कि आपके करियर के अंतिम चरण में आने के लिए बहुत लंबा समय है। उन्होंने कहा,...जब मैंने इतने महत्वपूर्ण मैच में ऑप्ट आउट शब्द सुना तो मैं बहुत हैरान रह गया। हम जानते हैं कि वह लंबे समय से भारतीय क्रिकेट के लिए एक महान खिलाड़ी रहे हैं।इसलिए जिस तरह से उन्होंने इसे कहा है, आप इसे केवल सतही तौर पर ही ले सकते हैं। हमें भारतीय खेमे से जो सुनने को मिल रहा है, उस पर हमें विश्वास करना होगा, लेकिन इतना बड़ा मैच होने के कारण, यह जानते हुए कि उन्हें ट्रॉफी बरकरार रखने के लिए यह मैच जीतना ही होगा, उनके सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक के लिए ऑप्ट आउट करना एक दिलचस्प समय था।

बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर बनाया कीर्तिमान

8 साल बाद दोहराया गया इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे आखिरी टेस्ट में अभी पहले ही दिन का खेल हुआ है, लेकिन रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है। पहले दिन भारतीय टीम की बल्लेबाजी एक बार? फिर से फ्लॉप रही। वो तो भला हो जसप्रीत बुमराह का, जिन्होंने पहले दिन का खेल खत्म होने से पहले ही उस्मान ख्वाजा को पवेलियन भेज दिया, इससे भारतीय टीम ने राहत की सांस ली होगी। जसप्रीत बुमराह ने इस विकेट के साथ ही भारतीय टीम के लिए करीब आठ साल पुराना इतिहास दोहरा दिया है।

इस सीरीज में बुमराह ने छठी दफा किया है उस्मान का शिकार

जसप्रीत बुमराह एक बार फिर से टीम इंडिया की टेस्ट में कप्तानी कर रहे हैं। इससे पहले जब इसी सीरीज के पहले मैच में भी उन्होंने कमान संभाली थी, तब टीम इंडिया जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी। अब फिर से उन्हें भारतीय टीम का बेड़ा पार लगाने की जिम्मेदारी दी गई है। जसप्रीत बुमराह ने उस वक्त उस्मान ख्वाजा को आउट किया, जब वे दिन की आखिरी बॉल लेकर आए थे। उस्मान ख्वाजा ने अपनी पारी के दौरान 10 बॉल का सामना किया और दो रन बनाकर आउट हो गए। इसी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह ने उस्मान को छठी बार आउट किया है। इससे पहले केवल एक ही बार हुआ है, जब किसी भारतीय गेंदबाज ने एक ही ही सीरीज में 6 दफा आउट किया हो।

बुमराह को नहीं मिला अर्जुन अवॉर्ड, राहुल द्रविड़ भी नहीं हुए नामिनेट

नईदिल्ली, एजेंसी। इस साल के खेल अवॉर्ड्स का ऐलान कर दिया गया है। खेल मंत्रालय ने इस साल चार खिलाड़ियों को सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानंचद खेलरत्न अवॉर्ड के लिए चुना गया है। वहीं 32 खिलाड़ियों का नाम अर्जुन अवॉर्ड के लिए भेजा गया है। हालांकि हैरानी की बात यह है कि इस लिस्ट में किसी भी भारतीय क्रिकेटर का नाम शामिल नहीं है।

जसप्रीत बुमराह को नहीं मिला अर्जुन अवॉर्ड

बीते साल भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इस साल जसप्रीत बुमराह को इसका बड़ा दावेदार माना जा रहा था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बुमराह इस समय भारत के नंबर वन गेंदबाज हैं। वह तीनों फॉर्मेट में टीम का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने पिछले चार साल में टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई है।

चाहे टी20 वर्ल्ड कप हो , वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप हो या फिर भारत में हुआ वनडे वर्ल्ड कप। उन्होंने हर जगह भारतीय तेज गेंदबाजी अटैक की अगुवाई की। दुनिया भर के बल्लेबाज और दिग्गज इस खिलाड़ी को मौजूदा समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बता चुके हैं। 44 टेस्ट मैच में यह खिलाड़ी 203 विकेट ले चुका है। 89 वनडे में 149 और 70 टी 20 में उनके नाम 89 विकेट हैं। इन सबसे के बावजूद इस खिलाड़ी को अब तक अर्जुन अवॉर्ड नहीं मिला है। साल 2019 में इस खिलाड़ी को नामित किया गया था लेकिन उस समय शिखर धवन को अवॉर्ड दिया गया था और बुमराह चूक गए। पांच साल में बुमराह ने वैश्विक स्तर पर नाम कमा चुके हैं। इस बार भी उनका नाम अर्जुन अवॉर्ड के लिए नहीं दिया गया।

राहुल द्रविड़ को भी नहीं किया गया नॉमिनेट

लिस्ट में भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ का नाम शामिल नहीं है। राहुल द्रविड़ को द्रोणाचार्य अवॉर्ड मिलने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। द्रोणाचार्य अवॉर्ड कोचेज को दिया जाता है। राहुल द्रविड़ ने बतौर कोच भारतीय क्रिकेट टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। राहुल द्रविड़ ने साल 2021 में टीम की कमान संभाली थी। उनके कोच बनने के बाद भारत तीनों फॉर्मेट के 'वर्ल्ड कप' का फाइनल खेला और एक में चैंपियन भी बना। भारत ने साल 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल खेला। साल 2024 में टीम राहुल द्रविड़ के कोच रहते हुए ही टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनी। हालांकि राहुल द्रविड़ को साल 1998 में बतौर खिलाड़ी अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में अगले आदेश तक 8वीं तक की कक्षाएं बंद, शिक्षा अधिकारी ने जारी किया आदेश

नोएडा , एजेंसी। गौतम बौद्ध नगर प्रशासन ने ठंड के मौसम की स्थिति को देखते हुए गुरुवार को जिले के सभी स्कूलों में अगले आदेश तक आठवीं तक की कक्षाएं निलंबित करने का आदेश दिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार द्वारा यह आदेश जारी किया गया है। यह आदेश सभी बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों पर लागू होगा। गौतमबुद्ध नगर के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में, घने कोहरे और अत्यधिक ठंड को देखते हुए सभी बोर्डों द्वारा मान्यता प्राप्त सभी स्कूलों (कक्षाएं नर्सरी से 8 तक) में छुट्टी रहेगी। आदेश में कहा गया है कि (सीबीएसई/आईसीएसई/आईबी/यूपी बोर्ड और अन्य) तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक आठवीं तक की कक्षाओं को बंद रखेंगे। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, गुरुवार को गौतम बौद्ध नगर में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया। जिले में अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी ने कोहरे और धुंध की स्थिति की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया है। बता दें कि दिल्ली के स्कूलों में 1 जनवरी से 15 जनवरी तक सर्दियों की छुट्टी घोषित की जा चुकी है। हालांकि, इस दौरान 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं दो पालियों में संचालित की जाएंगी।

लॉरेंस बिश्नोई साक्षात्कार मामला: पंजाब सरकार ने डीएसपी रैंक के अधिकारी को बर्खास्त किया

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब सरकार ने पुलिस हिरासत में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साक्षात्कार की रिकॉर्डिंग की सुविधा देने के आरोप में पुलिस उपायुक्त (डीएसपी) रैंक के एक अधिकारी को बृहस्पतिवार को बर्खास्त कर दिया। बर्खास्तगी का आदेश गृह विभाग के सचिव गुरकीरत किरपाल सिंह ने जारी किया। सरकार ने डीएसपी गुरशेर सिंह संधू को बर्खास्त करने के लिए संविधान के अनुच्छेद-311 के तहत हासिल शक्तियों का इस्तेमाल किया। मार्च 2023 में एक निजी समाचार चैनल ने बिश्नोई के दो साक्षात्कार प्रसारित किए थे। बर्खास्तगी आदेश के मुताबिक, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की ओर से गठित एसआईटी (विशेष जांच दल) ने निष्कर्ष निकाला कि पंजाब पुलिस सेवा (पीपीएस) के अधिकारी संधू ने एक टीवी चैनल को उस समय बिश्नोई के साक्षात्कार की रिकॉर्डिंग की सुविधा प्रदान की, जब वह सीआईए, खरड़ की हिरासत में था। लॉरेंस बिश्नोई 2022 में पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या से जुड़े मामले में आरोपी है। अक्टूबर में उसके साक्षात्कार के सिलसिले में सात पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया गया था।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बस का किराया 15 फीसदी बढ़ाने का फैसला किया

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने गुरुवार को राज्य सरकार के स्वामित्व वाले परिवहन निगमों के बस किराये में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया. कर्नाटक के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच. के. पाटिल ने कहा कि ईंधन की कीमतों और कर्मचारियों पर खर्च में वृद्धि जैसी परिचालन लागत में भारी बढ़ोतरी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है. पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, ''मंत्रिमंडल ने चार राज्य परिवहन निगमों- कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम , उत्तर पश्चिम कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (एनडब्ल्यूकेआरटीसी), कल्याण कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (केकेआरटीसी) और बेंगलुरु महानगर परिवहन निगम के बस किराये में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया है.'' मंत्री ने कहा कि यह निर्णय पांच जनवरी से लागू होगा. उन्होंने कहा कि बीएमटीसी का बस किराया 10 जनवरी, 2015 को बढ़ाया गया था जब डीजल की कीमत 60.90 रुपये प्रति लीटर थी. पाटिल ने बढ़ोतरी को उचित ठहराते हुए कहा, ''चारों निगमों की रोजाना डीजल खपत 10 साल पहले 9.16 करोड़ रुपये थी, जो अब बढ़कर 13.21 करोड़ रुपये हो गई है. इन चारों निगमों में कर्मचारियों पर प्रतिदिन 12.95 करोड़ रुपये का खर्च होता था, जो बढ़कर 18.36 करोड़ रुपये प्रतिदिन हो गया है. इसलिए संशोधन जरूरी था.''

सत्ता का हाइब्रिड मॉडल किसी को फायदा नहीं देगा: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

जम्मू , एजेंसी। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सत्ता संभालने के लगभग ढाई महीने बाद पहली बार मीडिया से आधिकारिक तौर पर बातचीत की। उन्होंने बृहस्पतिवार को श्रीनगर में शेरी कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में कहा कि हम दो महीने से सत्ता संभाल रहे हैं और केंद्रशासित प्रदेश में सरकार के कामकाज को समझने में समय लगा। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में शासन का 'हाइब्रिड मॉडल' किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं है, जब सत्ता का एक ही केन्द्र होता है तभी तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है। शासन के 'हाइब्रिड मॉडल' से उनका आशय केन्द्र शासित प्रदेश होने के नाते जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल के पास शासन से जुड़ी अनेक संवैधानिक शक्तियां होने से है।

अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में शासन के 'हाइब्रिड मॉडल' के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ''जाहिर है कि सत्ता के दोहरे केंद्र किसी के लिए फायदेमंद नहीं हैं। अगर शासन के लिए सत्ता के दोहरे केंद्र प्रभावी होते तो ये आपको अन्य जगहों पर भी दिखाई देते।'' मुख्यमंत्री ने एक सवाल पर कहा, ''कुछ मुद्दों पर मतभेद रहे हैं लेकिन राजभवन के साथ कोई टकराव नहीं हुआ।''

उमर: सत्ता का एक ही केंद्र बेहतर काम कर सकता है: उन्होंने कहा, ''जब सत्ता का एक ही केंद्र होता है तो तंत्र बेहतर ढंग से काम करता है। केंद्र शासित प्रदेशों में तो सत्ता के दोहरे केन्द्र सन्निहित होते हैं। कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं लेकिन उस पैमाने पर नहीं जितनी अटकलों थीं। ऐसी रिपोर्ट कोरी कल्पना मात्र है।'' अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार के कामकाज के संबंध में नियम उचित विचार-विमर्श के बाद तैयार किए जाएंगे और फिर उन्हें उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पास भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह उनमें से नहीं हैं जो लोगों से कहें कि वे राजभवन नहीं जाए। उन्होंने कहा, ''मैं तो कहूंगा कि लोगों को हर ऐसी जगह जाना चाहिए जहां उनके मुद्दे सुलझ सकते हैं फिर चाहे वह राजभवन हो या स्थानीय विधायक या

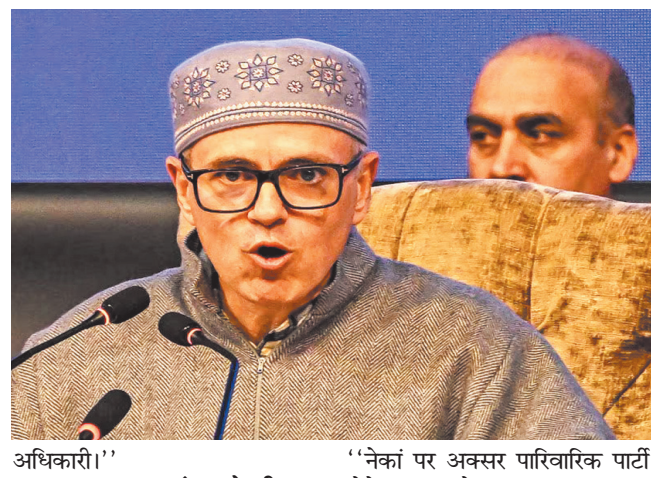

अधिकारी।''

आरक्षण पर सांसद मेहदी का विरोध लोकतंत्र का हिस्सा: आरक्षण के मुद्दे पर अपनी पार्टी के सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी के विरोध के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) में लोकतंत्र है और किसी को भी बोलने का अधिकार है। उन्होंने गुपकार में अपने आवास के पास आरक्षण विरोधी प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा, ''नेकां पर अक्सर पारिवारिक पार्टी होने का आरोप लगाया जाता था लेकिन हमने हमेशा कहा है कि हम पार्टी में लोकतंत्र है और हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है। सकारात्मक पक्ष देखें कि कितना बदलाव आया है। एक समय था जब विरोध करना अवैध माना जाता था लेकिन अब लोग विरोध करते हुए मेरे दरवाजे तक पहुंचे। इसके बाद हमारी एक बैठक हुई।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां तक ??आरक्षण का सवाल है तो उन्होंने प्रतिनिधियों को बता दिया है कि कैबिनेट उप-समिति गठित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी को उम्मीद है कि श्रीनगर से लोकसभा सदस्य मेहदी राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए इसी तरह का विरोध प्रदर्शन संसद में भी करेंगे। अब्दुल्ला ने कहा कि हम आरक्षित और अन्य श्रेणियों की लड़ाई लड़ सकते हैं, ''लेकिन पहले हमें अपनी नौकरियां बचानी होंगी।''

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के परिसर के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर उठे विवाद पर एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास और हमारी उत्पादक कृषि भूमि की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। अब्दुल्ला ने कहा, ''न हम अपनी जमीन बढ़ा सकते हैं और न ही विकास रुक सकता। हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि विकास परियोजनाएं यथासंभव गैर-उत्पादक भूमि पर हों। मैंने पुलवामा से आए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उनसे कहा कि यदि आप पुलवामा में एनआईटी नहीं चाहते हैं तो हम इसे किसी अन्य स्थान पर ले जाएंगे।''

विपक्ष के आरोपों पर उमरन्न सैटेलाइट कॉलोनी बनाए जाने के विपक्ष के आरोप पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव उनके सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा, ''आज जो लोग सबसे ज्यादा शोर मचा रहे हैं, वे वही लोग हैं जो ग्रेटर जम्मू और श्रीनगर की बात करते थे।'' अब्दुल्ला ने कहा, ''जब हम श्रीनगर के निवासियों से बात करते हैं तो वे भीड़भाड़ कम करने की बात करते हैं... आवास की समस्या है। एक ही घर में 3-4 परिवार रह रहे हैं और वे कहते हैं कि अगर उन्हें मौका मिला तो वे उपनगरों में चले जाएंगे।'' उन्होंने कहा,'' अगर टाउनशिप बनाई जाएंगी तो वे बाहरी लोगों को बसाने के लिए नहीं होंगी बल्कि श्रीनगर के लोगों के लिए होंगी ताकि शहर की भीड़भाड़ कम हो सके। लेकिन सरकार के सामने अभी तक ऐसा कोई प्रस्ताव या योजना नहीं है।''

छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री लखमा हो सकते हैं गिरफ्तार, शराब घोटाले में ईडी को मिले अहम सबूत

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाला मामले में राज्य के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को ईडी गिरफ्तार कर सकती है। ईडी ने अपने आधिकारिक बयान में दावा किया है कि शराब घोटाले में लखमा के शामिल होने और उन्हें अवैध शराब बिक्री पर कमीशन मिलने के अहम सबूत मिले हैं। पूर्व मंत्री कवासी लखमा जब मंत्री थे तो उनकी गाड़ी में हमेशा एक शख्स उनके साथ घूमा करता था। उसका नाम सुशील ओझा है। वह कांग्रेस पार्टी में प्रदेश प्रतिनिधि के पद पर है। उसके घर पर ईडी ने छापा मारा था। रायपुर निवासी ओझा फिलहाल विदेश यात्रा पर है।

वहीं, पूर्व मंत्री लखमा ने कहा वह ईडी के समक्ष 3 जनवरी को पेश होंगे। उन्होंने कहा कि जिन सबूतों की बात ईडी की टीम कर रही है, उन्हीं सबूतों के आधार पर उनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकती है। इससे पहले ईडी इसी तरह के सूबतों का दावा करते हुए शराब कारोबारी और रायपुर के महापौर रहे एजाज ढेबर के भाई अनवर ढेबर आबकारी विभाग के अधिकारी एपी त्रिपाठी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

ईडी ने छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम

(पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 28 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के रायपुर, धमतरी और सुकमा जिलों में स्थित सात परिसरों में तलाशी अभियान चलाया था। तलाशी अभियान के दौरान ईडी ने घोटाले की प्रासंगिक अवधि के दौरान कवासी लखमा द्वारा नकद में पीओसी के उपयोग से संबंधित सबूत जुटाया था। इसके अलावा तलाशी में कई डिजिटल डिवाइस बरामद और जब्त की गईं। ईडी ने एक्स पर इसकी जानकारी दी है।

महाराष्ट्र सरकार में खटपट? एकनाथ शिंदे के फैसले पर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने लगाई रोक, जांच के आदेश

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने उप मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा पूर्ववर्ती सरकार में लिए एक फैसले पर रोक लगा दी है और उसकी जांच के आदेश दिए हैं। पूर्ववर्ती सरकार में फडणवीस उपमुख्यमंत्री थे। पिछली सरकार में परिवहन विभाग तब के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास था। यह मामला उसी विभाग से जुड़ा हुआ है। शिंदे ने महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के लिए बसें किराए पर लेने का फैसला किया था लेकिन अब फडणवीस ने उस फैसले पर ना सिर्फ रोक लगाई है बल्कि उसकी जांच के भी आदेश दिए हैं। अब राज्य में नई महायुति सरकार के कार्यभार संभालने के बाद मुख्यमंत्री फडणवीस हर विभाग के काम की समीक्षा कर रहे हैं और पहले 100 दिनों के कार्यकाल के लिए उनकी योजनाओं पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने प्रेजेंटेशन दिए जाने के बाद सोमवार को परिवहन विभाग का

जायजा लेते हुए शिंदे के फैसले की समीक्षा कराने की बात कही थी लेकिन अब उस पर रोक लगाकर जांच के आदेश दिए गए हैं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हो सका है कि मुख्यमंत्री पिछली सरकार के और भी फैसलों की समीक्षा करेंगे या नहीं। विपक्ष ने किराए पर बस लेने की योजना में 2800 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप लगाए थे। विपक्ष के नेता अम्बादास दानवे ने कहा कि इस बारे में उन्हें कोई स्पष्टीकरण अब तक नहीं मिला है। महाराष्ट्र विधानसभा में नेता विपक्ष दानवे ने इस मामले में घोटाले के आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि 2022 में एमएसआरटीसी ने तेल समेत 44 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से बस किराए पर लिया था। तीन निजी कंपनियों को आशय पत्र (एलओआई) दिया था। इसमें ईंधन लागत को छोड़कर 34.70 रुपये से 35.10 रुपये प्रति किमी की दर से बसों को किराया भुगतान करने का फैसला किया गया है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि 2022 में एमएसआरटीसी ने ईंधन लागत समेत 44 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से बसें किराए पर ली थीं।

अधिकारियों ने कहा कि अगर ईंधन की लागत 22 रुपये प्रति किमी को ध्यान में रखे तो प्रत्येक बस की लागत 56 से 57 रुपये प्रति किमी बैठ रहा है, जो पिछले समझौते की तुलना में प्रति किमी 12 से 13 रुपये ज्यादा है। इसके बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने 1310 बसों को किराए पर लेने के फैसले पर रोक लगा दी। मुख्यमंत्री ने विभाग के अतिरिक्त सचिव को मामले की जांच करने का भी आदेश दिया है और इस मामले में रिपोर्ट तलब किया है।

फडणवीस के फैसले ने पूर्व सीएम शिंदे के फैसले की योग्यता पर सवाल खड़े कर दिए हैं क्योंकि टेंडर प्रक्रिया सितंबर 2024 में शुरू की गई थी, जब वह मुख्यमंत्री थे और परिवहन विभाग के प्रमुख थे। इसके अलावा, शिंदे के करीबी सहयोगी भरत गोगावाले को सितंबर 2024 में ही एमएसआरटीसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। दिसंबर में, एमएसआरटीसी ने तीन निजी कंपनियों को एलओआई जारी किए थे।

ताजा हमलों से दहला गाजा, इजरायली हमलों में 24 घंटे में 67 लोगों की मौत

काहिरा, एजेंसी। गाजा में हमास को निशाना बनाते हुए इजरायल फिलिस्तीनी नागरिकों को भी नहीं बख्श रहा है। गुरुवार सुबह से गाजा के राहत केंद्र वाले इलाकों पर इजरायल ने कहर बरपाया है। गाजा के अधिकारियों ने कहा है कि इजरायली हवाई हमलों में गुरुवार को गाजा में कम से कम 68 फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। इस बीच एक टेंट कैंप पर हर हमले में एन्क्लेव के पुलिस बल के प्रमुख सहित नौ लोगों की मौत हो गई। इजरायली सेना ने भी इस खबर की पुष्टि की है। इजरायल ने कहा है कि वह दक्षिणी गाजा में फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के सुरक्षा बलों का प्रमुख था। ताजा हमले गाजा के अल-मवासी में हुए हैं। इस इलाके को इजरायल और गाजा शुरू हुए जंग के बाद सेफ जोन घोषित किया गया था।

हमास द्वारा संचालित गाजा के आंतरिक मंत्रालय के मुताबिक गाजा के पुलिस विभाग के महानिदेशक महमूद सलाह और उनके सहयोगी हुसम शाहवान जो शिविर के लोगों की जांच कर रहे थे, हमले में मारे गए। वहीं

इजराइली सेना ने कहा है कि उसने खान यूनिस शहर के पश्चिम में अल-मवासी में खुफिया जानकारी के आधार पर हमला किया था और शाहवान को मार गिराया। सेना ने कहा कि वह दक्षिण गाजा में हमास बलों का नेतृत्व कर रहा था। हालांकि उन्होंने सलाह की मौत के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

गुरुवार को हुई सबसे ज्यादा मौतें: इस बीच एक अन्य इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 57 फिलिस्तीनी मारे गए। खान यूनिस में आंतरिक मंत्रालय के मुख्यालय को निशाना बनाया गया जिसमें छह लोगों की मौत हुई है। उत्तरी गाजा के जबालिया शरणार्थी शिविर और मध्य गाजा के मघाजी शिविर पर भी हमले हुए हैं। गौरतलब है कि इजरायल ने गुरुवार को बीते कुछ सप्ताह के मुकाबले सबसे बड़े हमले किए। वहीं गुरुवार को मरने वालों की संख्या हाल के हफ्तों में सबसे ज्यादा थी।

दक्षिण कोरिया में भारी हंगामा; राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस, सड़क पर उतरे समर्थक

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के जांच अधिकारी मार्शल लॉ लगाने के मामले में राष्ट्रपति यून सुक योएल को गिरफ्तार करने पहुंचे हैं। उन पर महाभियोग चलाने के वारंट के साथ वे राजाधानी सियोल स्थित राष्ट्रपति निवास पर गए, मगर यहां उन्हें सुरक्षा कर्मचारियों के विरोध का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि यून सुक के सैकड़ों समर्थक भी सड़कों पर उतर आए हैं और उन्हें हिरासत में लिए जाने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यून की गिरफ्तारी के वारंट पर अमल करते हुए दर्जनों जांचकर्ता और पुलिस अधिकारी राष्ट्रपति भवन पहुंचे। इसी बीच बड़ी संख्या में राष्ट्रपति के समर्थक वहां पर जुट गए और जांच अधिकारियों के काम में बाधा डालने लगे। फिलहाल स्थिति तनावपूर्व बनी हुई है।

दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने महाभियोग लगाए गए राष्ट्रपति यून सुक-योल की गिरफ्तारी और राष्ट्रपति आवास की तलाशी के लिए वारंट जारी किया है। यह देश के आधुनिक इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसी मौजूदा राष्ट्रपति के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया हो। संयुक्त जांच इकाई ने पिछले दिन विद्रोह और अन्य आरोपों पर सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय से यून के खिलाफ वारंट की अपील की थी।

चीन में नए वायरस ने मचाया हाहाकार ! अब तक 170 लोगों की मौत

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक बार फिर से वायरस का प्रकोप गहराता जा रहा है। अस्पतालों में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति बन गई है। इस बार ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के बढ़ते मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। सरकारी और वैज्ञानिक एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, वायरस से अब तक चीन में 170 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 18 देशों में इसके 7,834 मामले दर्ज किए गए हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इस नए संक्रमण को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल करार दिया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक

टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने जिनेवा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि यह वायरस तेजी से फैल रहा है, और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि चीन ने पहली बार 31 दिसंबर, 2019 को स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की थी। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस पहली बार 2001 में खोजा गया था। यह मुख्य रूप से 14 साल से कम उम्र के बच्चों और बुजुर्गों को प्रभावित करता है। वायरस मुख्य रूप से सर्दियों के मौसम में फैलता है और खांसी, बुखार, और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण उत्पन्न करता है। चीन के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण और रोकथाम प्रशासन ने लैब रिपोर्टिंग प्रक्रिया को तेज कर दिया है और संक्रमित मरीजों की निगरानी शुरू कर दी है।

हाल ही में रिपोर्ट्स में यह पाया गया है कि 16 से 22 दिसंबर के बीच संक्रमण की दर में तेजी आई है। यह वायरस उन क्षेत्रों में अधिक सक्रिय है, जहां तापमान तेजी से गिर रहा है। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और रिपोर्ट्स ने इस संकट को और अधिक उजागर कर दिया है।

डब्ल्यूएचओ की समिति, पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न , ने अब तक छह बार आपातकालीन स्थिति घोषित की है। समिति प्रमुख डिडियर हौसिन ने कहा कि इस बार का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। पहले के आपातकालीन मामलों में इबोला, स्वाइन फ्लू और कोविड-19 शामिल हैं। चीन सरकार ने अस्पतालों में विशेष वार्ड तैयार करने, वायरस की जांच बढ़ाने, और जनता को जागरूक करने के लिए अभियान शुरू कर दिए हैं।

अमेरिकी कंपनियों ने ताइवान को बेचे हथियार, चीन ने कर दी कार्रवाई

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने ताइवान को हथियार बेचने की वजह से 10 अमेरिकी कंपनियों को अविश्वसनीय संस्थाओं की सूची में शामिल किया गया है. चीनी वाणिज्य मंत्रालय (एमओसी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी. मंत्रालय की घोषणा के अनुसार, इन कंपनियों में लॉकहीड मार्टिन मिसाइल्स एंड फायर कंट्रोल, लॉकहीड मार्टिन एयरोनॉटिक्स और लॉकहीड मार्टिन मिसाइल सिस्टम इंटीग्रेशन लैब शामिल हैं. एमओसी ने कहा कि इन कंपनियों को चीन से संबंधित आयात या निर्यात गतिविधियों में शामिल होने से प्रतिबंधित किया जाएगा और चीन में नए निवेश करने से भी रोका जाएगा. घोषणा के अनुसार, इन कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों को चीन में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा, उनके कार्य परमिट और विजिटर या रेजिडेंसी स्टेट्स को रद्द कर दिया जाएगा, और उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी भी संबंधित आवेदन को मंजूरी नहीं दी जाएगी. समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, एमओसी ने कहा कि यह कंपनियां चीन के कड़े विरोध के बावजूद हाल के वर्षों में ताइवान क्षेत्र में हथियारों की बिक्री में लगी हुई हैं और सैन्य टेक्नोलॉजी को लेकर तथाकथित सहयोग कर रही हैं. मंत्रालय ने कहा कि उनके कामों ने चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को गंभीर रूप से कमजोर किया है.

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129